शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची,रविवार 25 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 06, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~4~~ ● वर्ष : 2, अंक : 137 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.1	24.9
जमशेदपुर	31.8	24.4
डालटनगंज	32.2	24.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शिखर धवन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

नयी दिल्ली। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है. धवन (38) ने कहा कि उन्होंने 2010 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच से क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से सभी तीन प्रारूपों में टीम का प्रतिनिधित्व किया और वह संतुष्ट व्यक्ति के रूप में संन्यास ले रहे हैं. जीवन में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है. इसलिए मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं. मैं अपने दिल में इस सुकून के साथ संन्यास ले रहा हूं कि मैंने भारत के लिए इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेला. धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले. उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें 44.11 की औसत से 6,793 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 40.61 की औसत से 2,315 रन बनाए. -पेज 10 भी देखें

देश में हर 16 मिनट में एक रेप!

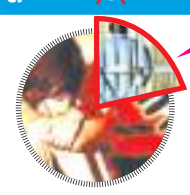

27.4%

मात्र मामलों में ही बलात्कारियों को मिलती है सजा, रेप के मामलों में राजस्थान-उत्तराखंड आगे, झारखंड भी पीछे नहीं

लगातार न्यूज नेटवर्क। कोलकाता

कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म-हत्याकांड मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. ये मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है. डॉक्टर्स लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. भारत में रेप और बलात्कार कोई नई बात नहीं है, ये एक गंभीर सामाजिक समस्या है जो लगभग हर वक्त कहीं न कहीं सुर्खियों में बनी रहती है.

संडे खास

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में भारत में हर दिन 86 रेप के मामले सामने आए, यानी हर 16 मिनट में एक बलात्कार का केस दर्ज हुआ. वहीं हर तीन दिन में दो महिलाओं की रेप के बाद हत्या कर दी गई. रेप, जिसे अक्सर यौन उत्पीड़न के रूप में जाना जाता है. ये एक जघन्य अपराध है जो तब होता है जब कोई पुरुष किसी महिला के साथ उसकी बिना सहमति के जबरदस्ती यौन संबंध बनाता है. इसमें शारीरिक बल का इस्तेमाल करना, धमकी देना या किसी भी अन्य तरह का दबाव बनाना भी शामिल हो सकता है. यह तब भी हो सकता है जब कोई व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाता है जो कानूनी तौर पर हां कहने या सहमति देने की स्थिति में नहीं है. अगर कोई पुरुष किसी महिला के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध या उसकी सहमति के बिना यौन गतिविधि में संलग्न होता है, तो वह बलात्कार का दोषी है. ये भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 63 के खंड एक से सात द्वारा परिभाषित किया गया है. - शेष पेज 07 पर

देश में रेप के मामलों का क्या है आंकड़ा

भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले साल-दर-साल बढ़ते ही जा रहे हैं. एनसीआरबी के अनुसार, 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 371,503 मामले दर्ज किए गए थे. इसके बाद अगले साल 2021 में 428,278 और 2022 में 445,256 मामले सामने आए. यानी कि तीन साल में करीब 20 फीसदी अपराध बढ़ गया. साल 2022 में कुल 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं रिपोर्ट की गई और कुल 31,516 केस रजिस्टर किए गए. राज्यवार आंकड़ा देखा जाए तो 2022 में राजस्थान में सबसे ज्यादा 5408 महिलाओं के साथ रेप जैसा घिनौना अपराध हुआ और यहां कुल 5399 रेप के केस दर्ज किए गए. राजस्थान के बाद उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ऐसे दो राज्य हैं जहां तीन हजार महिलाओं के साथ ऐसा अपराध हुआ. इसके अलावा महाराष्ट्र (2911), हरियाणा (1787), असम (1478), ओडिशा (1464), झारखंड (1298), छत्तीसगढ़ (1246), पश्चिम बंगाल (1112) में सबसे ज्यादा महिलाओं के साथ रेप का मामला सामने आया.

आबादी के हिसाब से देखा जाए तो उत्तराखंड में सबसे ज्यादा बलात्कार के मामले हुए. रेप के मामले में उत्तराखंड का सबसे ज्यादा 15.4 क्राइम रेट है. इसका मतलब है कि एक लाख की आबादी पर 15.4 महिलाओं का बलात्कार हुआ. उत्तराखंड के बाद चंडीगढ (13.9), राजस्थान (13.8), हरियाणा (12.7), दिल्ली (12.3), लक्षद्वीप (12.1) का रेप मामले में सबसे ज्यादा क्राइम रेट है.

किस उम्र की महिलाएं ज्यादा शिकार होती हैं?

2022 की एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 18 से 30 साल के बीच की महिलाएं सबसे ज्यादा (21,063) शिकार यौन उत्पीड़न का शिकार हुईं. इनके अलावा 30 से 45 साल के बीच की 8644 महिलाओं ने बलात्कार के मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई. उम्र के हिसाब से महिलाओं के यौन उत्पीड़न के ये रहे आंकड़े...

6 साल से कम	32
6 से 12 साल के बीच	88
12 से 16 साल के बीच	370
16 से 18 साल के बीच	527
18 से 30 साल के बीच	21063
30 से 45 साल के बीच	8644
45 से 60 साल के बीच	1171
60 से ऊपर	87

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

आबादी के हिसाब से बने नीतिः राहुल गांधी

प्रयागराज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि हिंदुस्तान की जो सच्चाई है, जो हकीकत है. जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से पॉलिसी बनाई जानी चाहिए. यदि लोगों की आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जाती, तो जरूरतमंदों को इसका लाभ नहीं मिलेगा और नीति बनाने का मतलब नहीं है. केंद्र सरकार की नीतियां सिर्फ चुनिंदा पूंजीपतियों और 30% लोगों के लिए है. संविधान यह कहता है कि सभी एक समान हैं और सभी को बराबर अधिकार मिलना चाहिए.

बुल्डोजर न्याय अस्वीकार्य है, बंद होः प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि देश में बुल्डोजर न्याय अस्वीकार्य है और ये बंद होना चाहिए. उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की जब एमपी में थाने पर पथराव की घटना के एक आरोपी की कोठी को बुल्डोजर से तोड़ दिया गया. प्रियंका ने कहा, अगर कोई अपराध का आरोपी है, तो उसका अपराध एवं उसकी सजा सिर्फ कोर्ट तय कर सकती है. आरोप लगते ही आरोपी के परिवार को सजा देना, सिर से छत छीन लेना, कानून का पालन न करना, अदालत की अवहेलना करना, आरोप लगते ही आरोपी का घर ढहा देना- यह न्याय नहीं है.

असम रेप मामले के मुख्य आरोपी की मौत

गुवाहाटी। असम में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार का मुख्य आरोपी शुक्रवार देर रात पुलिस हिरासत से कथित रूप से फरार हो गया और उसने नगांव जिले के धींग में एक तालाब में छलांग लगा दी जिससे उसकी मौत हो गई. इस बीच आरोपी के गांव के लोगों ने उसकी लाश कब्रिस्तान में दफनाने से रोक दिया है और कहा है कि कोई भी शवयात्रा में शामिल नहीं होगा.

हजारीबागः सीएम की दहाड़, सरकार का काम विपक्षियों को पच नहीं रहा

हमारा लक्ष्य हर परिवार को मिलें एक लाख रुपए महीना

प्रमुख संवाददाता। हजारीबाग/रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा है कि हमारी सरकार इतना बेहतरीन काम कर रही है, लेकिन इन विपक्षियों को ये पच नहीं रहा है. ये लोग हमारे खिलाफ अपनी बैद्धिक ताकत का इस्तेमाल करते हैं. अमीर वकील, जज, बड़े-बड़े अफसर इनके यार-दोस्त हैं. गरीब को झूठे केस-मुकदमे में फंसा कर उसके कामों में रोड़ा डालते हैं. हम ऊपर चढ़ने का कोशिश करते हैं, तो हमारी टांग खींचने की कोशिश की जाती है. विपक्षी दल छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, असम से नेताओं को बुला कर यहां हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई-अगड़ा-पिछड़ा करके जहर घोलने का काम कर रहे हैं.

सीएम हेमंत सोरेन शनिवार को हजारीबाग के नगवां स्थित सिंदूर मैदान में मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना कार्यक्रम में बोल रहे थे. कार्यक्रम में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की 13.94 लाख महिलाओं के खाते में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि ट्रांसफर की गई. हेमंत ने कहा कि हम बस ये जानना चाहते हैं कि यहां जो महिलाएं आई हैं सात जिलों से, कि आपको यह मंईयां सम्मान योजना अच्छी लगी है या नहीं. मात्र 14-15 दिनों में 42 लाख से अधिक महिलाओं को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से जोड़ा गया है. बहुत तेजी से राज्य की 21 से 49 साल की महिलाएं इससे जुड़ रही हैं, यह काबिले-तारीफ है.

बूढ़े-बुजुर्गों को भी दे रहे हैं पेंशन : सीएम ने कहा कि बूढ़े-बुजुर्गों को भी हम पेंशन दे रहे हैं. राज्य में 35 लाख से अधिक बूढ़े-बुजुर्गों को पेंशन मिल रही है. आप इससे अंदाजा लगाइए कि किसी घर में तीन महिलाएं हैं, तो साल में 36 हजार खाते में जाएगा. साथ में दो बूढ़ा-बूढ़ी हैं, तो 24 हजार उसका भी. यानी कुल मिलाकर 60 हजार रुपया जा रहा है, एक-एक घर में. हमको नहीं लगता है कि झारखंड का कोई घर ऐसा बचा होगा, जहां सरकार की योजना नहीं पहुंची है.

हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मान राशि वितरित करते मुख्यमंत्री और अन्य अतिथि.

बोले सीएम

- छत्तीसगढ़, एमपी-असम के नेता झारखंड में आकर घोल रहे जहर
- विपक्षियों के अमीर वकील, जज, बड़े-बड़े अफसर हैं यार-दोस्त
- गरीब को झूठे केस केस में फंसाकर उसके काम में डालते हैं रोड़ा
- मुख्यमंत्री मंईयां योजना से अब तक 42 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी
- झारखंड के हर घर तक पहुंची सरकार की कल्याणकारी योजनाएं

आधी आबादी हमारे साथ खड़ी है

राज्य की आधी आबादी सरकार बनने से लेकर आज तक हमारे साथ खड़ी है. उसी को अपने पैरों पर खड़ा करने का संकल्प हमने लिया है. इसलिए बेटी के जन्म से लेकर मरने तक कुछ न कुछ योजना हम लेकर आए हैं. किसानों की ऋण माफी की बात करें, महिलाओं को सम्मान देने की बात करें या बूढ़ा-बुजुर्ग को लाठी पकड़ाने की बात करें या आने वाली पीढ़ी के लिए को मार्गदर्शन करने की योजना हो उन सबको सावित्रीबाई फुले योजना से आच्छादित किया है.

आप लोग अपने बेटे-बेटी को पढ़ाइए

सीएम ने कहा, अब बेटियों की शादी आप जल्दी मत कीजिए. आप अपने बेटे-बेटी को पढ़ाइए. उनको पढ़ाने का खर्चा सरकार उठाएगी. गुरुजी क्रेडिट कार्ड हमने लागू की है, जिससे हम गरीब बच्चों को 15 लाख रुपए बिना किसी गारंटी के हम बैंक से दिलवाएंगे. आने वाले समय में हम हर घर में एक-एक लाख रुपया पहुंचाने का कोशिश करेंगे.

विपक्षी व्यापारियों की सुरक्षा में लगे रहे

हेमंत सोरेन ने कहा, राज्य अलग होने के बाद विपक्षियों ने जो सरकार चलाई, वो सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान न देकर व्यापारियों की सुरक्षा में लगे रहे. अपने व्यापारियों का लाखों-करोड़ों माफ करने का पैसा इनके पास था. यहां के लोगों को न राशन मिला, न पैसा, न रोजगार. 2019 से पहले जब डबल इंजन की सरकार थी. हाथ में राशन कार्ड लेकर भात-भात करके लोग मरता था. कोरोना जैसी महामारी आई, सब कुछ बंद हो गया. ऐसी स्थिति में भी हमने एक भी व्यक्ति को भूखा नहीं मरने दिया.

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की 13.94 लाख बहनों के खातों में पहुंची राशि

हेमंत सोरेन ने कहा कि महान वीरों की भूमि उत्तरी छोटानागपुर के रामगढ़, हज़ारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद एवं बोकारो की 13 लाख 94 हज़ार बहनों के खातों में सम्मान राशि सीधे तौर पर पहुंचाई गई. इस मद में एक अरब 39 करोड़ रुपए की राशि खर्च की गी है. छह महीने विलंब हुए इस योजना एवं सम्मान राशि को आप तक पहुंचाने में. लेकिन पिछले 20 दिनों के रिकॉर्ड समय में हमने यह कामयाबी हासिल की. कहा कि मैं झारखंड सरकार के सभी साथी कर्मी, विभिन्न बैंकों के सभी साथी कर्मी, प्रज्ञा केंद्रों के साथी कर्मी, पंचायत, प्रखंड, जिलों के सभी सम्मानित जन प्रतिनिधि के साथ उत्तरी छोटा नागपुर की बहनों का आभार प्रकट करता हूं. अब अगले माह से हर महीने की 15 तारीख़ को सम्मान राशि बहनों के खाते में अपने आप पहुंचनी शुरू हो जाएगी.

शुरू से ही परेशानियों में घिरे रहे

सीएम ने कहा कि हमलोग शुरू से ही परेशानियों से घिरे रहे हैं. राज्य का खजाना खाली था. ऐसी विपरीत परिस्थिति में भी राज्य को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का काम हमने किया. भाजपा के लोगों ने 18-20 साल राज किया. ये लोग मेरे पीछे षडयंत्र रचते रहे. झूठे आरोप में इन लोगों ने कोर्ट कचहरी करके मुझे जेल में डाल दिया. वहां 5-6 महीना रहने के बाद आज हम आपके बीच खड़े हैं. ये लोग को लगता है आदिवासी कमजोर और मूर्ख होता है. इनकी गलतफहमी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने दूर कर दिया. हमारे ऊपर लगे आरोप झूठ निकले और आज हम कोर्ट के आदेश से आपके सामने खड़े हैं.

बिछड़ा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई!

अंशुमान तिवारी

विश्व के सबसे संभावनामय कार बाजार में ग्राहक ही लापता हो गए. दास्तां यूं बदल गई ! कार डीलरों के पास 73000 करोड़ रुपए की कारें शो रूम और गोदामों में पड़ी हैं. अर्थात तीन पीएम ग्राम सड़क योजनाओं से ज़्यादा की राशि फंसी है. कार डीलर 30 दिन का स्टॉक (इन्वेंटरी) रखते हैं, अब 70 दिन की इन्वेंटरी हो रही. डीलर बैंक कर्ज़ लेकर कंपनियों को कार का भुगतान करते हैं. सो बैंक भी फंसे.

डीलरों का संगठन फाडा कह रहा है कि कार कंपनियों ने अपना स्टाक, डीलरों के सर मढ़ दिया, बिक्री है नहीं. कार कंपनियां कह रहीं -डीलर कुछ ज़्यादा ही शिकायत कर रहे.

अप्रैल - जून के बीच बिक्री केवल 3.0 प्रतिशत बढ़ी. जुलाई में 2.5 प्रतिशत घट गई. सुज़ुकी, टाटा, हुंडई सबको झटका लगा. डिस्काउंट देने के बावजूद. साल 2023-24 में आटोमोबाइल निर्यात भी करीब 5.5 प्रतिशत घट गया. जून की तिमाही में निर्यात सुधरा है मगर इतना नहीं कि राहत मिले.

भारत छोटी कारों का बाज़ार था, महंगाई बढ़ने और कमाई घटने से बाज़ार सिमट गया. जब बाइक खरीदना मुश्किल है तो कार की कौन सोचे. बीते बरस एक बडे कार निर्माता ने छोटी कारों के बाजार को श्रद्धांजलि दे दी थी. बचीं मझोली-महंगी कारें, कोविड वाली मांग निबट ली, तो फिर यहां भी सन्नाटा.

टिप्पणी

महंगा कर्ज़, आटोमोबाइल पर टैक्स पर टैक्स और फिर ईंधन की ऊंची क़ीमतें ग्राहक कहां से आएं? उदारीकरण के बाद कार उद्योग ऐसे दिन पहली बार देख रहा है कि उत्पादन में कटौती की नौबत है.

देश में कार वाले कम हैं. 1000 लोगों पर 24 कारें, दुनिया में 1000 लोगों पर 314 के औसत से बहुत कम. मगर थोड़ी-सी कारों के बिकने न बिकने से तय होता है उपभोक्ता बाज़ार में मौज है या मायूसी ! क्यों कि.. भारत की पूरी मैनुफैक्चरिंग एक तरफ़ और ऑटोमोबाइल एक तरफ. कुल मैन्यूफ़ैक्चरिंग में ऑटोमोबाइल का हिस्सा 49 प्रतिशत है. जीडीपी में 7.1 प्रतिशत और 3.7 करोड़ रोजगार, ऐसा सरकारी आर्थिक समीक्षा बताती है.

स्टील से लेकर रबर तक असंख्य उद्योग और बीमा से बैंकिंग तक कई सेवायें कारों के पहियों पर चलती हैं. अब आप इस विशाल उपमहाद्वीपीय अर्थव्यवस्था में पोखर सी मैन्यूफैक्चरिंग को बिसूरिये जो मुट्ठी भर कार ग्राहकों की मोहताज़ है या फिर महंगे कर्ज, भारी टैक्स और पेट्रोल डीजल की कीमतों को लानतें भेजिए, मगर उपभोक्ता बाज़ार के उत्सव सूचक उद्योग की उदासी बड़ी संगीन हो चली है.

आह कार, वाह कार !
हैरां थे अपने अक्स पे घर के तमाम लोग
शीशा चटख गया तो हुआ एक काम और - दुष्यंत.

नोटः लेखक आर्थिक मामलो के वरिष्ठ पत्रकार और मनी नाइन के संपादक हैं और यह टिप्पणी उनके सोशल मीडिया एकाउंट एक्स से ली गई है.

सरकारी कर्मियों को यूपीएस पर मुहर

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र की मोदी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है. नई पेंशन स्कीम में सुधार की मांग पर ध्यान देते हुए सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दे दी है. इसका उद्देश्य सरकारी कर्मियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन देना है. नई पेंशन स्कीम में सुधार को लेकर डॉ. सोमनाथ कमेटी का गठन किया गया था. इस कमेटी ने विस्तार से चर्चा के बाद रिपोर्ट पेश की. दरअसल, शनिवार को केंद्रीय कैबिनेट ब्रीफिंग के बारे में जानकारी केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देते हुए कहा कि कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए. जिसमें यूनिफाइड पेंशन स्कीम का ऐलान भी शामिल है. -शेष पेज 07 पर

यह बंदी खतरे की घंटी है

चंद्रमौलि

विश्लेषण

बीते 21 अगस्त को भारत बंद कराया गया. यह बंद हुआ या नहीं, कहां हुआ कहां नहीं, जहां हुआ उसका कारण क्या था, यह कोई अबूझ पहेली नहीं है. इस बंद को देश के विपक्षी दलों का समर्थन था. सत्ता पक्ष के भी कुछ उत्साही नेताओं ने इसमें छौंक लगायी थी. लेकिन ऐसी कौन-सी घटना हो गयी थी जिसके लिए भारत बंद की जरूरत आन पड़ी. मीडिया की खबरों की पड़ताल से पता चला कि यह बंद सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ था. वह फैसला यह था कि दलितों और आदिवासियों को मिल रहे आरक्षण में भी वर्गीकरण किया जाए. यानी इनके आरक्षण के कोटे में भी कोटा तय किया जाए. ताकि आरक्षण की मलाई चाट रही जातियों और कुनबों को बाहर कर आरक्षण से वंचित जमातों को आरक्षण की सुविधा दी जा सके. इस फैसले में सैद्धांतिक और तार्किक रूप से कुछ भी गलत नहीं था.

पिछड़ों को मिल रहे आरक्षण में भी तो मलाईदार परत तय की गई है. जब यह किया गया, तब तो कोई भारत बंद नहीं हुआ. कहीं कोई कोहराम नहीं मचा. फिर इस बार उद्वेलन की क्या जरूरत थी ? इसके दो कारण हैं. पहला यह कि आरक्षण के मजे लूट रही दलित और आदिवासी जातियों के एक वर्ग के हाथ में न केवल समाज का नेतृत्व है, वे दबंग हैं, साधन संपन्न हैं और इस समाज के वंचित तबके के पास अपना हक मांगने या जताने के लिए न कोई संगठन है, न नेता. दूसरा कारण यह है कि लोकसभा चुनाव के समय से ही आरक्षण को एक शिगूफा बना दिया गया है.

यह मान लिया गया है कि इससे मोदी सरकार डरेगी. इसलिए जब भी मौका मिले, उसे डराया जाना चाहिए. लेकिन क्या इसके लिए भारत बंद जैसे आयोजन के जरिए बदअमनी फैलाने का प्रयास आवश्यक था और वह भी सुप्रीम कोर्ट के एक निर्दोष फैसले को आधार बना कर. अगर यह सिलसिला चल पड़ा, तो कहां जाकर रुकेगा, यह सोच कर ही सिहरन पैदा होती है.

1986 में सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाकशुदा महिला शाहबानो को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था. इस फैसले के खिलाफ कठमुल्लों ने आसमान सिर पर उठा लिया था. उस समय संविधान ठेंगे पर रख दिया गया था. तब मुख्य न्यायाधीश वाईबी चंद्रचूड़ के पुतले फूंके गये थे, वह भी उसे जूते की माला पहना कर. मुंबई में तो दंगे के हालात पैदा हो गये थे. यह प्रदर्शन तब थमा, जब बाला साहब ठाकरे ने ऐलान कर दिया कि इन लोगों को कराची लाहौर भेजना होगा. यही हालत पूरे देश में थी. फिर क्या था, सेक्युलरिज्म की सरकार कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद में कानून बना कर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलट दिया था. तब आरिफ मोहम्मद खान ने इसके विरोध में मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया था. इस बार भी उसकी पुनरावृत्ति हुई है, लेकिन दूसरे तरीके से. एक तो सुप्रीम ने एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर तय करने का कोई आदेश नहीं दिया था. इस बाबत उसने फैसला जरूर दिया था, लेकिन वह मात्र ऑब्जर्वेशन था या अधिक से अधिक सिफारिश थी. इसे भी सरकार ने अपने कैबिनेट नोट से मानने से इंकार कर दिया था. वह शायद जानती थी कि इस पर बवाल होगा और हमला उसी पर होगा.

तथ्य यह भी है कि गंठबंधन की सरकार चला रहे नरेंद्र मोदी को फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाना पड़ रहा है. यही वजह है कि लेटरल इंट्री वाले मामले में भी सरकार ने विज्ञापन रद्द कर दिया है. हालांकि लेटरल इंट्री का विरोध कर रही कांग्रेस ने मनमोहन सिंह, मोंटेक सिंह अहलूवालिया, रघुराम राजन, एमके झा से लेकर नंदन नीलकेणि तक अनेक नियुक्तियां इसी तरीके से की थी. लेकिन इस समय आरक्षण मंकी पॉक्स की तरह जानलेवा हो गया है. -शेष पेज 07 पर

सुप्रीम कोर्ट ने बताया कब किस अपराध में लागू होगा ये कानून

जाति का जिक्र किए बिना अपमान एससी-एसटी ऐक्ट के दायरे में नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एससी या एसटी समुदाय से संबंधित मामले में अहम फैसला सुनाया है. शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति का अपमान या अपमान करना, बिना उसकी जाति, जनजाति या अस्पृश्यता की अवधारणा के बारे में संकेत दिए बिना, एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट, 1989 के कड़े प्रावधानों के तहत अपराध नहीं होगा.

जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने यह फैसला ऑनलाइन मलयालम समाचार चैनल के संपादक शाजन सकारिया को अंतरिम जमानत देते हुए दिया. सकारिया को एससी/एसटी समुदाय से संबंधित सीपीएम विधायक पीवी श्रीनिजन को माफिया डॉन कहने के लिए एससी/एसटी अधिनियम के तहत बुक किया गया था. साथ ही उन्हें ट्रायल कोर्ट और केरल हाईकोर्ट द्वारा पूर्व गिरफ्तारी जमानत से वंचित कर दिया गया था. -शेष पेज 07 पर

सुप्रीम कोर्ट ने मानी दलीलें

कोर्ट ने संपादक की ओर से एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा और गौरव अग्रवाल के तर्कों को स्वीकार करते हुए कहा कि एससी/एसटी समुदाय के किसी सदस्य का हर जानबूझ कर अपमान या डराना जाति-आधारित अपमान की भावना पैदा नहीं करेगा. हमारे विचार में, यहां तक कि प्रथम दृष्टया भी कुछ भी ऐसा नहीं है, जो इंगित करता हो कि अपीलकर्ता ने यूट्यूब पर वीडियो डाल करके, एससी/एसटी के खिलाफ दुश्मनी, घृणा या बुरा मानस की भावनाओं को बढ़ावा दिया या बढ़ाने का प्रयास किया. वीडियो का एससी या एसटी से कोई लेना-देना नहीं है. उनका लक्ष्य सिर्फ शिकायतकर्ता (श्रीनिजन) अकेले थे.

ब्रीफ खबरें

ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि बढ़ाने का आदेश

रांची। भू राजस्व विभाग ने पारंपरिक ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है. हालांकि इस प्रस्ताव को पिछले दिनों हुई कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति मिल चुकी थी. जारी आदेश के अनुसार अब मानकी परगनैत को 6000 रुपये प्रतिमाह, ग्राम प्रधान को 4000 प्रति माह, डाकुआ, पराणिक, जोगमांझी, कुड़ाम, नायकी, गौड़ेत,मूल रैयत, ग्रामीण दिउरी पुजारी, पड़हा राजा, घटवाल और ताकेदार को प्रतिमाह 2000 रुपये दिये जाएंगे.

आसपा (का.) के प्रदेश सचिव बने परवेज

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारी में सभी सियासी

पार्टी लग गए हैं. शनिवार को आजाद समाज पार्टी (का.) ने रांची के रहने वाले मशहूर समाजसेवी परवेज शहजाद को प्रदेश सचिव सह रांची जिला प्रभारी मनोनीत किया गया है. इससे पहले भी परवेज शहजाद राजनीतिक पार्टी में बड़े पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. परवेज शहजाद को लेटर सौंपा गया. लेटर में लिखा है कि आजाद समाज पार्टी(का.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर और प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा की अनुशंसा पर आपको प्रदेश सचिव मनोनीत किया है. सचिव मनोनीत होने पर परवेज शहजाद ने कहा की हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद, प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा और पार्टी के सभी नेताओं का शुक्रिया अदा करते हैं. पार्टी ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है, उस पर में खरा उतरने का काम करूंगा.

लोजपा (आर) की बैठक आज, भाग लेंगे चिराग

रांची। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) अब झारखंड में भी अपना राजनीतिक दायरा बढ़ाना चाहती है. पार्टी की रविवार को रांची में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी. इस बैठक में झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ-साथ हरियाणा व अगले वर्ष बिहार विधानसभा के चुनाव की रणनीति पर अहम निर्णय लिए जाने की संभावना है. इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है, एक बार फिर चिराग पासवान को सर्वसम्मति से इस पद के लिए चुना जायेगा.

मुख्यमंत्री अस्पताल कायाकल्प योजना के लिए गाइडलाइन जारी

सभी सरकारी अस्पताल होंगे अपग्रेड, बढ़ेंगी सुविधाएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के सभी सरकारी अस्पताल अपग्रेड होंगे. साथ ही मरीजों के लिए सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी. इसके लिए मुख्यमंत्री अस्पताल कायाकल्प योजना का गाइडलाइन जारी कर दी गयी है. योजना के तहत राज्य में मौजूद सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों के साथ संबद्ध अस्पताल शामिल होंगे. जिला व अनुमंडलीय हॉस्पीटल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का पुनर्विकास क्रमबद्ध तरीके से किया जाएगा. योजना का लक्ष्य इन अस्पतालों को आधुनिक बुनियादी ढांचे के रूप में विकसित करना है. आवश्यक सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए इसे सुसज्जित और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं में परिवर्तित करना है, जो आबादी की विविध चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो.

गाइडलाइन के अनुसार ये होंगे काम

- बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जायेगा.
- नए स्वास्थ्य मानकों के अनुसार अस्पताल भवनों का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण किया जायेगा.
- मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नए उपकरण उपलब्ध कराये जाएंगे.
- हॉस्पीटल तक सड़क का निर्माण कराया जायेगा.
- मरीजों और उनके परिजनों के लिए अलग-अलग कमरे होंगे.
- आउट पेसेंट सेवा, परामर्श कक्ष, मेडिकल इमेजिंग, इमरजेंसी, बर्न यूनिट, डायलिसिस यूनिट, सीसीयू, ऑपरेशन थियेटर और लेबर रूम को अपग्रेड किया जाएगा.
- सुरक्षा के दृष्टिकोण से आपातकालीन निकास और अग्निशमन व्यवस्था को अपग्रेड किया जाएगा.
- पुराने व टूटे भवनों को ध्वस्त कर नए भवन बनाए जायेंगे.
- मेडिकल कचरा के निपटारे के लिए संयंत्र लगाये जायेंगे.

मरीजों को मिलेंगी सुविधाएं

- ऑक्सीजन की सप्लाई पाइप लाइन से होगी.
- मरीजों, कर्मचारियों और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए फायर अलार्म सिस्टम, स्प्रिंकलर और आपातकालीन निकास की व्यवस्था.
- रोगियों, आगंतुकों और आपातकालीन वाहनों के लिए सुविधाजनक पहुंच के साथ पार्किंग.
- दिव्यांगों के लिए बाधामुक्त पहुंच की होगी सुविधा.

झामुमो से दूर होने वाले कई नेता सियासी पीच पर हुए हिट विकेट

रवि भारती। रांची

झामुमो से किनारा करने वाले कद्दावर नेता राजनीति की सियासी पिच पर हिट विकेट हो गए. इसके बाद उन्हें मजबूत ठिकाना नहीं मिल पाया. झामुमो से राजनीतिक सफर की शुरूआत करने वाले सिर्फ अर्जुन मुंडा और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ही चल पाए. अर्जुन मुंडा सीएम पद तक पहुंचे. फिर केंद्रीय मंत्री की भी जिम्मेवारी संभाली. वहीं 2014 में विद्युतवरण महतो ने झामुमो का दामन छोड़ बीजेपी के हो गए थे. वे भाजपा के टिकट पर जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं. इसके अलावा कृष्णा मार्डी, सूरज मंडल, दुलाल भुईंया, कुणाल षाड़ंगी और सीता सोरेन का राजनीति करियर दांव लग गया.

कुणाल षाड़ंगी को नहीं मिली मजबूत जमीन

कुणाल षाड़ंगी को अब तक

मजबूत जमीन नहीं मिल पाई है. झामुमो से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी. 2014 में झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ जीत हासिल की. उस समय उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता दिनेशानंद गोस्वामी को मात दी थी. 2019 में भाजपा का दामन था. भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन जीत नहीं पाए. फिलहाल वे झामुमो में आने की जुगाड़ में हैं.

सियासी पिच पर टिक नहीं पाए कृष्णा मार्डी

कृष्णा मार्डी झामुमो के कद्दावर

नेताओं में शुमार थे. सरायकेला वे 1985 व 1990 में दो बार विधायक बने. 1991 में सांसद भी बने. 1992 में झामुमो से किनारा कर नया दल झामुमो (मार्डी) बनाया. साथ में नौ विधायक को भी साथ ले गए, लेकिन फायदा नहीं मिला. मजबूत जमीन की तलाश में 2006 में भाजपा दामन थामा. वहां बात नहीं बनी. 2008 में आजसू में गए. यहां भी टिक नहीं पाए. 2013 में कांग्रेस का दामन था. फिर 2014 में कांग्रेस को अलविदा कह दिया.

झामुमो छोड़ने के बाद हार गईं सीता सोरेन

सीता सोरेन जामा से झामुमो के

टिकट पर विधायक थीं. जमा से साल 2019 में तीसरी बार चुनाव जीता था. लोकसभा चुनाव 2024 में उन्होंने झामुमो छोड़ दी और भाजपा ज्वाइन कर ली. मगर, उनका झामुमो छोड़ना रास नहीं आया. इस लोकसभा चुनाव में उन्होंने दुमका से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा मगर वह हार गईं. अब उनका राजनीतिक करियर दांव पर है.

सफलता को तरसे, पहचान के मोहताज हुए मंडल

झामुमो से किनारा करने के बाद

सूरज मंडल सफलता को तरस गए. वे 1980 से 1991 तक बिहार विधानसभा के सदस्य रहे. 1991 में गोड्डा से सांसद बने. झामुमो से निकाले जाने के बाद सूरज मंडल का सितारा गर्दिश में आ गया. इसके बाद वह सफलता को तरस गए. अब सूरज मंडल ने राजनीतिक सफलता के लिए काफी हाथ पैर मार रहे हैं. मगर, कहीं कोई फायदा नहीं होता नजर नहीं आ रहा.

अब चंपाई सोरेन बना रहे नया दल

झामुमो से किनारा कर नया दल बनाने की घोषणा चंपाई सोरेन ने की है.

फिलहाल उन्होंने अब तक न तो झामुमो से इस्तीफा दिया है और न ही मंत्री पद से. उन्होंने एक सप्ताह के अंदर नया दल बनाने की बात कही है, लेकिन राजनीति गलियारों में इस बाच की चर्चा जोरों से हो रही है कि झामुमो में सियासत सीखने के बाद इससे जितने भी नेता अलग हुए सब का सियासी समंदर में बेड़ा गर्क ही हो गया. झामुमो छोड़ने के बाद जनता ने इन्हें नकार दिया. इक्का-दुक्का नेता ही ऐसे निकले जो दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीति चमका पाए और एक सियासी मुकाम हासिल किया.

कहीं भी सेट नहीं हो पाये दुलाल भुईयां

झामुमो से किनारा करने के बाद दुलाल भुईयां सियासी पिच पर अब तक

सेट नहीं हो पाए हैं. 1995, 2000 और 2005 में जुगसलाई से झामुमो के टिकट पर विधायक बने थे. साल 2005 में विधायक बनने के बाद झामुमो ने उन्हें मंत्री भी बनाया. मगर, साल 2009 के विधानसभा चुनाव में वह आजसू के रामचंद्र सहिस से चुनाव हार गए. इसके बाद, झामुमो छोड़कर झाविमो का दामन थामा. 2014 में चुनाव से पहले वह भाजपा में आ गए. भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया. फिर वे कांग्रेस के साथ हो लिए. फिलहाल वे सक्रिय राजनीति में दिखाई नहीं दे रहे.

केबीसी में भी छाये रहे पूर्व सीएम चंपाई सोरेन

रांची। केबीसी(कौन बनेगा करोड़पति) के एपिसोड में भी चंपाई सोरेन छाये रहे. 23 अगस्त को सोनी टीवी चैनल में प्रसारित एपिसोड में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हॉट सीट में बैठी पटना की निशा राज से सवाल पूछा, फरवरी 2024 चंपाई सोरेन ने किस राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. इस पर ऑप्शन दिए गए थे सिक्किम, राजस्थान, उत्तराखंड और झारखंड. निशा राज से सही जवाब देकर 20 हजार रुपये जीते.

जेल में मोबाइल के इस्तेमाल बंद हो, तो लगे संगठित अपराध रोक

सौरव सिंह। रांची

झारखंड के जेल में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक के बाद ही संगठित अपराध पर लगाम लग पायेगी. पूरे झारखंड में 31 जेल हैं. जिनमें सात सेंट्रल, 17 जिला और छह अनुमंडल कारा है. एक ओपेन जेल हजारीबाग में है. इन जेल में कई छोटे-बड़े अपराधी बंद है. जो जेल में रहकर कारोबारियों से रंगदारी मांगने का काम कर रहे हैं. जेल में बंद अपराधी रंगादारी नहीं देने पर हत्या जैसे घटनाओं को अंजाम भी दिला रहे हैं. समय-समय कई हत्या और रंगदारी मांगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसके कनेक्शन जेल से जुड़े थे. वहीं जेल में जो जैमर लगे हैं, वो 2जी नेटवर्क पर ही प्रभावी है. वहीं अपराधी 4जी और 5जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर मोबाइल ऐप से व्यापारियों और अपने गुर्गों से लगातार संपर्क में हैं. जैमर को जब तक अपग्रेड नहीं किया जायेगा, तब तक इस पर लगाम नहीं लगेगा. कुछ दिन पहले एटीएस की टीम ने सिमडेगा जेल में छापेमारी कर अमन साहू गिरोह के अपराधी के पास से मोबाइल भी बरामद किया था.

जेल कर्मियों से इनकी होती है जबरदस्त सांठगांठ : सबसे हैरान कर देने वाली बात तो यह है कि यह सभी गिरोह के लोग झारखंड के विभिन्न जेलों में बंद हैं. लेकिन जेल में बंद रहने के बावजूद इनके आतंक का सिक्का अभी भी चल रहा है. जेल के अंदर इन्हें वे तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो जेल के बाहर रहने पर भी मिलते हैं. समय-समय पर इन गैंगस्टर्स की जेल के अंदर से तस्वीरें और वीडियो भी वायरल होती है, जिनमें यह जेल में पार्टी करते हुए नजर आते हैं. दरअसल यह सब कुछ इसलिए हो रहा है, क्योंकि जेल कर्मियों से इनकी जबरदस्त सांठगांठ होती है. समय-समय पर जिला प्रशासन की तरफ से जेल के अंदर छापेमारी भी होती है, लेकिन उस समय कुछ भी नहीं मिलता है. क्योंकि प्रशासन की छापेमारी से पहले ही मोबाइल से लेकर तमाम तरह की वस्तुएं छिपा दी जाती हैं.

जैमर अपग्रेड से लगेगा ब्रेक : जब तक झारखंड के सभी जिलों में जैमर अपग्रेड का काम पूरा नहीं होगा, तब तक जेल के अंदर से अपराधियों के सल्तनत को खत्म कर पाना बेहद मुश्किल है. जेलों में सभी प्रकार के मोबाइल नेटवर्क को बंद करने के लिए अत्याधुनिक जैमर लगाने का काम अब तक फाइलों में ही सिमटा हुआ है. नतीजतन जेल के अंदर से ही कुख्यात अपराधी से लेकर छोटे-छोटे अपराधी जेल के बाहर अपने गुर्गो से घटनाओं को अंजाम दिलवा रहे हैं.

सात आपराधिक गिरोह पुलिस के लिए चुनौती

- अमन साहू गिरोह (जेल में) : रांची, लातेहार, रामगढ़ और हजारीबाग
- प्रिंस खान गिरोह (फरार) : धनबाद, बोकारो
- विकास तिवारी गिरोह (जेल में) : रामगढ़
- अमन श्रीवास्तव गिरोह (जेल में) : रामगढ़, हजारीबाग
- सुजीत सिन्हा गिरोह (जेल में) : लातेहार और पलामू
- अखिलेश सिंह गिरोह (जेल में) : जमशेदपुर और सरायकेला
- सुधीर दुबे गिरोह (जेल में) : जमशेदपुर और सरायकेला
- डब्लू सिंह गिरोह (फरार) : पलामू

3.50 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को मिलेगा फायदा

स्वास्थ्य बीमा के लिए 200 करोड़ स्वीकृति

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के 3.50 लाख सरकारी कर्मियों और पेंशनधारियों के स्वास्थ्य बीमा के लिए सरकार ने 200 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है. यह राशि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए दी गई है. इस राशि से राज्य में या राज्य के बाहर के अस्पतालों में सरकारी कर्मियों के इलाज की व्यवस्था की जायेगी. उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार ने सरकारी कर्मियों की स्वास्थ्य बीमा कराने का फैसला लिया है. दो अक्टूबर से इस योजना का लाभ कर्मियों को मिलेगा.

दो अक्टूबर से शुरू होगी योजना

इसके लिए सरकार ने टाटा एआईजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी से एग्रीमेंट किया है. योजना के तहत सभी सरकारी कर्मियों और पेंशनधारियों को पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त होगा.

इस योजना में आयुष्मान भारत योजना के तहत चिन्हित किए गए अस्पताल भी शामिल होंगे. स्वास्थ्य बीमा योजना लागू होने पर सरकारी कर्मियों को 1000 रुपये की जगह 500 रुपये चिकित्सा भत्ता मिलेगा. इस हिसाब कर्मियों को सालाना 12 हजार रुपये की जगह 6000 रुपये ही चिकित्सा भत्ता मिलेगा. शेष राशि बीमा योजना के प्रीमियम में एडजस्ट की जाएगी. बताते चलें कि इस योजना के लिए 25 अक्तूबर 2014 में ही संकल्प जारी किया गया था, लेकिन पिछले 10 सालों से यह योजना लंबित रही थी.

एनटीपीसी के निदेशक जदली ने संभाला कार्यभार

रांची। अनिल कुमार जदली ने शनिवार को एनटीपीसी के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला है. उन्होंने 1993 में एनटीपीसी से अपने करियर शुरू की थी. अनिल कुमार जदली एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में कंपनी से जुड़े और वर्तमान में वह मानव संसाधन कार्य के शीर्ष पद पर हैं. उन्होंने गढ़वाल विश्वविद्यालय से कार्बनिक रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर (पीजी) किया है. एमडीआई, गुड़गांव से मानव संसाधन प्रबंधन में व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री प्राप्त की है. उन्हें ईएससीपी-ईएपी (पेरिस, बर्लिन और ट्यूरिन) से प्रबंधन और नेतृत्व प्रशिक्षण इनपुट भी मिला है. उनका तीन दशकों का करियर काफी शानदार रहा है. लगभग एक दशक तक लाइन फंक्शन में काम करने के बाद 2004 में उन्होंने एचआर फंक्शन में काम करना शुरू किया था.

अनिल कुमार जदली

एसएसपी राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित, झामुमो कार्यकर्ता की तरह कर रहे काम

हेमंत सोरेन या तो माफी मांगे, या जनता को पांच साल का हिसाब दे: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सोरेन या तो माफी मांगे या राज्य की जनता को पांच साल का हिसाब दें. युवा आक्रोश रैली ने राज्य के लाखों युवाओं-बेरोजगारों को नौकरी और रोजगार का हक दिलाने की लड़ाई शुरू कर दी है. हेमंत सरकार ने पांच लाख युवाओं को नौकरी दी और ना ही राजनीति से संन्यास लिया. हेमंत सोरेन को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए.

बाबूलाल मरांडी ने रांची के एसएसपी पर आरोप लगाया है कि वह राजनीति पूर्वाग्रह से ग्रसित हो कर काम कर रहे हैं. शुक्रवार को आक्रोश रैली में जो कुछ भी हुआ है, उसे तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है. पुलिस ने निहत्थे महिलाओं, युवाओं पर अंधाधुंध पत्थर बरसा कर उन्हें जख्मी कर उकसाने का प्रयास किया. सरकार के इशारे पर ही आंसू गैस के

गोले छोड़े गए. अफसरों को यह समझना चाहिए कि सत्ता तो आती-जाती रहती है, सत्ताधारी के गुडबुक में आने के लिए इस तरह की कार्रवाई ठीक नहीं.

रांची में बंग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठः मरांडी ने आगे लिखा है कि रांची जिले में हो रहे आतंकी गतिविधियों, बांग्लादेशी मुसलमानों के घुसपैठ, आदिवासियों पर अत्याचार और निर्दोष लोगों की हत्याओं पर चुप रहने वाले एसएसपी का राजनीतिक कार्यकर्ता की तरह बयान देना स्पष्ट करता है, सरकार ने युवाओं के आक्रोश को दबाने के लिए पूरी मशीनरी लगा दी है.

आज रांची आएंगे हिमंता बिस्व सरमा

रांची। असम के सीएम सह बीजेपी के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा रविवार को रांची पहुंचेंगे. यहां वे भाजपा कार्यालय में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे. बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनायेंगे. साथ ही जिलों से आनेवाले पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे.

हाईकोर्ट की खबरें

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने एक नाबालिग से दुष्कर्म करने के जुर्म में दोषी करार दिये गये मार्टिन तिर्की को बीस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने मार्टिन पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना की राशि नहीं देने पर मार्टिन को छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. पोक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने यह फैसला सुनाया है. कोर्ट ने मार्टिन को 21 अगस्त को दोषी करार दिया था. घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने नगड़ी थाना में 2019 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

बिपिन की अर्जी पर 27 को सुनवाई

रांची। जमीन घोटाला मामले में आरोपी बिपिन सिंह की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में 27 अगस्त को सुनवाई होगी. बिपिन ने शुक्रवार को अपनी जमानत के लिए गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की है.

चेक बाउंस में निर्दोष करार शैलेंद्र के खिलाफ दायर अपील खारिज

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट ने चेक बाउंस के आरोप में निर्दोष करार दिये गये शैलेंद्र कुमार को बरी किये जाने के फैसले को बरकरार रखा है. जेएमएफसी (ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास) की कोर्ट ने दीपक कुमार पोद्दार द्वारा दर्ज केस की सुनवाई करते हुए शैलेंद्र कुमार को निर्दोष करार दिया था. इस फैसले को चुनौती देते हुए दीपक कुमार पोद्दार ने प्रधान न्यायायुक्त की कोर्ट में अपील दाखिल की थी. लेकिन कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी. दरअसल दीपक पोद्दार ने यह आरोप लगाया था कि कोरोना काल में उन्होंने शैलेंद्र को सात लाख रुपये दिये थे. शैलेंद्र ने बाद में सात लाख के एवज में दीपक पोद्दार को चेक दिये, जो बाउंस कर गये. लेकिन दीपक पोद्दार कोर्ट में यह साबित नहीं कर पाये कि शैलेंद्र द्वारा दिये गये चेक के बदले उन्हें नगद में भुगतान नहीं हुआ. शैलेन्द्र कुमार की ओर से अधिवक्ता कुशल अग्रवाल ने बहस की.

हेमंत सोरेन की याचिका पर 30 को सुनवाई

रांची। ईडी द्वारा दर्ज शिकायत वाद पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) द्वारा लिये गये संज्ञान और समन जारी करने के आदेश के खिलाफ़ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. झारखंड हाईकोर्ट इस मामले में अब 30 अगस्त को सुनवाई करेगा. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस की बेंच में हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई हो रही है. यह मामला शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था, लेकिन समयाभाव के कारण इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी.

क्लासिफाइड

दो मेडिकल कॉलेजों के लिए 348 पद का होगा सृजन

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक समिति की बैठक में मिली मंजूरी
- कोडरमा और चाईबासा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की होंगी 100-100 सीटें

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्र प्रायोजित योजना के तहत कोडरमा और चाईबासा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जानी है. इन दोनों कॉलेजों में शैक्षणिक कार्य के लिए 348 पदों के सृजन की स्वीकृति दे दी गई है. दोनों मेडिकल कॉलेजों में एक-एक प्रिंसिपल सहित 174-174 पद सृजित किए गए हैं. इसमें प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, अस्सिटेंट प्रोफेसर, सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट और ट्यूटर के पद शामिल हैं. मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासनिक समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है. कोडरमा और चाईबासा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 100-100 सीटें होंगी.

किस कॉलेज के किस प्रमुख विभाग में कितने शिक्षक पद सृजित

विभाग	कोडरमा	चाईबासा
एनाटोमी	06	06
फिजियोलॉजी	06	06
बायोकेमेस्ट्री	06	06
पैथोलॉजी	10	10
माइक्रोबायोलॉजी	06	06
फारमाक्लोजी	05	05
पीएमटी	04	04
पीएसएस	08	08
मेडिसीन	20	20
टीबी एंड चेस्ट	04	04
स्किन	04	04
साइकेट्री	04	04
पिड्याट्रिक	11	11
सर्जरी	20	20
ऑर्थोपेडिक्स	10	10
ईएंडटी	05	05
आई	04	04
गायनी	10	10
रेडियोडायग्नोसिस	05	05
रेडियोथेरेपी	04	04
एनेथेसिया	14	14
फिजिकल मेडिसीन	04	04
डेनेस्टी	04	04

योग शिक्षकों ने पारिश्रमिक बढ़ाने की रखी मांग, केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। रांची

आयुष आरोग्य मंदिर में कार्य कर रहे योग शिक्षकों ने अपने पारिश्रमिक को बढ़ाने की मांग रखी है. इसके लिए शनिवार को उन्होंने केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को ज्ञापन सौंपा. केंद्रीय मंत्री से मिलकर योग प्रशिक्षकों ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया. कहा गया कि योग प्रशिक्षक की बहाली 2019 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड रांची के आलोक में हुई थी, जिसमें प्रत्येक सत्र के लिए 250 पारिश्रमिक के रूप में दिया जा रहा है. यह राशि आज भी उतनी ही है. केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि मांग को आयुष मंत्री के समक्ष रखेंगे. मौके पर आनंद रंजन, मनोज कु. उपाध्याय, शत्रुघ्न कुमार, संदीप कु.ठाकुर, रूपेश कुमार, नूपुर कुमारी, पूनम प्रसाद, दीप्ति तिवारी आदि शामिल थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in धनबाद, रविवार 25 अगस्त 2024 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 वर्ष : 2, अंक : 137 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

अरूप चटर्जी की अपील पर सुनवाई

धनबाद : रेलवे परिचालन बाधित करने के जुर्म में हुए छह माह की सजा एवं दो हजार रूपए जुर्माना के विरूद्ध.निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी समेत 10 लोगों द्वारा दायर अपील पर सत्र न्यायालय में सुनवाई हुई. अदालत ने उभय पक्षों को बहस का निर्देश दिया है.।21 दिसंबर 20 को रेलवे के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी गौरव खुराना की अदालत ने पूर्व विधायक निरसा अरूप चटर्जी, मुहिज खान, राजू खान ,शिव कुमार भगत, शंकर प्रसाद सिंह, शेरू खान ,अनुपम मजूमदार, बादल चंद्र बाऊरी ,शांतू चटर्जी उर्फ दीपक चटर्जी , मुन्ना यादव को छह माह की कैद एवं 2000 जुर्माना से दंडित किया था.

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बरोरा। बाघमारा रेलवे फाटक के समीप रहने वाला सत्येन्द्र गोस्वामी ने अपने घर में शुक्रवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बाघमारा थाना पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया. मृतक के बड़े भाई बजरंगी गोस्वामी ने बताया कि मेरा छोटा भाई मां के साथ अलग कमरे में रहता था तथा अधिक मात्रा में शराब का सेवन करता था. वह ट्रक पर खलासी का काम करता था. जब कभी वह ड्यूटी समाप्त कर घर लौटता रास्ते में ही शराब पी लेता था. शराब के नशे में धुत्त रहने पर वह घर में लडाई-झगड़ा करता था. फिलहाल मां घर पर नहीं है. घटना की रात भी वह नशे में धुत्त होकर आया और घर का दरवाज़ा सटा कर सोने के लिए चला गया. रात में उसने कब फांसी लगाई पता नहीं चला.

ददई दुबे हुए कोर्ट में हाजिर

धनबाद : धनबाद के पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे व नीतीश कुमार सिंह के विरुद्ध शनिवार को सुनवाई हुई. बचाव पक्ष ने अभियोजन के केस को बंद करने की प्रार्थना की. कहा कि इस मामले में गवाह नहीं आ रहा है. इसलिए केस बंद किया जाए, सहायक लोक अभियोजक ने गवाह पेश करने के लिए समय की याचना की.धनबाद एमपी एमएलए न्यायालय के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अर्पिता नारायण की अदालत ने गवाह पेश करने का आदेश दिया है. इस दौरान पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे व नीतीश कुमार सिंह हाजिर थे.

बीमारी से जूझ रहे किशोर के परिवार से बीडीओ की मुलाकात

धनबाद। पूर्वी टुंडी प्रखंड के असुरबांध गांव निवासी बारह वर्षीय विप्लव मंडल (12) गंभीर बीमारी से जूझ रहा है. उसके परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब है, जिससे उसका इलाज नहीं हो पा रहा है. विप्लव के परिवार के पास राशन कार्ड भी नहीं है, जिससे सरकारी सुविधा भी नहीं मिल रही है. बीडीओ अमृता सिंह, थाना प्रभारी मदन चौधरी समेत अन्य अधिकारियों ने शनिवार को विप्लव के परिवार से मुलाकात कर सहयोग करने का आश्वासन दिया.

जेब पर असर: एक सितंबर से होने जा रहे आपके लिए छह बड़े बदलाव

लगातार न्यूज नेटवर्क

अगस्त का महीना समाप्त होने में अब कुछ ही दिन बचा है. ऐसे में नए महीने से कई बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं, जो आम लोगों की जेब पर सीधे असर डालते हैं. सितंबर महीने से भी ऐसे ही कुछ खास बदलाव होने वाले हैं, जो आपकी जेब पर असर डालेंगे. इन बदलावों में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम से लेकर क्रेडिट कार्ड के नियम शामिल हैं. साथ ही महंगाई भत्ते को लेकर सरकारी कर्मचारियों के लिए खास ऐलान हो सकते हैं. आइए जानते हैं सितंबर महीने में कौन-कौन से बदलाव हो सकते हैं और इसका आपकी जेब पर कितना असर होगा?

एलपीजी सिलेंडर के दाम

अक्सर देखा जाता है कि हर महीने की एक तारीख को सरकार एलपीजी के दाम में बदलाव करती है. कामर्शियल गैस सिलेंडर से लेकर रसोई गैस के दाम में बदलाव देखा जाता है. ऐसे में इस बार भी एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव की उम्मीद की जा रही है. पिछले महीने कामर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम 8.50 रुपए बढ़े थे, जबकि जुलाई में इसके दाम में 30 रुपए की कमी आई थी.

फर्जी कॉल से जुड़ा नियम

एक सितंबर से फर्जी कॉल और मैसेज पर लगाम लग सकती है. ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे फर्जी कॉल और फर्जी मैसेज पर लगाम कसें. इसके लिए ट्राई ने एक सख्त गाइडलाइन जारी की है. ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियां जैसे जियो, एयरटेल, वोडाफोन, आइडिया, बीएसएनएल से कहा है कि 30 सितंबर तक 140 मोबाइल नंबर सीरीज से शुरू होने वाली टेलीमार्केटिंग कॉल और कमर्शियल मैसेजिंग को ब्लॉकचेन बेस डीएलटी यानी डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर दें. इससे उम्मीद जताई जा रही है कि 1 सितंबर से फर्जी कॉल पर रोक लग जाएगी.

क्रेडिट कार्ड से जुड़ा नियम

एक सितंबर से एचडीएफसी बैंक यूटिलिटी ट्रांजेक्शन पर रिवॉर्ड प्वाइंट की लिमिट तय करने जा रहा है, जिसके तहत कस्टमर्स इन ट्रांजेक्शन्स पर हर महीने सिर्फ 2,000 पॉइंट्स तक ही पा सकते हैं. थर्ड पॉर्टी ऐप से एजुकेशनल पेमेंट करने पर एचडीएफसी बैंक कोई रिवॉर्ड नहीं देगा. सितंबर 2024 से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक क्रेडिट कार्ड पर देय न्यूनतम राशि को कम कर देगा. पेमेंट की तारीख भी 18 से घटाकर 15 दिन कर दिया जाएगा. इसके अलावा, एक बदलाव-1 सितंबर 2024 से यूपीआई और बाकी प्लेटफार्म पर पेमेंट के लिए रु पे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को बाकी पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वालों के समान ही रिवॉर्ड पॉइंट मिलेंगे.

एटीएफ और सीएनजी-पीएनजी के रेट

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों के साथ ही ऑयल मार्केट कंपनियों की तरफ से हवाई ईंधन यानी एयर टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और सीएनजी-पीएनजी (सीएनजी-पीएनजी) के दाम में भी संशोधन करती हैं. इस कारण पहली तारीख को इनकी कीमत में बदलाव देखा जा सकता है.

महंगाई भत्ता

सितंबर में केंद्र सरकार के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा ऐलान होने की संभावना है. उम्मीद की जा रही है कि सरकार कर्मचारियों के लिए 3 फीसदी महंगाई भत्ते में इजाफा कर सकती है. अभी सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता 50 फीसदी दिया जा रहा है, जबकि 3 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह 53 प्रतिशत हो जाएगा.

फ्री आधार कार्ड अपडेट

फ्री में आधार कार्ड अपडेट करने की आखिरी तारीख 14 सितंबर तय की गई है. इसके बाद आप आधार से जुड़ी कुछ चीजों को फ्री में अपडेट नहीं करा पाएंगे. 14 सितंबर के बाद आधार अपडेट करने के लिए शुल्क देना होगा. हालांकि पहले फ्री में आधार अपडेट कराने की लास्ट डेट 14 जून 2024 थी, जिसे बढ़ाकर 14 सितंबर 2024 किया गया था.

अदालत का आदेश भी साहब की जेब में

आदेश के बाद भी नहीं की गई जमीन ऑनलाइन, तीन साल से लगा रहे चक्कर

संवाददाता। कतरास

बाघमारा अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार का मकड़ जाल फैला हुआ है.अंचल के साहब ना सिर्फ सरकार के कायदा कानून को ताख पर रख कर अपनी बादशाही चलाते हैं बल्कि न्यायालय के आदेश को भी ठेंगा दिखाने में गुरेज नहीं करते. यह दावा अचंल कार्यालय का चक्कर लगाकर परेशान रैयतों का है. शुभम संदेश लगातार अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार से जुड़ी खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित कर रहा है.पहले व दूसरी कड़ी में हमने म्यूटेशन व रसीद काटने के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर किया. अब मामला न्यायालय के आदेश की धज्जियां उड़ाने का प्रकाश में आया है. ताजा मामला तीता देवी उर्फ लक्ष्मी देवी से जुड़ा है. कोर्ट के आदेश के बाद भी जमीन का ऑनलाइन प्रविष्टि नहीं करने से परेशान महिला भ्रष्ट व्यवस्था से तंग होकर अंचल कार्यालय परिसर में धरना पर बैठी है. महिला के साथ कई रैयत अपने जमीन संबंधी ऑनलाइन प्रविष्टि, रसीद कटवाने और सुधार के लिए-दो तीन वर्ष से दौड़ते दौड़ते थक कर अब 10 दिनों से अंचल कार्यालय में सत्याग्रह और धरना में बैठी हैं.

बाघमारा अंचल कार्यालय की भ्रष्टाचार कथा -3

धरना में बैठी महिला तीता देवी उर्फ लक्ष्मी देवी ने अपने बरमसिया मौजा, बीसीसीएल के बरोरा क्षेत्र, की 33 डिसमिल, खाता संख्या 61, प्लॉट संख्या - 702, जमीन का वैध डीड है, जब महिला बाल्य अवस्था में थी, लगभग 40 वर्ष पूर्व महिला के पिता चोला राम महतो ने इनके नाम से खरीदी थी .तब से लगातार उक्त जमीन का भोग-जोत दखल के साथ करते हुए राज्य सरकार को राजस्व देती आ रही है.सर्वे सेटलमेंट में इसका उक्त जमीन बीसीसीएल के खाते में चले जाने के बाद इन्होंने सर्वे कोर्ट से लेकर जिला सत्र न्यायाधीश के पास कानूनी लड़ाई लड़ी. कोर्ट आदेश स्पष्ट रूप से रैयत तीता कुमारी के पक्ष में है. राजस्व विभाग/अंचल कार्यालय को सभी जमीन संबंधी रिकॉर्ड में बीसीसीएल के नाम विलोपित करने और तीता कुमारी के नाम प्रविष्ट करने का आदेश दिया है. लेकिन अभी तक अधिकारी इस महिला का जमीन को कोर्ट के आदेशानुसार इनके जमीन का न तो ऑनलाइन प्रविष्टि किया और न ही रसीद निर्गत किया है.

कोर्ट आदेश का विवरण : सर्वे सेटलमेंट में हाल खतियान बीसीसीएल के नाम दर्ज था, जिससे सीएनटी 1908 की धारा 87, बाद संख्या 57/2007 न्यायालय ने प्रतिवादी बीसीसीएल का नाम पंजी 2 में विलोपित कर भू स्वामी वादी तीता कुमारी करने का आदेश निर्गत किया, तत्पश्चात 07/072020 को तारीमीन की प्रति राजस्व पदाधिकारी, धनबाद ने जारी किया. बीसीसीएल एडिशनल जिला जज, केस संख्या 81/2009 एवं फास्ट ट्रैक कोर्ट केस संख्या 02/2010 में पहले ही अपील में गया था.

बिचौलिया के कारण अंचल में नहीं होता काम : तीता कुमारी

तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी ने बताया की वह कोर्ट का आदेश को लेकर लगभग तीन वर्ष से सीओ ऑफिस का चक्कर काट रहे हैं, कई बार आवेदन कार्यालय में जमा किए, कई बार अधिकारी से भेंट किए परंतु हर समय अधिकारी के चेंबर में बिचौलियां का जमावाड़ा लगा रहने के कारण हम फरियादी को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला. इस बीच बिचौलिया ने कहा (नाम नहीं छापने के शर्त पर) यहां उनकी चलती है, अधिकारी की नहीं, जमीन का रदीद कटवा देंगे. सभी को मैनेज करने के लिए पैसा देना पड़ेगा. बीसीसीएल के अधिकारी को भी सेट करना पड़ेगा, तभी तुम्हारा काम होगा. बिचौलिया से तंग आकर मैं ग्राम स्वराज अभियान के नेतृत्व में धरना में बैठी हूं. धरना में बैठने के बाद सीओ साहब ने कहा आपकी जमीन की ऑनलाइन प्रविष्टि कर रसीद काट दी जाएगी. कुछ तकनीकी दिक्कत को ठीक करने के लिए एक सप्ताह समय देना होगा.

> तीता देवी की जमीन को लेकर अंचलाधिकारी रविभूषण प्रसाद ने बताया कि उक्त जमीन पर बीसीसीएल ने खनन कर लिया है. आखिर बीसीसीएल ने किस बिना पर खनन किया है. ये बात लिखित रूप से बीसीसीएल से पूछी गई है. बीसीसीएल से रिपोर्ट आने के बाद उक्त जमीन की अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी.
>
> रवि भूषण प्रसाद
> अंचलाधिकारी, बाघमारा

सड़क दुर्घटना में अज्ञात की मौत

संवाददाता। धनबाद

बैंक मोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत क्षत्रिय गुज्जर धर्मशाला शास्त्री नगर के समीप रात लगभग 9:00 बजे सड़क दुर्घटना में अज्ञात व्यक्ति के मौत हो गई. घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई .स्थानीय लोगों के मुताबिक धनबाद से झरिया की ओर जा रही अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी .टक्कर इतनी जोरदार थी की घटना स्थल पर ही व्यक्ति की मौत हो गई .घटना के बाद उक्त वाहन घटना स्थल से फरार हो गया. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले कर जांच में जुट गई.फिलहाल शव की शिनाख्त नही हो पाई है.वही बैंक मोड़ थाना इंस्पेक्टर लव कुमार ने घटना के सम्बंध में कहा कि घटना की जांच सीसीटीवी पुटेज के माध्यम से की जा रही है.जो भी दोषी पाए जाएंगे उस पर उचित कार्यवाई की जाएगी.

संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस समेत कई एजेंसियां सजग

धनबाद। धनबाद में संगठित अपराध के रोकथाम के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन महोदय के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय बैठक जिला पुलिस मुख्यालय के सभागार में सम्पन्न हुई. बैठक में धनबाद पुलिस के सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ विभिन्न सुरक्षा एजेंसी के पदाधिकारी भी शामिल हुए. बैठक के दौरान जिले में सक्रिय सभी संगठित आपराधिक गिरोह की सक्रियता व पूर्व में घटित वारदातों पर चर्चा की गई. एसएसपी ने सभी संगठित आपराधिक गिरोह के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया. विशेष अभियान के तहत सभी गिरोह से जुड़े लोगों की पहचान सुनिश्चित कर त्वरित कार्रवाई के तहत अपराधियों की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया.

आईआईटी-आईएसएम यूनिट दो के मुख्य द्वार पर गेट लगाने का ग्रामीणों ने किया विरोध

- रास्ता छोड़ने का आश्वासन के बाद काम शुरू

संवाददाता। मैथन

मैथन स्थित आईआईटी-आईएसएम यूनिट-2 के मुख्य द्वार पर शनिवार को गेट लगाया जा रहा था, जिसका विरोध स्थानीय ग्रामीणों ने किया. ग्रामीणों का कहना है कि आईआईटी-आईएसएम प्रबंधन गेट लगवाने से पहले आने-जाने का रास्ता छोड़े. जब तक रास्ता नहीं छोड़ा जाता तब तक गेट लगाने नहीं दिया जाएगा. देखते-देखते ही ग्रामीणों के समर्थन में भाजपा कार्यकर्ता और जिप सदस्य गुलाम कुरैशी भी पहुंच गए. ग्रामीणों के अनुसार रास्ते को लेकर उपायुक्त कार्यालय में आवेदन दिया जा चुका है, लेकिन अभी तक समाधान नहीं निकला है. हमलोग आईआईटी-आईएसएम के निर्माण कार्य का विरोधी नहीं हैं, लेकिन हमारी समस्या का समाधान किया जाना चाहिए.

ग्रामीणों के विरोध की सूचना पाकर मैथन पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने. इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोबाइल फोन पर विधायक अपर्णा सेनगुप्ता को मामले की जानकारी दी. विधायक ने आईआईटी-आईएसएम के मुख्य सुरक्षा अधिकारी से साफ तौर पर कहा कि ग्रामीणों को रास्ता दिए बिना गेट नहीं लगाने दिया जाएगा. मुख्य सुरक्षा अधिकारी ने विधायक को आश्वस्त किया कि ग्रामीणों को आने-जाने का रास्ता दिया जाएगा, फिलहाल गेट लगाने दिया जाए. गेट लगने पर उसे ग्रामीणों के लिए खोलकर रखा जाएगा, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में असुविधा नहीं होगी. ग्रामीणों को विश्वास दिलाया गया कि फिलहाल गेट का एक हिस्सा ही लगाया जाएगा.

नीरज सिंह हत्याकांड

पंकज के आवेदन को निरस्त करने की मांग

धनबाद : चर्चित नीरज सिंह हत्याकांड में शूटर चंदन की ओर से दायर अंतरिम जमानत की याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई. सहायक लोक अभियोजक उमेश दीक्षित ने पंकज सिंह के आवेदन का विरोध करते हुए जवाब दायर किया और पंकज के आवेदन को निरस्त करने की प्रार्थना की. इसका प्रतिवाद करते हुए अधिवक्ता मो जावेद ने कहा कि कथित घटना के दिन उपायुक्त धनबाद ने एसएसपी, सिविल सर्जन व एसडीएम धनबाद को पत्र लिखा था और कहा था कि अज्ञात अपराधियों द्वारा नीरज सिंह व अन्य की हत्या कर दी गई है. इसका पोस्टमार्टम रात में कराया जाए. लिहाजा उस पत्र को उपायुक्त कार्यालय, एसपी कार्यालय ,एसडीएम कार्यालय और सिविल सर्जन कार्यालय से मंगाया जाना न्यायहित में आवश्यक है ताकि उसे प्रदर्श के रूप में अंकित किया जाए.

कोयला तस्कर के गुर्गों ने कांग्रेसी नेता के भाई पर किया जानलेवा हमला

- गंभीर रूप से घायल, मामला दर्ज

संवाददाता। निरसा

निरसा थाना क्षेत्र के सिंदरी मोड़ के समीप शुक्रवार की देर रात कांग्रेसी नेता संतोष राय के भाई पर कोयला तस्कर के गुर्गों ने जानलेवा हमला किया, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए. घायल कुणाल राय का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है, जहां चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक बताई है. घायल के भाई संतोष राय ने मामले की लिखित शिकायत निरसा थाना में कर हमलावरों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है.

संतोष राय के अनुसार उनका भाई घायल कुणाल राय ईसीएल में ठेकेदारी का काम करता है. शुक्रवार की देर रात काम समाप्त कर घर लौटते समय सिंदरी मोड़ के समीप कोयला तस्कर के गुर्गों ने लाठी-डंडे से हमला किया. घायल अवस्था में वे किसी तरह घर पहुंचे और मामले की जानकारी घर के लोगों को दी. घर के लोग बाहर निकले तो अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर जाते देखा. हमलोगों ने ट्रैक्टर को रोककर निरसा पुलिस को सूचना दी. इसी बीच अंधेरे का लाभ उठाकर ट्रैक्टर चालक और तस्कर के गुर्गे भागने में सफल रहे. खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को जब्त कर थाना ले आई. संतोष राय ने बताया कि घायल अवस्था में ही अपने भाई कुणाल राय को निरसा सीएचसी लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने बताया कि सिर में गंभीर चोट लगी है. सीएचसी के चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया.

केंदुआडीह में पुतला जलाने में पुलिस से झड़प

- पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं में तीखी नोकझोंक
- पुलिस ने पहले पुतला छीना, फिर भाजपाइयों ने पुलिस से वापस छीना

संवाददाता। धनबाद

केंदुआ। झारखण्ड के मुख्यमंत्री का केंदुआडीह थाना के समक्ष पुतला जलाने के दरम्यान भाजपा कार्यकर्ता व पुलिस के बीच जमकर नोक झोंक हो गयी. एक पुलिस अधिकारी द्वारा भाजपा कार्यकर्ता के हाथ से सीएम का पुतला छीने जाने से बवाल हो गया. भाजपा कार्यकर्ता भड़क गए व सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे. कार्यकर्ता किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं थे जबकि पुलिस अधिकारी थाना के समक्ष पुतला जलाने से कार्यकर्ताओं को रोक रहे थे. भाजपा कार्यकर्ता पुतला जलाने पर अड़े रहे.कार्यकर्ता उग्र रूप लेते हुए पुलिस अधिकारी से सीएम का पुतला छीन थाना के सामने ही फूंक दिया. इस दौरान पुतला छीनाझपटी में एक अधिकारी को झटका भी लग गया.बाद में एक चाय दुकान में भाजपा नेता से कहा कि आप लोगों ने डंडा चला दिया तो भाजपा नेता ने जवाब दिया कि आप भी डंडा चला दीजिए. बता दें कि भाजपा नेता रांची की जन आक्रोश रैली के दौरान कार्यकर्ताओं के ऊपर बर्बरता पूर्वक कार्रवाई किए जाने के खिलाफ सीएम का पुतला फूंकने का निर्णय केंदुआ पुल से नारे लगाते हुए मण्डल अध्यक्ष गोविंदा राउत के नेतृत्व में थाना पहुंचे थे.सूचना मिलते ही थाना के एसआई धीरज मिश्रा, एएसआई संजय शर्मा,अरशद हुसैन ,रघुनाथ मिंज थाना से बाहर निकले व भाजपा कार्यकर्ताओं को थाना के समक्ष पुतला जलाने से रोकने लगे.जिसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ जमकर नारे लगाने लगे. इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन के पुतले को लेकर थाना के समीप ही केंदुआ चिल्ड्रन पार्क में पहुंचे व पुतले में आग लगा दिया. भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया. भाजपा कार्यकर्ताओं में रवि सिन्हा, अभिमन्यु सिंह,गीता सिंह, आनंद खंडेलवाल, तमाल राय,रंजय सिंह, मेघनाथ वर्मा, शशी भुषण सिंह, राजेश गुप्ता, रंधीर कुमार, पुनम सिंह, कलावती देवी, बबलु सिन्हा, तमाल राय, बैजनाथ बाउरी, सुदामा साह, डौली साह, भानुप्रताप महतो, श्रीराम साह सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे.

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव एक ही जगह पर 150 से अधिक तरह की होगी जांच

सदर अस्पताल में खुलेगी पब्लिक हेल्थ लैब

अुर्जन मंडल। धनबाद

धनबाद के सदर अस्पताल में जल्द ही डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री (डीपीएचएल) की स्थापना की जाएगी. इस लैब में मरीजों को जांच की सारी सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी. करीब 150 से अधिक प्रकार की जांचें हो सकेंगी और समय पर रिपोर्ट मिलेगी. डिस्ट्रिक्ट लैब का निर्माण सितंबर में पूरा हो सकता है. लैब में अलग-अलग जांच के मशीन लगाई जाएंगी.जिसके बाद एक ही जगह जांच हो सकेगी.

डिस्ट्रिक्ट लैब में अलग-अलग जांच के मशीन लगाएं जाएंगे. जिसके बाद एक ही जगह जांच हो सकेगी. जल्द ही इसमें मशीनों का इंस्टाल किया जाएगा. इसे बनाने के बाद सदर अस्पताल को हैंडओवर कर दिया जाएगा. इसके लिए लैब टेक्नीशियन, एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट, एक बायोकेमिस्ट के साथ में पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर की नियुक्त होगी. डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री लैब में माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित सारी जांचें होने लगेंगी.

ऐसे में मरीजों को जांच के लिए बड़े और निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे. इस लैब के लिए लैब टेक्नीशियन, एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट, एक बायोकेमिस्ट के साथ में पैथोलॉजिस्ट डॉक्टर की नियुक्त होगी। इससे मरीजों को जांच के लिए बड़े और निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे.

जिला महामारी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ऋतुराज अग्रवाल ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री की स्थापना से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और मरीजों को बेहतर सुविधा मिलेगी. इससे मरीजों को अपनी बीमारी का पता लगाने में आसानी होगी और वे समय पर इलाज करा पाएंगे. इस लैब के शुरू होने से सदर अस्पताल की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी और मरीजों का विश्वास बढ़ेगा. इससे अस्पताल में मरीजों की संख्या भी बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा.

चिकन पॉक्स, डेंगू, चिकनगुनिया, टीबी की होगी जांच

इस लैब में माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित सारी जांचें होने लगेंगी, जिसमें वायरोलॉजी, बैक्टीरियोलॉजी, प्रोटिस्टोलॉजी, माइक्रोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और पैरासिटोलॉजी की जांच होगी. चिकन पॉक्स, डेंगू, चिकुनगुनिया, टीबी की जांच भी होगी. लैब के शुरू होने से टीबी, मलेरिया, एड्स सहित अन्य पैथालॉजी में होने वाली जांच एक ही जगह पर होने से यहां-वहां भटकना नहीं पड़ेगा।

बीएसएल टू मानक की लैब में डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रब टाइफस, मलेरिया, एक्यूट इंसेफेलाटिस सिंड्रोम, डायरिया, टीबी सहित संचारी रोगों से जुड़ी जरूरी जांचें तथा कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, गुर्दा, मोतियाबिंद, अल्जाइमर आदि बीमारियों की जांच हो सकेगी.

भौंरा में ओबी डंप से बर्बाद हो रही लाह की खेती

खास बातें

- डेढ़ दर्जन युवाओं को सता रहा बेरोजगार होने डर
- भौंरा जहाजटांड़ में शुरू की गई थी लाह की खेती
- ओबी डंप के कारण खत्म हो रहे पौधे-कीट

रनजीत कुमार सिंह । धनबाद

धनबाद के लिए कोयला जहां वरदान है तो अभिशाप भी बन रहा है. ताजा मामला लाह की खेती से जुड़ा है. झरिया के भौंरा जहाजटांड़ बस्ती के 20-25 बेरोजगारों ने रोजगार की व्यवस्था के मकसद को लेकर जनवरी माह से लाह की खेती शुरू की थी. मेहनत के दम पर इन युवकों ने पौधे में लाह के कीड़े बनने तक का सफर तय कर लिया था. उम्मीद की जा रही थी कि लाह की खेती स्थानीय लोगों के जीवन को बदल देगी. यहां का एक बड़ा तबका इस काम में जुट जाएगा, लेकिन अब इन युवकों पर ही बेरोजगार होने का खतरा मंडराने लगा है. क्योंकि भौंरा आउट सोर्सिंग के ओबी डंप के कारण अब इनकी खेती पर ही शामत आ गई है.ऐसे में अब इन युवकों के चेहरे पर मायूसी छा गई है. लाह की खेती करने वाले सचिन कुमार महतो व राजेश मल्लिक ने बताया कि वह जहाजटांड़ बस्ती के स्थानीय निवासी हैं. टीएसआरडीएस के सहयोग से 20- 25 युवक मिलकर जनवरी माह से दामोदर नदी के किनारे लाह कि खेती शुरू की थी. लेकिन पिछले कुछ दिनों से एटी देव प्रभा मनमाने ढंग से आउटसोर्सिंग का ओबी डंप कर लाह की खेती को बर्बाद कर रहा है. उन्होंने कहा कि युवकों का सपना पूरा होने से पहले ही दम तोड़ लगा है. उन्होंने कहा कि इस संबंध में आउटसोर्सिंग प्रबंधक को लिखित शिकायत की गई. बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई . संसद ढुल्लू महतो से भी इस मामले शिकायत की गई है. सचिन ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन जल्द इस पर कोई कार्यवाई नहीं की तो गांव के युवा बेरोजगार पलायन को मजबूर होंगे. झारखंड में लाह की खेती रोजगार का एक बेहतर जरिया बनकर उभर रहा है. सरकार के साथ-साथ कई संस्थाएं भी इसकी खेती कराने पर विशेष ध्यान दे रही हैं.इससे राज्य के बेरोजगार युवाओं को अपने गांव में ही बेहतर रोजगार मिल रहा है. लाह की खेती के मामले में झारखंड देश ही नहीं पूरे विश्व में पहला स्थान रखता है. यहां पर सबसे अधिक लाह की खेती और उत्पादन किया जाता है. झारखंड के लाह उत्पादन के आंकड़े को देखें तो यहां प्रतिवर्ष लगभग 8-10 हजार मीट्रिक टन लाह का उत्पादन किया जाता है. 400 से अधिक प्रकार के पेड़ों में लाह के कीट पाए जाते हैं. सिर्फ 30 प्रकार के पेड़ों में ही लाह की कमर्शियल खेती की जाती है. लाह की खेती के लिए कुसुम, बेर, सेमियालता और पलाश के पेड़ सबसे बेहतरीन माने जाते हैं. कुसुम के पेड़ में औसतन आठ गुणा, बेर के पेड़ में औसतन पांच गुणा और सेमियालता के पेड़ में औसतन सात गुणा अधिक उत्पादन होता है.

प्राथमिक शिक्षक संघ की आमसभा में कई मुद्दों पर चर्चा

संवाददाता । महुदा

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले बाघमारा एवं कतरास अंचल के शिक्षकों की आमसभा मध्य विद्यालय राधानगर में शनिवार को हुई. आमसभा में शिक्षकों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की गई. शिक्षकों के वेतन वृद्धि, सेवा सत्यापन तथा एरियर भुगतान की मांग की गई. जिला कमेटी चुनाव में प्रवीण कुमार लाला को जिला महासचिव पद के लिए उम्मीदवार बनाने पर सहमति बनी. आमसभा की अध्यक्षता बाघमारा अंचल के अध्यक्ष श्रवण कुमार महतो तथा संचालन अंचल सचिव रामेश्वर महतो उर्फ बॉबी ने किया. मौके पर पूर्व महासचिव तापस कुमार खवास, मदन मोहन महतो, रेखा कुमारी, पूजा कुमारी, दीपक सिन्हा, मो. असलम, जागृति कुमारी, सुरेन महतो, संजय सुमन ,दीपक बर्णवाल, ईश्वर चंद्र दुबे, इरफान अनवर, मानिक चंद्र दास समेत दोनों अंचल के सैकड़ों शिक्षका उपस्थित थे.

डीएवी पब्लिक स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी

पुटकी। कृष्ण जन्माष्टमी के पूर्व डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा में जूनियर विंग में रूप सज्जा प्रतियोगिता व सीनियर छात्रों के लिए स्पेश डे कार्यक्रम आयोजित किया गया. प्रतियोगिता में जूनियर विंग नर्सरी से कक्षा दूसरी के बच्चे राधा-कृष्ण की रूप धारण कर प्रस्तुति दी. कक्षा पहली से तीसरी के बच्चों ने बाँसुरी सजावट प्रतियोगिता के तहत सुंदर व आकर्षक बाँसुरी बनाई.कक्षा तीसरी से पाँचवीं के बच्चों ने पॉट डेकोरेशन प्रतियोगिता में भाग लिया. दूसरी ओर सीनियर विंग के बच्चों ने स्पेस डे के मौके पर आईआईटी आईएसएम का दौरा किया. जहां बच्चों ने इसरो के वैज्ञानिक पंकज सिंह के माध्यम से गगनयान और अंतरिक्ष की खोजो ओर योजनाओं के बारे जाना. आयोजन पर प्राचार्य झूमा महता ने कहा कि आध्यात्मिक व शैक्षणिक प्रतियोगिताओं से बच्चों की संज्ञानात्मकता का विकास होता है.

ब्रीफ खबरें

रणवीर भंडारी अध्यक्ष मो. समी सचिव चुने गए

पुटकी। धनबाद ज़िला विद्युत साउंड एंड डीजे डेकोरेटर संघ केंदुआ-पुटकी शाखा का 14 वां वार्षिक अधिवेशन शनिवार को श्रमिक क्लब ए टाइप पुटकी में हुआ. अधिवेशन में सत्र 2024-27 के लिए शाखा पदाधिकारी का चुनाव भी कराया गया. अध्यक्ष रणबीर भंडारी, सचिव मो. समी अख़्तर और कोषाध्यक्ष पंकज कुमार चुने गए. उपाध्यक्ष संजय रवानी, उपसचिव शिशुपाल दास, उप कोषाध्यक्ष अनिल कुमार चुने गए. जीते पदाधिकारियों को माला पहना कर जीत की बधाई दी गई.

बाइकर्स को स्टंट दिखाना पड़ा महंगा

तोपचांची। शनिवार की शाम तोपचांची थाना क्षेत्र के भुईयां चितरो गोमो तोपचांची सड़क पर दो बाईक सवारों को बाईक स्टंट करना काफी महंगा पड़ गया,ग्रामीणों के अनुसार पैशन प्रो बाईक सवार काफी तेज रफ्तार और दोनों हाथ छोड़कर बाईक चला रहे थे. तभी दोनों बाइक में टक्कर हो गई. बताया जाता है कि पैशन प्रो बाईक सवार बोकारो जिले के भेंडरा निवासी हैं जो तोपचांची से भेंडरा जा रहे थे,वह सड़क पर काफी तेज रफ्तार में और दोनों हाथो से बाईक को छोड़कर बाईक चला रहे थे. इस दौरान भुईयां चितरो के समीप एक विपरीत दिशा से जा रही बाईक में टक्कर मार दी. स्टंट करने वाला बाईक सवार सड़क पर गिर पड़ा. उसके सिर और चेहरे में गंभीर चोट है, वहीं जब मौके पर पहुंचे ग्रामीणों द्वारा 108 एंबुलेंस को बुलाया गया. तब तक परिजन घायल को लेकर चलते बने.

विद्युत साउंड एंड डीजे डेकोरेटर्स संघ के तफाजुल बने अध्यक्ष

गोमो। धनबाद जिला विद्युत साउंड एंड डीजे डेकोरेटर्स संघ गोमो शाखा का वार्षिक अधिवेशन सह चुनाव शनिवार को गोमो अतिथि पैलेस में आयोजित किया गया. धनबाद जिला एवं केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारी के अलावे चुनाव प्रभारी के रूप में तेलमचो शाखा से नारायण मास्टर, जितेंद्र कुमार, की गरिमामयी में उपस्थिति में चुनाव संपन्न हुआ1 इस दौरान सर्वसम्मति सेअध्यक्ष तफाजुल अंसारी, सचिव बैजनाथ रजक, कोषाध्यक्ष भोला शर्मा, उपाध्यक्ष उमेश सिंह, सह सचिव बसंत केवट, सह कोषाध्यक्ष कृष्णा किस्कू, सलाहकार सुबेंदु सरकार, शिवपूजन दास, आदि का चुनाव किया गया.

बाघमारा सीट पर अशोक ने जताया दावा

कतरास। धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक प्रकाश लाल ने विधानसभा चुनाव में बाघमारा विधानसभा सीट पर अपनी उम्मीदवारी का दावा जताया है. इसके लिए उन्होंने कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह को आवेदन दिया है. अशोक प्रकाश लाल पूर्व मंत्री दिवंगत ओपी लाल के पुत्र हैं. अशोक लाल झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव रह चुके हैं. वर्तमान में वे राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश सचिव सह धनबाद जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष हैं. बाघमारा विधानसभा क्षेत्र वे मजदूरों और युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं. वे लगातार सामाजिक व राजनीतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेते रहे हैं. अपनी उम्मीदवारी के बारे में अशोक प्रकाश लाल ने बताया कि बाघमारा की जनता बदलाव चाहती है. अगर पार्टी मुझे विधानसभा चुनाव में टिकट देगी तो बाघमारा की जनता के आशीर्वाद तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मेहनत से जीतने में कामयाब रहूंगा.

गोपालीचक गोलीकांड का फरार अभियुक्त गिरफ्तार

जनता मजदूर संघ का नेता है सीटू उपाध्याय, भेजा गया जेल

खास बातें

- वारदात के अन्य नामजद अभियुक्त चल रहे फरार

संवाददाता । पुटकी

गोपालीचक लोडिंग स्थल पर 24 फरवरी को हुए गोलीकांड के नामजद फरार अभियुक्त सीटू उपध्य्याय को पुटकी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ वारंट निर्गत किया था.कांड में अभी भी कई आरोपी फरार व घूमते फिर रहे हैं.जमसं सिंह मेंशन समर्थक सीटू को गोपालीचक स्थित आवास से रात में पकड़ा गया. डिओ धारकों के कोयला लोडिंग को लेकर गोपालीचक दो नम्बर शनिवार को सिंह मेंशन व रघुकुल समर्थकों के बीच हिंसक खूनी संघर्ष हो गयी थी. लोडिंग स्थल के निकट दोनों ओर से जमकर बम गोली चलाने के साथ जमकर पथराव किया गया. कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए. रघुकुल समर्थक सोनू यादव को गोली लग लगी थी. पुलिस ने घटनास्थल से पांच जिंदा बम,एक जिंदा गोली व चार खोखा बरामद किया था. तब मामले में तीन एफआईआर दर्ज किए गए थे. कांड संख्या 23/24 पुलिस अवर निरीक्षक बाबूधन सोरेन की शिकायत पर 35 नामजद, 60 अज्ञात पर केस दर्ज किया गया था. एक अप्राथमिकी आरोपी सचिन यादव का नाम बाद में जुटा.पुलिस अबतक पांच के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है.

दोनों तरफ से दर्ज हुई थी प्राथमिकी : बताते चलें कि सब इंस्पेक्टर सोरेन की लिखित शिकायत पर प्रमोद सिंह,नागेंद्र उपाध्याय, बिट्टू उपाध्याय, सिट्टू उपाध्याय, बी डी सिंह, विराट सिंह, मंटू सिंह, सोनू यादव, सुरेंद्र सिंह,गोलू रवानी,रंजीत रवानी, नवीन पंडित, नीतीश यादव, प्रेम यादव, मुकेश पासवान, नीतीश रवानी, दीपक पासवान, विजय पासवान, करन पासवान, सचिन यादव, कपिल पासवान, चंदन यादव, अक्षय यादव, डब्ल्यू यादव, बबलू यादव, मनीष यादव, छोटू यादव, शम्भू यादव,छोटू यादव,राम प्रवेश, विशाल वर्मा, शिवम, शिव चौहान, वीरेंद्र यादव,सन्तोष पासवान व अन्य 60 के खिलाफ कांड अंकित किया गया था.मामले में सभी आरोपी फरार चल रहे है. दूसरी फआईआर आउटसोर्सिंग की व्यवस्था की देखरेख करनेवाले रघुकुल समर्थक प्रमोद सिंह ने सिंह मेंशन समर्थक जश्रसं के गोलू रवानी,रंजीत रवानी, सुरेंद्र सिंह, नवीन पंडित, नीतीश यादव, प्रेम यादव, मुकेश पासवान, नीतीश रवानी,दीपक पासवान,विजय पासवान, करन पासवान के खिलाफ 30 हजार रुपये प्रति ट्रक रंगदारी मांगने,बम,गोली चलाकर हमलाकर करने, सोनू को गोली मारने का आरोप लगाया है। तीसरा एफआईआर सिंह मेंशन समर्थक मुकेश पासवान ने ,नागेंद्र उपाध्याय, सीटू उपाध्याय, बिट्टू उपाध्याय, बीड़ी सिंह,विराट सिंह,मंटू सिंह व अन्य के खिलाफ दर्ज कराया था.

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजद विशेष समिति की बैठक

धनबाद। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजद विशेष समिति की बैठक शनिवार को बसंत बिहार स्थित जिला कार्यालय में हुई. बैठक में धनबाद जिले की समस्याओं को सूचीबद्ध कर इसके निराकरण की रणनीति बनाई गई. साथ ही जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में बूथ कमेटी गठित करने और सभी छह विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने पर चर्चा चली. यह चर्चा भी चला कि महागठबंधन से समझौता होने पर राजद धनबाद, झरिया, बाघमारा और टुंडी सीट पर उम्मीदवार खड़ा करेगी. प्रांतीय राजद विशेष समिति के संयोजक मो. आबिद अली ने कहा कि झारखण्ड में महागठबंधन नियमों का पालन नहीं हो रहा है. इससे हम सभी आहत हैं. राजद कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी सभी छह विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़े. विशेष समिति की बैठक में पार्टी की संगठनात्मक स्थिति क्या है, किन-किन सीटों पर राजद मजबूती के साथ लड़ सकती है.

धनबाद के 2. 63 लाख के खाते में पहुंचा मंईयां योजना का पैसा

धनबाद । जिले के 2 लाख 63 हजार महिलाओं के खाते में मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना का पैसा शनिवार को भेज दिया गया है. हजारीबाग में आयोजित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रमंडलीय कार्यक्रम में योजना का विधिवत शुरुआत की गई. बता दें कि योजना की राशि ट्रांसफर करने का कार्य कुछ दिनों पहले से ही शुरू कर दिया गया था. इस योजना के अंतर्गत अब तक 3 लाख 20 हजार आवेदन आये हैं. जिसमे से 2 लाख 96 हजार आवेदन स्वीकृत किये गए हैं. सभी स्वीकृत आवेदन के लाभुकों के खाते में 30 अगस्त को राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी. हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला कल्याण पदाधिकारी नियाज अहमद ने बताया कि धनबाद के बाघमारा अंचल के दो महिलाओं को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से सम्मानित किया. सम्मानित की गई महिलाओं में ममता देवी एवं अगरी देवी शामिल हैं. कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि इस योजना से झारखंड की महिलाएं सशक्त हो रही है. महिलाओं में योजना को लेकर काफी उत्साह है.

राजद प्रखंड अध्यक्ष रोहित यादव कांग्रेस में शामिल

संवाददाता । धनबाद

बाघमारा प्रखंड के राजद प्रखण्ड अध्यक्ष रोहित यादव ने शनिवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया. जिला कांग्रेस कार्यालय में उन्हें जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने दुलदस्ता भेंट कर और पार्टी का पट्टा पहनाकर दल में शामिल कराया. रोहित यादव के कांग्रेस में शामिल होने से बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में राजद को बड़ा झटका लगा है. जिलाध्यक्ष ने कहा कि रोहित यादव के कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी. कांग्रेस में शामिल होने के बाद रोहित यादव ने जिला और केंद्रीय नेतृत्व में आस्था जताते हुए पार्टी हित में काम करने की बात कही.

रोहित यादव का भव्य स्वागत

कांग्रेस में शामिल होने के बाद रोहित यादव का कतरास में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया. कतरास थाना चौक पर उनका काफिला पहुंचते ही कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की. कार्यकर्ता रोहित यादव जिंदाबाद समेत अन्य नारे लगा रहे थे. इस दौरान रोहित यादव ने कहा कि राहुल गांधी के संघर्ष से प्रेरित होकर कांग्रेस का दामन थामा हूं. चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि चुनाव लड़ना या नहीं लड़ना पार्टी तय करेगी.

बीसीसीएल : प्रतिदिन उत्पादन रिपोर्ट

एरिया		कोल		ट्रांसपोर्ट	
बरोरा	-	15,505	टन	14,080	टन
ब्लॉक-2	-	14,009	”	12,774	”
गोविंदपुर	-	1,017	”	3,220	”
कतरास	-	5,400	”	5,002	”
सिजुआ	-	5,210	”	3,726	”
कुसुंडा	-	10,201	”	7,848	”
पंजाब	-	504	”	0	”
बस्ताकोला	-	10,244	”	6,395	”
लोदना	-	9,225	”	8,897	”
ईजे	-	6,706	”	0	”
सीवी	-	1,500	”	0	”
डब्ल्यू जे	-	517	”	0	”
कुल		80,038		61,942	

श्री कृष्ण जन्माष्टमी की तैयारी गोमो में जोरों पर

- 4 सितंबर तक होंगे प्रवचन कार्यक्रम

संवाददाता । गोमो

रेल नगरी गोमो में मानस सत्संग समिति द्वारा आयोजित श्री श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं मानस महायज्ञ की तैयारी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जोरों पर है. कार्यक्रम को लेकर समिति के वरीय सदस्य गणेश दुबे एवं सतीश कुमार ने बताया कि श्री कृष्ण जन्म उत्सव को लेकर महिला समिति के प्रांगण में पूजा स्थल पर बड़े पंडाल का निर्माण कर चल रहा है. देवी देवताओं की मूर्ति का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है. स्थल की साफ-सफाई रंगा पुताई के भी कार्य पूर्ण होने को हैं. दुबे ने बताया कि 26 अगस्त को जन्माष्टमी पूजन कार्यक्रम के उपरांत कार्यक्रम 4 सितंबर तक प्रतिदिन संध्या 7:00 बजे से देर रात्रि तक विद्वानों द्वारा प्रवचन कार्यक्रम होंगे. इस वर्ष वृंदावन से पण्डित देवेन्द्र उपाध्याय, छपरा के पण्डित प्रभु नाथ तिवारी,पण्डित देवी प्रसाद पाण्डेय व आरा के पण्डित रामा शंकर सिंह पधार रहे हैं. कार्यक्रम को लेकर रेल नगरी गोमो सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में उत्साह है.

हड़ियाजाम कोलियरी यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की बैठक

मजदूरों का शोषण बंद करने की अपील

संवाददाता । निरसा

हड़ियाजाम कोलियरी 27 नंबर के कार्यालय प्रांगण में शनिवार को यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की बैठक हुई. इस दौरान ईसीएल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की गई. बैठक के बाद शाखा कमेटी का गठन किया गया. बैठक में यूनियन के क्षेत्रीय सचिव मधुरेन्द्र गोस्वामी एवं कार्यकारी अध्यक्ष बंपी चक्रवर्ती उपस्थित थे. बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय सचिव मधुरेंद्र गोस्वामी ने कहा कि ईसीएल प्रबंधन मजदूरों का शोषण कर रहा है. चापापुर से मजदूरों का स्थानांतरण हड़ियाजाम कर दिया गया, लेकिन मजदूरों को रविवारीय भत्ता, आवास, प्रमोशन, रेस्ट रूम, एलपीसी समेत अन्य सुविधाओं का लाभ नहीं दिया जा रहा है. भूमिगत खदान में लाइट और वेंटिलेशन की व्यवस्था नहीं है. ईसीएल प्रबंधन जल्द मजदूरों की समस्याओं पर विचार करे नहीं तो बाध्य होकर मजदूर प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन शुरू कर देंगे. महेश साव की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से हड़ियाजाम कोलियरी शाखा कमेटी गठित की गई, जो इस प्रकार है- नीरज कुमार मिश्रा अध्यक्ष. प्रकाश तुरी, महेश साव और महावीर यादव उपाध्यक्ष. मुकेश कुमार ठाकुर सचिव, गौतम कुमार तेंतुबाई, युधिष्ठिर गोराई एवं रविंद्र ठाकुर सहसचिव. रमेश मरांडी कोषाध्यक्ष. प्रभु तुरी सह कोषाध्यक्ष. कार्यकारिणी सदस्य- सुशील कुमार भुईयां, वीर चंद्र थापा, खरपत दास, सुब्रतो गोराई, मनोरंजन हेंब्रम, प्रेमचंद मांझी, राम नारायण तांती, रघु कोल, महिलाल हांसदा, सुखदेव राम, आलोक चंद्रा, तपन तिवारी, भोला राय, मंटू मंडल. जेसीसी सदस्य- नीरज कुमार मिश्रा एवं मुकेश कुमार ठाकुर. इसके अलावा हाउसिंग कमेटी और सेफ्टी कमेटी का भी गठन किया गया.

नियोजनालय कुमारधुबी में रोजगार मेला

17 कंपनियों ने लिया भाग, 65 का चयन, 70 शार्ट लिस्टेड किए गए

खास बातें

- 500 बेरोजगार युवक युवतियों ने लिया भाग

संवाददाता । चिरकुंडा

राज्य सरकार के श्रम नियोजन प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग के तत्वाधान में शनिवार को कुमारधुबी श्रम कल्याण केन्द्र स्थित नियोजनालय में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन बेरोजगार युवक-युवतियों को सीधे रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य के तहत किया गया. मेला में बड़ी संख्या में बेरोजगारों की भीड़ नजर आई. बेरोजगारों ने राज्य सरकार के इस पहल को काफी सराहा. इस संबंध में नियोजन पदाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि आज के इस रोजगार मेला में कुल 2500 वेकेंसी थी. जिसके तहत 2500 बेरोजगारों को सीधे रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य था. वहीं उन्होंने बताया की कुल 17 कंपनियां थी, जो रोजगार उपलब्ध कराने का काम की. वहीं कुमार ने कहा कि स्थानीय पांच कंपनियां थीं जो आगे बढ़कर बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने का काम किया. स्थानीय कंपनी में मुख्य रूप से कुमारधुबी हॉस्पिटल है जो अपने यहां हॉस्पिटल में जॉब देगा. रोजगार मेले में 10वीं ,12वीं और ग्रेजुएशन के छात्र छात्राओं के लिए वेकेंसी उपलब्ध थी. इधर रोजगार मेले में पहुंचे बेरोजगार युवक ने राज्य सरकार के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से वो बेरोजगार है. आज इस रोजगार मेले के आयोजन के बाद उनके बीच एक आस जगी.मौके पर नियोजन पदाधिकारी बिनोद कुमार,अमित कुमार, आनंद कुमार आदि थे. मेला में करीब 500 बेरोजगार युवक व युवतियों ने भाग लिया. जिसमें 65 का चयन किया गया व 70 शार्ट लिस्टेड किए गए.

मटकुरिया ऑफिसर्स क्लब में राजभाषा कार्यशाला

केंदुआ। कुसुंडा एरिया के मटकुरिया ऑफिसर्स क्लब में शनिवार को आयोजित राजभाषा कार्यशाला का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया.कार्यक्रम के दौरान एजीएम तुणेश्वर पासवान ने कहा कि राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिंदी कार्यालय का आयोजन समय-समय पर किया जाता है. सुधार के लिए इच्छा शक्ति की जरूरत है. एपीएम वेदप्रकाश ने कार्यशाला में एरिया के अधिकारियों व कर्मियों की उपस्थिति में कमी देख दुख प्रकट करते हुए कहा कि राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए अपने अंदर की इच्छाशक्ति को जागृत किया करना होगा. तभी उपस्थिति बढ़ेगी.कार्यालय में कर्मियों को साधारण बोलचाल की भाषा में हिंदी का प्रयोग करें. बीसीसीएल मुख्यालय से आए राजभाषा विभाग के अधिकारी दिलीप सिंह व अनुवादक अनिरुद्ध नोनिया ने राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारे साफ्टवेयर है.

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

बीसीसीएल : प्रतिदिन उत्पादन रिपोर्ट

एरिया		कोल		ट्रांसपोर्ट	
बरोरा	-	15,505	टन	14,080	टन
ब्लॉक-2	-	14,009	”	12,774	”
गोविंदपुर	-	1,017	”	3,220	”
कतरास	-	5,400	”	5,002	”
सिजुआ	-	5,210	”	3,726	”
कुसुंडा	-	10,201	”	7,848	”
पंजाब	-	504	”	0	”
बस्ताकोला	-	10,244	”	6,395	”
लोदना	-	9,225	”	8,897	”
ईजे	-	6,706	”	0	”
सीवी	-	1,500	”	0	”
डब्ल्यू जे	-	517	”	0	”
कुल		80,038		61,942	

ब्रीफ खबरें

घायलों से मिले झामुमो जिला उपाध्यक्ष इमरान अंसारी

गावां (गिरिडीह)। झामुमो जिला उपाध्यक्ष सह पूर्व जिप सदस्य इमरान अंसारी ने शनिवार को सड़क दुर्घटना में घायल युवकों से भेंट कर हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया. विगत दिनों गावां पटना पुल पर एक बाइक सवार ने पैदल जा रहे चार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था. घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे. इधर झामुमो नेता उनके घर पहुँचकर उनका हाल चाल लिया . कहा कि चारों को गंभीर चोट लगी है. इन परिवारों को हर संभव मदद किया जा रहा है. प्रशासन को भी सड़क दुर्घटना के प्रति सचेत रहना चाहिए, आए दिन नाबालिक व नशे में धुत लोग भी वाहनों को चलाते हैं. जिसके कारण सड़क दुर्घटनाएं होते रहती है.

100 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

डुमरी (गिरिडीह)। युवा भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने शनिवार को खैरागढ़हा में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर का उद्घाटन फीता काटकर व नारियल फोड़ कर किया. इस दौरान दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे. भाजपा युवा नेता ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का निदान के लिए हम सदैव ही तत्पर रहते हैं और भविष्य में भी रहेंगे. कार्यक्रम में मुखिया जागेश्वर महतो, पंचायत समिति सदस्य सत्यनारायण महतो, आजसू युवा नेता मोहन महतो, राजू महतो, पोखन महतो, मुकेश महतो, चेतलाल महतो, अर्जुन महतो सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे.

सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर बैठक

कसमार (बोकारो)। आजसू पार्टी की ओर से आगामी 1 सितंबर को आहूत गोमिया विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन की सफलता को लेकर शनिवार को हरिजन आदिवासी उच्च विद्यालय पिरगुल में तैयारी बैठक की गई. बैठक की अध्यक्षता आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र नाथ महतो ने की. उक्त बैठक में कसमार प्रखंड के प्रत्येक पंचायत से 100 पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने व कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई. इस दौरान समाज सेविका कौशल्या देवी, जिला प्रवक्ता उमेश जयसवाल, डॉ जीतलाल महतो, प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र महतो, दिलीप कुमार महतो, ललन महतोव अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

द प्रेस क्लब ऑफ देवघर का 8 सितंबर को होगा मतदान

देवघर। द प्रेस क्लब ऑफ देवघर के सदस्यों की एक बैठक गुरुवार को देवघर के सूचना भवन में आयोजित हुई. इस बैठक में मुख्य रूप से प्रेस क्लब के प्रस्तावित चुनाव तिथि को लेकर सहमति प्रदान की गई. आम सभा द्वारा पारित निर्णय के अनुसार आगामी 8 सितंबर को क्लब का चुनाव आयोजित होगा. द प्रेस क्लब ऑफ देवघर के चुनावी कार्यक्रम के अनुसार 28 अगस्त को क्लब के पदाधिकारियों के चुनाव नामांकन लिया जाएगा. जबकि नामांकन की आखिरी तारीख 31 अगस्त है. वहीं 1 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटिनी) होगी. 2 सितंबर के दिन नाम वापसी की तिथि है. 8 सितंबर के दिन सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा. रविवार की शाम 5 बजे से मतों की गिनती होगी.

कांग्रेस प्रत्याशियों ने जिला अध्यक्ष को सौंपा आवेदन

मधुपुर/देवघर। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार देवघर जिला अंतर्गत सभी विधानसभा से आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी पेश करने वाले इच्छुक पार्टी नेताओं में पदाधिकारी से विहित प्रपत्र में आवेदन मांगा गया था. इस निमित्त जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष प्रोफेसर उदय प्रकाश के द्वारा सूचना निर्गत कर विशेष रूप से आज इच्छुक दावेदारों से विहत को पत्र में आवेदन प्राप्त किया गया. जिसे अग्रतार कार्रवाई हेतु प्रदेश कार्यालय को भेजा जाएगा. मधुपुर विधानसभा से कांग्रेस के दावेदारी पेश करने वालों में से प्रदेश उपाध्यक्ष मणि शंकर, प्रदेश सचिव शबाना खातून एवं फैयाज़ कैसर, वरिष्ठ नेता अशोक वर्मा, शानदार मोहम्मद खान उर्फ गोल्डी, सेवादल के ओमप्रकाश यादव तथा मृत्युंजय को मिलाकर कुल 7 लोगों ने जिला अध्यक्ष को आवेदन सौंपा. जिला अध्यक्ष के निर्देशानुसार महासचिव दिनेश कुमार मंडल ने आवेदक को संकलित कर सूचीबद्ध किया. इसकी समझ जानकारी जिला कांग्रेस के मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार मंडल ने प्रेस विज्ञप्ति कर जारी दिया.

ऑटो रिक्शा स्टैंड पर सीमांकन करने पहुंचे अधिकारी बैरंग लौटे

ऑटो रिक्शा चालकों ने खुद खींची लकीर

संवाददाता। बोकारो

रेलवे स्टेशन पर पार्सल के निकट फोर तथा थ्री व्हीलर वाहनों के लिए नया स्टैंड बनाया गया है. जो रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट से बिल्कुल परे है. वहीं, नये टिकट काउंटर के पीछे है. इसको लेकर स्टैंड संचालन नाराज थे कि स्टेशन से स्टैंड दिख ही नहीं रहा. ऐसे में स्टैंड नये स्थान पर शिफ्ट होने पर यात्रियों की नजर से दूर होने के कारण ठीकेदार को इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा. अंततः शुक्रवार को कार स्टैंड शिफ्ट कर दिया गया. वहीं, शनिवार को ऑटो रिक्शा स्टैंड क्षेत्र में रेलवे अधिकारी लकीर खींच कर सीमांकन निर्धारित करने पहुंचे. इस पर बोकारो ऑटो रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष संजय यादव सहित कई सदस्यों ने विरोध किया. रेलवे अधिकारी को लकीर खींचने नहीं दी गई. विरोध को देखते हुए, रेलवे के स्थानीय अधिकारी बेरंग लौटे गये. अधिकारियों के वापस लौटने के बाद ऑटो रिक्शा चालक संघ के वरीय सदस्यों ने बैठक की.

अध्यक्ष सहित अन्य सभी को समझाया. काफी विचार विमर्श के बाद चालकों ने संबंधित विभाग के अधिकारी से मुलाकात की. विभाग से रंग लाकर विभाग के अनुसार खुद ही लकीर खींची.

क्या है मामला

बोकारो रेलवे स्टेशन पर थ्री तथा फोर व्हीलर वाहनों के लिए निश्चित सीमा उपलब्ध कराया गया है. नया स्टैंड में रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई गई जगह कम है. इसको लेकर रेलवे अधिकारियों ने नये स्टैंड के क्षेत्रफल को माइनस कर, रेस्ट स्थल को चिन्हित कर ऑटो रिक्शा तथा ट्रेकर चालकों को सीमित क्षेत्र में रहने की बात कही. इसको लेकर चालकों ने विरोध कर दिया. बोकारो ऑटो रिक्शा चालक संघ के महासचिव मो अलाउद्दीन ने कहा कि स्टैंड में ऑटो तथा ट्रेकर की संख्या के अनुपात में पहले से ही स्थान कम है. नया स्टैंड रेलवे स्टेशन से ओझल है. वहां शिफ्ट होने पर यात्रियों को परेशानी होगी. ऐसे में वर्तमान स्थान को और सीमित कर हम चालकों को परेशान किया जा रहा है. इस दौरान मुख्य रूप से संघ अध्यक्ष संजय कुमार यादव, उपाध्यक्ष अशोक यादव, मदन मोहन सिंह, भगवान प्रसाद झा, असगर खां, कन्हैया सिंह, सुधीर शर्मा, दूधनाथ साह, रमेश गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे.

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन

गावां (गिरिडीह)। रांची में आयोजित भाजयुमो के प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रशासन द्वारा आंसू गैस, वाटर कैनन व लाठी चार्ज के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा गावां थाना गेट पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया. भाजपा कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय से सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए थाना गेट के पास पहुंचे व मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया. मौके पर विधायक प्रतिनिधि मुन्ना सिंह ने कहा कि राज्य सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे निहथे कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज करके अपनी तानाशाही का परिचय दिया है. आने वाले समय में जनता इसका जवाब देगी. मौके पर चंद्रशेखर आजाद, प्रहलाद सिंह, प्रकाश राम, कांग्रेस यादव, ललित पांडेय, पवन सिंह, विशाल राणा, पवन पांडेय, आनंदी यादव समेत कई लोग उपस्थित थे.

सांसद की पत्नी के निधन से क्षेत्र के लोगों में शोक

साहिबगंज। राजमहल संसदीय सीट से सांसद विजय हांसदा की पत्नी कैथरीन हेंब्रम का बीते शुक्रवार की देर रात दिल्ली में निधन होने की सूचना है. सांसद की पत्नी के निधन की खबर से क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर छा गई है, साथ ही पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक संवेदना जताई है. बहुत ही कम उम्र में सांसद की पत्नी का निधन हो जाना पार्टी और परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया है. सांसद विजय हांसदा की पत्नी के निधन की खबर सुन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर कहा है कि हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद विजय हांसदा की धर्मपत्नी के निधन की खबर मिली है ,जो अत्यंत हृदय विदारक है. बेहद कम उम्र में उनका चले जाना हमारे झामुमो परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है. इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं मेरे अनुज विजय हांसदा एवं उनके पूरे परिवार के साथ है. मरांग गुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस अपूर्णीय क्षति को सहने की शक्ति दे. इधर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सह पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू ने भी सांसद विजय की पत्नी की निधन की खबर पर गहरी शोक संवेदना जताई है. वहीं पाकुड़ जिला के संगठन प्रभारी अजीजुल इस्लाम, जिला अध्यक्ष श्याम यादव, जिला उपाध्यक्ष समद अली, जिला सचिव सुलेमान बास्की, पार्टी के वरीय कार्यकर्ता मोहम्मद तनवीर, संजीत भगत, प्रेम रजक, करनेलियस हेंब्रम, संतोष भगत, सीताराम भगत, विनोद भगत, मोहम्मद आफताब ने सांसद की पत्नी के निधन पर गहरा शोक जताया है. सांसद की पत्नी कैथरीन तकरीबन 6 माह से गंभीर बीमारी से जूझ रही थी, उनका इलाज एम्स दिल्ली में चल रहा था. सांसद विजय हांसदा, कैथरिन के संग 7 फरवरी 2020 को परिणय सूत्र में बंधे थे. पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कैथरीन का डेड बॉडी शनिवार के शाम तक बरहरवा पहुंचने की संभावना है. संभवत रविवार को अंतिम दाह संस्कार होना तय माना जा रहा है.

अभिभावक एकता मंच का धरना चौथे दिन भी जारी

डुमरी (गिरिडीह)। अभिभावक एकता मंच का तीन सूत्री मांगों को लेकर डुमरी अनुमंडल कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा. मंच के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर महतो के नेतृत्व में चल रहे धरना में चौथे दिन कल्हाबार पंचायत के दर्जनों अभिभावक शामिल हुए. डुमरी के बीईईओ जयकुमार तिवारी ने शुक्रवार को धरना स्थल पर पहुंच कर प्रदेश अध्यक्ष से बात की थी. उन्होंने मांगपत्र को जिला प्रशासन व राज्य सरकार को भेजने का आश्वासन देते हुए धरना समाप्त करने की अपील की थी, लेकिन मंच के लिए अपनी जिद पर अड़े रहे. उनका कहना था कि जब तक विभाग कोई ठोस पहल नहीं करता है, धरना जारी रहेगा. आगे चलकर इसे उग्र आंदोलन का रूप दिया जाएगा. मंच के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिला स्थानातरण के तहत प्रखंड से 53 शिक्षकों का स्थानांतरण दूसरे जिलों में हो गया, जबकि अन्य जिलों से मात्र 3 शिक्षक ही डुमरी प्रखंड स्थानांतरित होकर आये. इससे प्रखंड में शिक्षण व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है. प्रखड के वैसे सरकारी विद्यालय जो वर्षों से एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं, वहां विषयवार शिक्षक नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है. धरना में आजसू पार्टी की विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी, करमचंद महतो, घनश्याम महतो, मिथलेश कुमार, इदरीश अंसारी,नरेश कुमार, राजू रविदास, बज्जु कुमार मिस्त्री, परमेश्वर महतो, चंदन कुमार, जुमरती मियां, टुकन महतो, लालेश्वर यादव, जगदीश कुमार महतो, राजेश शर्मा आदि शमिल थे.

राष्ट्रीय यादव सेना के जमुआ प्रखंड अध्यक्ष बने ललन यादव

जमुआ (गिरिडीह)। राष्ट्रीय यादव सेना की जमुआ प्रखंड कमेटी की बैठक शनिवार को जमुआ डाक बंगला में हुई. बैठक में कमेटी का पुनर्गठन किया गया, जिसमें ललन यादव सर्वसम्मति से दोबारा अध्यक्ष चुने गए. वहीं, कैलाश यादव, लालू यादव व रणधीर यादव उपाध्यक्ष, पंकज यादव सचिव, सुदामा यादव कोषाध्यक्ष, विकास यादव सहसचिव, पीयूष यादव व बद्री यादव मीडिया प्रभारी बनाए गए हैं. कार्यकारिणी सदस्यों में राम लखन यादव, टीटू यादव, राजेश यादव, मनोज यादव, पंकज कुमार यादव, दीपक यादव ,पप्पू यादव, किशोर कुमार यादव, पंकज कुमार यादव, जागेश्वर यादव, पंकज यादव, राजेश यादव, नरेश यादव, मोहन यादव, सहेश्वर यादव, जीवलाल यादव, लखन कुमार यादव, प्रयाग यादव, उमेश यादव, रंजीत यादव, विजय यादव, रणधीर यादव, कैलाश यादव, बैजनाथ यादव, राजेश यादव, लखन यादव, राजू यादव, दीपक यादव, रंजीत यादव, मोहन यादव, सहदेव यादव, लालू यादव, विकास यादव व राजकुमार यादव शामिल हैं. बैठक की अध्यक्षता ललन यादव ने की, जबकि संचालन शंकर यादव ने किया. बैठक में गिरिडीह के मोतीलेदा में शहीद कैलाश यादव की चौथी पुण्यतिथि पर होने वाले समारोह में जमुआ से अधिक से अधिक संख्या में समाज के लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया.

बगोदर विधायक ने किया 9 सड़कों का शिलान्यास

संवाददाता। बिरनी (गिरिडीह)

बिरनी प्रखंड में बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह ने शनिवार को बिरनी में करोड़ों की लागत से कुल 9 सड़कों का शिलान्यास किया. विधायक ने सबसे पहले मल्हो से शाख़बरा का शिलान्यास किया . गरायडिह रोड, गांडो रोड, गोविंदाडीह रोड, बनपुरा रोड, सिमराढाब चौक से पूर्णानगर, बरवाचातर, सलेडीह रोड तक, रजमानिया कपिलो रोड, गुड़ीटांड रोड का शिलान्यास किया .

कार्यक्रम में उपस्थित मल्हो ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक विनोद सिंह ने कहा कि अभी सड़क का शिलान्यास किया हूं, कुछ दिन के बाद आपलोग के बीच फिर इरगा नदी पुल का भी शिलान्यास करने जल्द आयेंगे. कहा कि बिरनी में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है. अभी और भी सड़कें हैं, जिसका शिलान्यास बाकी है. आगे कहा कि अलगे चुनाव ने लोगों को दिग्भ्रमित कर डबल इंजन के नाम पर वोट लिया लेकिन जनता

के जरूरत की सड़कें धूल फांकते रही . महज पांच साल में ही बगोदर विधानसभा विकास के मामले में काफी पीछे चला गया था. कोडरमा लोकसभा में भाजपा को जनता ने लगातर 50 साल मौका दिया, विकास कहाँ है खोजना पड़ता है. आज भी केंद्र की योजना के लिए कोडरमा लोकसभा तरस रहा है, इसका जिम्मेवार भाजपा है. आगे कहा कि आपलोगों का आशीर्वाद रहा तो विकास की गति में तेजी होगा. आगे बताया कि अभी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मंईयां सम्मान योजना चल रहा है, जिसमें 21 वर्ष से ऊपर की महिला भर सकती हैं. जो महिला ने अभी तक फॉर्म नहीं भरी हैं, वह जल्द से जल्द फॉर्म भर दें ताकि यह योजना का लाभ मिल सके.

मौके पर पूर्व प्रमुख सीताराम सिंह, प्रमुख रामु बैठा, जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, प्रतिनिधि सीताराम पासवान, मुस्तकीम अंसारी समेत भारी संख्या में लोग मौजूद थे.

रोड शिलान्यास पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

बिरनी (गिरिडीह)। शनिवार को बिरनी प्रखंड के कई गांवों में बगोदर के विधायक विनोद सिंह द्वारा शिलान्यास किया गया . वहीं गांडो मोड में 1.8 किलोमीटर का भी शिलान्यास किया गया . जिससे ग्रामीण आक्रोशित हैं . इस संबंध में मध्य भाग जिप सदस्य प्रतिनिधि डॉ. सलीम अंसारी ने कहा कि विधायक द्वारा किए गए इस कार्य से जनता में नाराजगी है. उन्होंने कहा कि शिलान्यास का समय बदलने और जानकारी नहीं देने से साफ जाहिर होता है कि यह जनता को भ्रमित करने का एक प्रयास था. डॉ. सलीम अंसारी ने आगे कहा कि सड़क निर्माण योजना को लेकर पहले से ही विवाद है और विधायक द्वारा योजना के अनुरूप कार्य न करने से लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि अगर सड़क का निर्माण राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित योजना के अनुसार नहीं किया गया, तो वे स्थानीय लोगों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करेंगे और जनता की हक और अधिकार के लिए आंदोलन छेड़ेंगे. डॉ. अंसारी ने मांग की कि योजना के अनुसार थाना रोड से जिला परिषद रोड तक पुल-पुलिया के साथ सड़क निर्माण जल्द से जल्द शुरू किया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को आवाजाही में परेशानी न हो और उनकी उम्मीदें पूरी हो सकें.

हेमंत सरकार काफी डरे सहमे हैं : ललन निषाद

संवाददाता। बोकारो

भारतीय जनता पार्टी, मत्स्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक ललन कुमार निषाद ने कहा कि 23 अगस्त को भारतीय जनता युवा मोर्चा, झारखंड प्रदेश के द्वारा पूरे प्रदेश के 81 विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का जो हेमंत सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ राँची मोराबादी मैदान में सभा एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को मैदान तक पहुंचने से रोकने के लिए जिस प्रकार से हेमंत सोरेन के इशारे पर पुलिस प्रशासन द्वारा रोका गया एवं कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता की गई, ये काफी निंदनीय है. ललन कुमार निषाद ने कहा कि हेमंत सोरेन एवं झारखंड की पुलिस प्रशासन से कहना चाहता हूं कि सत्ता किसी के पास स्थाई नहीं रहती, आज यह हेमंत सोरेन के पास है, कल भारतीय जनता पार्टी के पास होगी. जिस प्रकार से यह सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है एवं हर तबके के लोग इस सरकार से परेशान हैं, इस सरकार को जाना तय है. भाजपा जब शासन काल में थी तब भी विपक्ष के द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा था. उस समय भारतीय जनता पार्टी के पास भी पुलिस प्रशासन थी लेकिन इस प्रकार के घृणित कार्य प्रशासन से नहीं कराया गया. पहले जगह-जगह पुलिस ने गाड़ियों को रांची जाने से रोका. किसी प्रकार भाजपा के कार्यकर्ता रांची पहुंच भी गए तो उन्हें रोकने के लिए कटीली तारे लगाई गई. उसे भी भाजपा के फौलादी कार्यकर्ता तार पर चढ़ गए तो वाटर कैनन एवं आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया जो काफी दुखद है. यह प्रमाणित करता है कि हेमंत सोरेन काफी डरे सहमे से हैं कि कब उनके हाथ से सत्ता चली जाए क्योंकि पूरे प्रदेश की जनता उनके कुशासन से परेशान हैं. भाजपा नेता ने कहा कि यह उन पुलिस अफसर को कहना चाहता हूं जो ड्यूटी मैन्युअल को दरकिनार कर किसी खास पार्टी झामुमो एवं उसके सहयोगी दल के कार्यकर्ता के रूप में कार्य व व्यवहार कर रहे हैं एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शन को जान बूझकर हिंसा के लिए भड़का रहे हैं. भविष्य में झामुमो व उसके सहयोगी दलों को भी इस प्रकार का प्रदर्शन करना पड़ेगा.

रेलवे स्टेशन पर नवजात की मौत, हंगामा

परिजनों ने रेल पुलिस पर लगाया अमानवीय व्यवहार का आरोप

संवाददाता। साहिबगंज

शनिवार को दोपहर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक नवजात की मौत हो गई. जिसके बाद वहां उमड़ी लोगों की भीड़ ने जमकर हंगामा किया. वहीं परिजनों ने रेल पुलिस पर अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया. मिली जानकारी के अनुसार रसूलपुर दहला निवासी सोने लाल साह अपनी पत्नी नीलम देवी व नवजात बच्चे के साथ गोड्डा जिला के मेहरमा थाना अंतर्गत मैनाचक स्थित सुसराल से डाउन बरौनी पैसेंजर से साहिबगंज आ रहे थे. नवजात की तबियत खराब थी और दंपति उसे डॉक्टर को दिखाने जा रहे थे. इस बीच रेल पुलिस ने उन्हें रोक कर घंटों बैठा लिया. तब तक इलाज के अभाव में नवजात की मौत हो गई. पीड़ित सोने लाल साह ने बताया कि पहली पत्नी की मौत के बाद उन्होंने दूसरा विवाह किया था. गर्भवती पत्नी के साथ ससुराल में थे. 3 दिन दिन पहले बाराहाट के एक अस्पताल में शिशु ने जन्म लिया था, लेकिन उसकी आज तबियत गड़बड़ाने पर उसे इलाज के लिए ट्रेन से लेकर डॉक्टर को दिखाने साहिबगंज आ रहे थे. उनके पास यात्रा का वैध टिकट भी था, तभी स्टेशन के बाहर आरपीएफ ने उन्हें रोकते हुए पकड़ लिया. टिकट दिखाने और नवजात को डॉक्टर से दिखाने की बात कहने के बावजूद उन्हें नहीं छोड़ा गया. इधर नवजात की मौत के बाद उसकी मां की चीख-पुकार पर वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई. जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया. सूचना मिलते ही नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने वहां पहुंच कर मामले की जांच-पड़ताल की. इधर खबर लिखे जाने तक पीड़ित परिवार व उसके परिजन नवजात के शव के साथ न्याय की आस में बैठे थे.

जैप 4 के दो आरक्षी को कमांडेंट ने किया सम्मानित

बोकारो। सेक्टर 12 स्थित जैप 4 में आरक्षी के पद से हवलदार की पद पर पारी से बाहर प्रोन्नति मिलने एवं रीडर मोहम्मद तसलीम खान के रामगढ़ जिला में स्थानांतरण के अवसर पर उनके सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन

किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईपीएस मुकेश कुमार, कमांडेंट जैप 4 बोकारो द्वारा बताया गया कि आरक्षी मनोज भरवी वर्ष 2018 में झारखंड जगुआर में प्रतिनियुक्ति थे. उसी क्रम में लातेहार जिला हेरेंज थाना में उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को मार गिराया गया था, जिसमें उक्त आरक्षी शामिल थे. पुलिस मुख्यालय झारखंड रांची द्वारा इनको प्रोन्नति दी गई है. इस अवसर पर वाहिनी के सभी पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक पतरस बड़वा, एसआईएसएफ डीएसपी राजबल्लव पासवान, एसआई अरुण कुमार सिंह, राम भवन सिंह, मो तस्लीम खान, ओमप्रकाश राय, झारखंड पुलिस, झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के 120 सभी सदस्यगण मौजूद थे.

डीएवी सेक्टर 6 में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर बच्चों ने मोहा मन

- मां यशोदा, देवकी संग झूमे कृष्ण—राधिका

संवाददाता। बोकारो

डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 में जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्या अनुराधा सिंह व आगंतुक अथितियों ने किया. इस जन्माष्टमी महोत्सव में बच्चों ने कृष्ण के भिन्न-भिन्न बाल रूपों को दिखाया. यह एक वार्षिक त्योहार है जो विष्णु जी के दशावतारों में से 8वें और 24वें अवतारों में से 22वें अवतार है. श्री कृष्ण के जन्म के आनंदोत्सव में मनाया जाता है. विद्यालय में अत्यंत धूमधाम से गीत व संगीत के साथ जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया. यह पर्व भाद्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को प्रत्येक साल विशेष धूमधाम से मनाया जाता है. भगवान श्री कृष्ण विष्णु जी के अवतार हैं, जो तीनों लोकों के तीनों गुणों, सतों गुण, रजोगुण एवं तमोगुणों में से सतोगुण विभाग के प्रभारी हैं. इस जन्माष्टमी अवसर पर विद्यालय की

नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों ने कृष्ण के बाल रूप व राधा के विभिन्न रूपों को दिखाया. बच्चों की मां ने भी यशोदा और देवकी के रूप में वात्सल्य पूर्ण नृत्य की प्रस्तुति दी. सभी विद्यार्थियों ने आगंतुक अतिथियों का मन मोह लिया. भगवत गीता का उपदेश सार्वभौमिक एवं सर्वकालिक है. गीता के श्लोक का श्रवण, मनन व पठन से व्यक्ति का जीवन पवित्र हो जाता है. गीता के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण के विराट रूप का पता चलता है. विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने आकर्षक गणवेशों से सुसज्जित होकर कृष्ण और राधा की छवि ने सभी को अपनी ओर आकृष्ट किया. भगवान श्री कृष्ण निष्काम कर्मयोगी, आदर्श दार्शनिक एवं दैवी गुणों से संपन्न सुसज्जित महापुरुष थे. वे द्वारिकाधीश भी थे, परंतु वे एक कृष्णावतार थे. भगवान कृष्ण के बाल रूप की छवि हमें काफी आनंदित लगती है. बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से सभी आगंतुक अतिथियों का मन मोह लिया. कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनुराधा सिंह ने उत्तम चरित्र व कुशल इंसान बनने के लिए छात्र छात्राओं को प्रेरित किया. इस जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर कक्षा छह से आठवीं तक के लिए मटका डेकोरेशन निर्माण प्रतियोगिता आयोजित किया गया . जिसमें हंस राज सदन ने प्रथम स्थान, श्रद्धानंद सदन ने द्वितीय स्थान तथा विवेकानन्द सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इस कार्यक्रम को संपन्न कराने में विद्यालय की शिक्षिका भावना घले, आराधना, सोनिया, रूबी कुमारी व झूमा चक्रवर्ती का पूर्ण सहयोग रहा.

सरस्वती शिशु मंदिर कसमार में राधा-कृष्ण के वेश में पहुंचे बच्चे

कसमार (बोकारो)। कसमार स्थित चन्द्रनारायण सरस्वती शिशु मंदिर में शनिवार को विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच राधा-कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. राधा-कृष्ण के वेश में स्कूल पहुंचे 32 नन्हे-मुनों ने प्रतियोगिता में भाग लिया. रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की भूमिका में बच्चों ने समूह नृत्य की प्रस्तुति दी. मधुबन में जो कन्हैया किसी गोपी से मिले, कभी मुस्काए कभी छेड़े... जैसे गीतों पर बाल कलाकारों ने जमकर ठुमके लगाए. प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को विद्यालय परिवार की ओर से उपहार देकर पुरस्कृत किया गया. प्रधानाचार्य कपिल कुमार चौबे ने बताया कि विद्यालय में हर साल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं.

जैन पब्लिक स्कूल सेक्टर-2 में मनी श्री कृष्ण जन्माष्टमी

बोकारो। बोकारो के सेक्टर 2 स्थित जैन पब्लिक स्कूल में शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई. भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव पर स्कूल परिसर में

आयोजित समारोह में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया. श्री कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में 112 बच्चों ने हिस्सा लिया. छात्र-छात्राओं ने श्री कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित मनमोहक नृत्य-गीत प्रस्तुत किया. नन्हे बच्चे राधा-कृष्ण की पोशाक में स्कूल पहुंचे थे और राधा-कृष्ण की सुंदर झांकी प्रस्तुत की. स्कूल के सचिव आलोक जैन ने कहा कि जन्माष्टमी से जुड़ी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन बच्चों ने रोचक अंदाज में किया है. ऐसे कार्यक्रम बच्चों को ऊर्जा प्रदान करने के साथ ही उन्हें अपनी संस्कृति से भी जोड़कर रखते हैं. ज्यूरी द्वारा चयनित बच्चों को सर्वश्रेष्ठ कान्हा का पुरस्कार भी दिया गया. खुशी कुमारी को माखन चोर व रूपाली कुमारी और तान्या कुमारी को सर्वश्रेष्ठ कृष्णा के रूप का पुरस्कार दिया गया. उप प्राचार्य मृत्युंजय सहाय ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला. इससे पूर्व शिक्षक नवीन कुमार सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत किया. सारे सांस्कृतिक कार्यक्रम शिक्षिका बेबी कुमारी के निर्देशन में हुए. अंत में शिक्षका कविता झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया. मौके पर सुनीता जैन, अलका जैन, ग्रीष्मा जैन, दलजीत कौर, रीतिका कुमारी, रोशनी कुमारी सहित स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे. प्रसाद वितरण के साथ उत्सव का समापन हुआ.

भाजपा ने फूंका हेमंत सोरेन का पुतला

संवाददाता। धनबाद

धनबाद। युवा आक्रोश रैली के दौरान झारखंड सरकार के प्रशासन द्वारा की गई लाठी चार्ज एवं आंसू गैस छोड़े जाने के विरोध में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी बरटांड मंडल एवं सदर मंडल द्वारा पुराने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने हेमंत सोरेन का पुतला फूंका गया. किशोर मंडल एवम राजाराम दत्ता के अध्यक्षता में पुतला दहन कार्यक्रम किया गया. जुल्मी जब जब जुल्म करेगा सत्ता के गलियारों से, चप्पा चप्पा गूंज उठेगा इंकलाब के नारों से... पुतला दहन के दौरान ऐसे नारे लगाए गए. मौके पर चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि पूरे झारखंड के युवाओं पर भयावह तरीके से हमला कराते हुए उनकी जान जोखिम में डालने वाली झामुमो का ये असली चरित्र हैं. अपने हक की लड़ाई लड़ने वाले युवाओं की हालत देख एक बात तो निश्चित है कि इस बार पूरा झारखंड हेमंत सोरेन की तानाशाह वाली सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकेगा. महामंत्री मानस प्रसून ने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार सत्ता के नशे में मदहोश हो बिल्कुल अमर्यादित, अलोकतंत्रिक तरीके का आचरण किया. जिसकी जितनी भी निंदा की जाय वह कम है. मौक पर पंकज सिन्हा, नरेंद्र त्रिवेदी, कन्हैया पाण्डेय, रमेश राही, मनोज सिंह भवानी, राजकुमार मंडल, निर्मल प्रधान, उमेश सिंह, बेबी यादव, नरेंद्र त्रिवेदी, राजा राम दत्ता, रंजीत सिंह बिल्लू, शंभु सिंह, हुल्लास दास, मनोज रिंकू सिन्हा, भोला पाण्डेय, अमित सिंह, प्रमोद अग्रवाल, प्रकाश मिश्रा, विजय कुमार, सत्येंद्र मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

तेतुलमारी में सीएम का पुतला फूंका

तेतुलमारी । रांची में हुई भाजपा समर्थको के साथ लाठी चार्ज व गलत व्यवहार, आंसू गैस की घटना के विरोध मे भाजपा समर्थकों ने शनिवार को तेतुलमारी थाना के समीप झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला जलाया और विरोधी नारेबाजी किया .कहा कि सरकार चेत जाए अन्यथा हमलोग उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे . समर्थक हेमंत का पुतला लिए सुभाष चौक से पैदल यात्रा कर पांडेडीह होते हुए तेतुलमारी थाना के समीप पहुंचे जहां पुतले को जलाया गया1 इस दौरान समर्थकों के साथ पुलिस की हल्की नोंक झोंक हुई लेकिन बाद में फिर वह मान गए समर्थकों का कहना था कि प्रदेश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है, खनिज संपदा की लूट मची हुई है . अपराधी दिन के उजाले मे लोहा, कोयला,बालू, अबरख लूट रहे हैं, लोग अपने आप को असुरक्षित समझते हैं, लेकिन सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है, राज्य में कानून व्यवस्था भी चौपट है। उन लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगा। पुतला दहन करनेवालों में आरके चौधरी, मनोज वर्मा, नागेन्द्र सिंह, सुरेश महतो,अजय सहानी, नीलकंठ रवानी, प्रेम सोरेन,रीता देवी, सपना सिंह, लक्ष्मण पासवान, संजीत सिंह, रणजीत सिंह आदि शामिल थे.

डरी सहमी हैं हेमंत सरकार: रागिनी सिंह

झरिया : रांची में युवा आक्रोश रैली के दौरान भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने सीएम आवास जाने से रोकने के लिए आंसू गैस और वाटर कैनन का उपयोग किया था . जिसमें कई कार्यकर्ता व नेता गंभीर रूप से घायल हुए . प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों से भाजपा कार्यकर्ताओं में उबाल है . शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह के नेतृत्व में झरिया थाना के मुख्य गेट के समीप हेमंत सोरेन सरकार का पुतला फूंका गया . नारेबाजी करते हुए चार नंबर टैक्सी स्टैंड से पैदल मार्च निकाला गया . पैदल मार्च चार नंबर, धर्मशाला रोड, टेलीफोन एक्सचेंज रोड होते हुए झरिया थाना के समीप पोहुचा . जहां रागनी सिंह ने हेमंत सोरेन सरकार का पुतला जलाया . मौके पर रागिनी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुई कार्रवाई से तो यही प्रतीत होता है कि झारखंड की वर्तमान गठबंधन सरकार भाजपा कार्यकर्ताओं से डरी सहमी हुई है . झारखंड मे युवा, बुजुर्ग महिलाएं कोई भी सुरक्षित नहीं है, भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा पर है . अपराधी बेलगाम है, खनिज संपदा की लूट मची हुई है . लेकिन जब झारखंड के युवा शक्ति अपनी आवाज उठा रहे हैं . ऐसे में झारखंड सरकार उनपे आंसू गैस के गोले और वाटर केनन का इस्तमाल कर उनकी आवाज दबाने का घृणित कार्य कर रही है .

तोपचांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन

तोपचांची : तोपचांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार की शाम को तोपचांची सुभाष चौक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया. यह पुतला दहन भाजपा द्वारा 23 अगस्त को रांची में आयोजित आक्रोश रैली में भाग लेने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को हेमंत सोरेन के आदेश पर पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में रोके जाने के विरोध में किया गया. भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य विकास महतो ने कहा कि बीते शुक्रवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित युवा आक्रोश रैली में भाग लेने जा रहे युवाओं को झारखंड पुलिस के इस प्रकार रोका जा रहा था कि जैसे कोई अपराधी हो. उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के ऊपर पुलिस के द्वारा आंसू गैस के गोलों ,लाठी चार्ज किया है. जो लोकतांत्रिक देश में अमानवीय व्यवहार को दर्शाता है. तोपचांची थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी की घटना घट रही है. ग्रामीण गांव की रक्षा के लिए खुद पहरेदारी कर रहे हैं लेकिन पुलिस चोरी की घटनाओं में अंकुश लगाने में विफल है. लेकिन आजाद भारत देश में भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस के द्वारा बर्बरता पूर्ण तरीके से रोका जा रहा था जो अमानवीय व्यवहार को दर्शाता है. जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि हिरामन नायक ने कहा कि राज्य की सरकार सिर्फ राज्य की सम्पत्ति चोरी करने में लगी है. राज्य में धड़ल्ले से बालू, कोयला, पत्थर की चोरी किया जा रहा है लेकिन पुलिस प्रशासन उसमें अंकुश नहीं लगा रही है.

कतरास थाने के समक्ष पुतला जलाया

कतरास। रांची में भारतीय युवा मोर्चा के आक्रोश रैली के दौरान पुलिस बर्बरता के खिलाफ भाजपा कतरास मंडल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार की शाम कतरास थाना चौक में मुख्यमंत्री का पुतला जलाया. कार्यकर्ता मंडल कार्यालय से निकलकर जुलूस के शक्ल में राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए थाना चौक पहुंचे और विरोध प्रकट कर पुतला जलाया. मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मिश्रा ने कहा कि राज्य की पाखंडी हेमंत सरकार के इशारे पर भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने उग्रवादियों की तरह सलूक किया है. सरकार ने सभी मर्यादाओं को तार-तार कर दिया है ऐसी सरकार को सत्ता पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है. राज्य की जनता झामुम कांग्रेस की लूट व झुठ की सरकार को पहचान चुकी है. अब का सरकार का अंतिम समय चल रहा है. मौके मंडल अध्यक्ष सूरज देव मिश्रा, मंडल मंत्री रामकुमार साहू उर्फ छोटू,महेश पासवान रघुनाथ हजारी मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

गल्फरबाड़ी में बंद पड़े आवास में चोरी

कुमारधुबी। गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र अंतर्गत एमपी सिंह के बंद पड़े आवास में अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया. घटना शुक्रवार देर रात की है. घर में कोई नहीं था और घर बंद पड़ा था. गृहस्वामी शुक्रवार की रात घर बंद कर अपने बेटे के पास पुणे के लिए निकली गए हुए हैं. घटना की सूचना पाकर गृहस्वामी के भाई इंद्रजीत सिंह उनके आवास पहुंचे और घटना की सूचना अपने भाई और पुलिस को दी. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल मे जुट गयी. गृहस्वामी अमृत सिंह के भाई इंद्रजीत सिंह ने बताया कि उनके बड़े भाई शुक्रवार की रात अपने बेटे के पास पुणे गए हैं. इधर घर में रात्रि पहर सोने की ही कहा था. बारिश के कारण वह सोने नहीं गये. सुबह-सुबह आए तो देखा कि घर में लगे. दरवाजे का ताला टूटा और दरवाजा खुला हुआ है. जैसे ही वह घर के अंदर घुसा तो देखा कि घर की खिड़की भी खुली हुई है. उन्होंने इसकी सूचना अपने बड़े भाई और पुलिस को दी. उन्होंने बताया कि पीछे से चहारदीवारी फांदकर घर में घुसा और चोरी की घटना को अंजाम दिया. कितने सामान की चोरी हुई है यह तो भाई के आने के बाद ही पता चलेगा.

चोरी का सिलसिला जारी दुकान को बनाया निशाना

तोपचांची: थाना क्षेत्र में चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. बीते शुक्रवार देर रात तोपचांची थाना के हीरापुर चौक में स्थित धनु गोप के मोबाइल दुकान को चोरों ने निशाना बनाया. दुकान से लगभग 12 हजार नकदी की चोरी हुई है. आपको बताते चलें तोपचांची थाना क्षेत्र में करीब एक माह से चोरों का उत्पात इस कदर बढ़ा है कि ग्रामीण गांव की सुरक्षा के लिए रात में पहरेदारी कर रहे लेकिन फिर भी चोर अपने मनसूबे पर लगातार कामयाब हो रहे हैं. चोरी की घटना में इजाफा के साथ ग्रामीण क्षेत्र के कुछ गांवों में महिला भी पहरेदारी करने शुरू कर दी है. क्षेत्र में लगातार चोरी की घटना से ग्रामीणों में काफी डर का साया है. क्षेत्र में हुए बीते चोरी की घटना में अभी तक तोपचांची पुलिस एक भी कांड का उद्भेदन नहीं कर पाई है.

सिनीडीह में पुतला दहन

मधुबन। भाजपा के सिनीडीह मंडल द्वारा शनिवार को खरखरी शिव मंदिर के समीप विगत 23 अगस्त को रांची मोराबादी मैदान में आयोजित भाजपा के युवा आक्रोश रैली में मुख्यमंत्री के इशारे पर पुलिस प्रशासन द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओ पर बर्बरता पूर्ण कार्रवाई के विरोध में हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया. इसके पूर्व भाजपा के कार्यकर्ता सिनीडीह से हेमन्त सोरन का पुतला लेकर जुलूस के शक्ल में हेमन्त सोरेन मुर्दाबाल,हेमन्त सोरेन हाय हाय, आदि नारे बाजी करते हुए खरखरी शिव मंदिर पहुंचे. जहां पुतला का दहन किया गया. इस दौरान सिनीडीह मंडल के अध्यक्ष उत्तम ग्याली ने कहा कि मुख्यमंत्री के इशारे पर पुलिस द्वारा भाजपा कर्याकर्त्ताओं को परेशान किया जा रहा है. मौके पर ,गोखुल तिवारी,बंटी बाउरी,,नागेश्वर पासवान,मुन्ना चौहान , डॉ मदन पासवान,आनंद बाउरी, रामजी चौहान,आदि मंडल के सदस्य शामिल थे.

बाघमारा अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना जारी

संवाददाता। बाघमार

बाघमारा। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले बाघमारा अंचल कार्यालय व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ रैयत का कार्य दिवस पर पंद्रहवें दिन शनिवार को भी धरना जारी रहा.रैयत दिलीप कु महतो ने बताया की अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार के धरना अनवरत जारी है. अधिकारियों के अनुसार रैयतों की आवेदन को ऑनलाइन साइट बंद रहने के कारण विभिन्न मामला लंबित है, हमलोग धरना में प्रत्येक दिन कार्य दिवस में आते है और बैठते रहे है.। अधिकारियों द्वारा साइट खुलने पर हमलोग की जमीन की ऑनलाइन इंट्री कर रसीद काटने का आश्वासन मिला है, परंतु जबतक हमलोग का काम नहीं होता तब तक हमलोग शांति पूर्वक धरना पर बैठ रहेंगे. धरना में मुख्य रूप से बसंती देवी, सुलोचना देवी, मानो रजवार, सुंदरी देवी, उमेश रजवार, सुरदर्शन रजवार, दिलीप कु महतो, गुरुचरण महतो, अजय महतो, मनीलाल साव, तीता कुमारी, विकास कु रजवार, प्रदीप रजवार, विशाल महतो, महेश कुमार, बबलू रवानी, भुनेश्वर रविदास, अंकित रजवार, कमल महतो, जयराम प्रसाद साव,चंदन रजवार,सुमित्रा देवी, सहित अन्य लोग थे.

अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर में मनाया गया जन्माष्टमी उत्सव

संवाददाता। चिरकुंडा

चिरकुंडा। चिरकुंडा स्थित अग्रसेन सरस्वति विद्या मंदिर में शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बाल रूप सज्जा एवं नृत्य संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीमा गढ़याण ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मौके पर विद्यालय के सचिव निलय कुमार गढ़याण, प्राचार्य डॉ अशोक कुमार वर्मा आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा आधुनिक परिधान में सुसज्जित होकर राम दरबार,राधे कृष्णा, आदि के पोजीसन में सज कर झांकियां प्रस्तुत की वहीं गीत संगीत का भी आयोजन किया गया जिसमें छोटे-छोटे बच्चों द्वारा आकर्षक गीतों की प्रस्तुति दी गई।बाल कलाकार में स्कूल के सार्थक महतो हनुमान का रूप लिए हुए थे वहीं सीता हार्शिका गुप्ता,राम समीर रविदास के अलावे शिव यश मंडल,सरस्वती मानोश्री मंडल के अलावे सीता(वनवासी) के रूप में हरमन कौर वेश भूसा धारन किए हुए थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सुनीता राय,आशा स्वर्णकार,बॉबी साव,डोली कुमारी आदि अन्य महिला व पुरुष शिक्षकगण शामिल थे।

आसनसोल

बोड़ा में पुस्तकालय भवन गिरा

लाइब्रेरियन पेड़ के नीचे काम करने को मजबूर

संवाददाता। नितुरिया

बोड़ा गांव में पुस्तकालय भवन गिरने से सभी किताबें पैक कर रख दी गईंनितुरिया प्रखंड के बोरा गांव स्थित पुस्तकालय भवन के ढह जाने से लाइब्रेरी की किताबें पैक कर रख दी गई हैं। इमारत कभी भी गिर सकती है, जिससे लाइब्रेरियन डर के मारे पेड़ के नीचे काम करने को मजबूर है। लगभग 10 वर्षों तक पुस्तकालय जर्जर अवस्था में था, लेकिन सरकार ने इसके जीर्णोद्धार के लिए कोई पहल नहीं की। इसे लेकर गांव के निवासियों ने सभी जिला कार्यालयों में शिकायत कर पुस्तकालय के जीर्णोद्धार की मांग की है।पुरुलिया जिले के लाइब्रेरियन सुमन चट्टोपाध्याय ने कहा, बोड़ा गांव की लाइब्रेरी की खराब स्थिति के बारे में जानने के बाद, मैं इस मुद्दे पर सक्रिय हो गया। जल्द ही लाइब्रेरी फिर से पाठकों के लिए उपयोगी होगी।₹इस वाणी पुस्तकालय की स्थापना 1952 में बोड़ा गांव के संस्कृति-प्रेमी निवासियों के समर्पित प्रयासों से की गई थी। अस्सी के दशक में लाइब्रेरी को सरकारी मान्यता मिली। पुस्तकालय भवन का निर्माण गांव के लोगों द्वारा दान की गई भूमि पर किया गया है। एक समय पुस्तकालय में पाठकों की भीड़ देखते ही बनती थी। उस समय गांव के युवक-युवतियां नौकरी की परीक्षा के लिए पुस्तकालय से पुस्तकें एकत्र करते थे। वही किताबें पढ़ कर गांव के कई युवक-युवतियां आज विभिन्न सरकारी दफ्तरों में काम कर रहे हैं।लाइब्रेरी में कुल सात हजार पुस्तकें हैं, जिनमें नाटक, कहानी, उपन्यास के अलावा नौकरी परीक्षा की तैयारी की किताबें भी शामिल हैं।

आदिवासी क्षेत्र में बच्चों के बीच पाठ्यक्रम सामग्री का वितरण

रानीगंज। एजुकेशन फॉर ऑल संस्था के तत्वाधान में मेजिया गांव के आदिवासी क्षेत्र में पाठ्यक्रम सामग्री एवं भोजन सामग्री वितरण की गई। युवा समाजसेवी स्वर्णदीप बाजोरिया ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र के बच्चों के साथ आज समय व्यतीत किया एवं उनके चेहरे पर खुशियां लाने का प्रयास किया स्वर्णदीप ने बताया कि मेरे जन्मदिन के अवसर पर आदिवासी बच्चों के साथ दिन व्यतीत करना मुझे बहुत अच्छा लगा समाज सेवा से सभी लोगों को जुड़ने की आवश्यकता है। इस मौके पर समाजसेवी प्रदीप बाजोरिया, शिक्षक वासुदेव गोस्वामी एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बराकर। आसनसोल नगर निगम के वार्ड 66 मनबाडिया स्थित प्राइमरी स्कूल में पूर्व पार्षद स्वर्गीय खालिद खान की पांचवी पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को एक दिवसीय स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, रोटरी क्लब आफ साल्ट लेक कोलकाता के संयुक्त तत्वाधान में मुफ्त स्वास्थ्य जांच एव नेत्र जांच शिविर मे 70 से भी अधिक मरीजों ने पहुंचकर शिविर का लाभ उठाया , वहीं शिविर में मुफ्त जांच के साथ साथ मुफ्त चश्मा और दवाइयां भी बांटी गई ,मौके पर मृतक पूर्व काउंसलर की पत्नी राजिया खालिद खान ने कहा की वो अपने पति की याद में आज मुफ्त स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया है, जहां सभी कुछ मुफ्त है ,वही शिविर प्रारंभ के पूर्व वार्ड के पूर्व पार्षद चहीदे की और से स्वर्गीय खालिद खान की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया, मौके पर राजिया खालिद खान ,गुड्डु खान, पोल्टू घोष,जार्किर हुसैन,राजा खान और अमित यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आरजीकर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की घटना के विरोध में निकली रैली

टीडीबी कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों ने जुलूस निकाला

संवाददाता। रानीगंज

रानीगंज में टीडीबी कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों ने जुलूस निकाला। रानीगंज में आरजीकर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की घटना के विरोध में आज टीडीबी कॉलेज के छात्रों ने विरोध रैली निकाली। शिशु बागान मोड़ से शुरू होकर पीएन मालिया रोड, दाल पट्टी रोड, होकर थाना रोड होकर नेताजी मूर्ति के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया।इस रैली में टीडीबी कॉलेज के छात्रों में पूर्व सांसद सह कॉलेज के पूर्व छात्र वंश गोपाल चौधरी, नीलय सरकार, सोमनाथ चटर्जी, अनुपम दे, सागर बनर्जी, सुखेंदु देवघरिया, रवींद्रनाथ गांधी, दुलाल करमाकर, मंडल संजय प्रमाणिक, सूचेना दास, अफरोज आलम, आरिज जलिस मौजूद थे।नीलय सरकार ने कहा, ₹जिस तरह से महिला डॉक्टर की हत्या की गई, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। वह अपने कार्य स्थल पर थी, लेकिन कार्य स्थल पर ही उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकी।उन्होंने कहा, राज्य सरकार की तरफ से कुछ छुपाने की कोशिश की जा रही थी, इसलिए सबूत के साथ छेड़छाड़ करने के लिए घटनास्थल पर तोड़फोड़ की गई। उन्होंने कहा, आज महिलाओं के बारे में बहुत कुछ कहा जा रहा है कि वह इतनी रात में वहां क्या कर रही थी या महिला नाइट शिफ्ट नहीं करेगी, लेकिन यह आधुनिक समाज है। यहां पर महिलाएं रात में भी नौकरी कर सकती हैं। उनको सुरक्षा देने की जिम्मेदारी राष्ट्र की है, और अगर राष्ट्र अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सकता, तो नागरिक समाज सड़कों पर उतरकर आंदोलन करता रहेगा।₹उन्होंने आशंका जताई कि जांच के नाम पर मजाक चल रहा है और कुछ छुपाने की कोशिश की जा रही है

चिकित्सा शिविर का आयोजन

रानीगंज। श्री श्री सीताराम जी भवन एवं मारवाड़ी युवा मंच द्वारा नि शुल्क फाइब्रो टेस्ट केम्प का आयोजन सीताराम जी भवन में किया गया इसमें स्कैन कर लिवर से संबंधित जानकारी लोगों को दी गई लगभग 30 से ज्यादा लोगों ने इसका लाभ उठाया यूवा मंच के पूर्व अध्यक्ष श्याम जालान ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच द्वारा समय-समय पर हेल्थ चेकअप कैम्प रानीगंज शहर में लगाया जाता है इसका मुख्य उद्देश्य यही है कि लोगों के बीच में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाना . कार्यक्रम में सीताराम जी भवन के अध्यक्ष जुगल किशोर गुप्ता ,सचिव संजय डालमिया यूवा मंच से आयुष झुनझुनवाला, राजेश जिंदल ,अमित बजाज, दीप्ति सराफ उपस्थित थी .

महिला चिकित्सक की हत्या के विरोध में कैंडल मार्च

संवाददाता। बराकर

बराकर में आसनसोल नगर निगम के कुल्टी स्थित वार्ड 17 के स्थानीय निवासियों ने एक मोमबत्ती जुलूस का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व स्थानीय वार्ड 17 के भाजपा पार्षद ललन मेहरा और भाजपा आसनसोल जिला के प्रवक्ता राजेश सिन्हा ने किया।कैंडल मार्च कुल्टी पत्थर खाद से लाल बाजार होते हुए घांटी मोड तक निकाला गया। यह विरोध प्रदर्शन कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के साथ हुए बलात्कार और उसकी निर्दयतापूर्ण हत्या के विरोध में किया गया था, जिसकी निंदा पूरे देश में हो रही है।जिला प्रवक्ता राजेश सिन्हा ने कहा कि इस जघन्य हत्या में सरकारी अस्पताल के मुखिया और उनकी टीम मुख्य रूप से शामिल हैं। भाजपा स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है और इसके विरोध में लगातार आंदोलन जारी है।इस विरोध जुलूस में बड़ी संख्या में वार्ड की महिलाएं शामिल थीं, जिनमें पार्टी के नंदी श्रीवास्तव, अचिंतो माझी, सुमन बिस्वास प्रमुख थे।

जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का जश्न

संवाददाता। बराकर

अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बाल रूप सजा एवं नृत्य संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस संबंध में बताया जाता है कि पश्चिम बंगाल और झारखंड के सीमाई क्षेत्र में स्थित अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर चिरकुंडा में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बाल रूप सजा एवं नृत्य संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन शनिवार को मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा गाढ़यान ने दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर मुख्य रूप से विद्यालय के सचिव नीलय गाढ़यान प्राचार्य डॉक्टर अशोक कुमार वर्मा श्रीमती सुनीता राय श्रीमती आशा स्वर्णकार श्रीमती बाबी साव एवं विद्यालय के सभी महिला आचार्य एवं पुरुष आचार्य उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती डॉली कुमार साव ने किया । इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने हिंदू देवी देवताओं का स्वरूप धारण किया था । जिन में मुख्य रूप से हनुमान का स्वरूप सार्थक महतो, सीता का स्वरूप हर्षिका गुप्ता भगवान राम का स्वरूप समीर रविदास भगवान शिव यश मंडल मां सरस्वती का स्वरूप मानोश्री मंडल सीता का बनवास स्वरूप हरमन कौर ने धारण कर उपस्थित लोगो को मुग्ध कर दिया । कार्यक्रम मे अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर चिरकुंडा तथा अग्रेशन सरस्वती विद्या मंदिर बाबू डंगाल के छात्र छात्राओं ने प्रदर्शन किया । कार्यक्रम के पश्चात बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन खुशनुमा और शाम सामान्य होगा. जीवनसाथी से अनबन हो सकती है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें.

वृषभ समय सामान्य है. मौसमी रोग से बचें. असमंजस की स्थिति बनेगी. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. गायत्री मंत्र का जाप करें.

मिथुन संतान के प्रति जिम्मेवारी पूर्ण होगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. समय का उपयोग होगा और लाभ का वातावरण बनेगा.

कर्क मानसिक शांति की आवश्यकता है. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आपके कार्य के प्रभाव से आय बनी रहेगी.

सिंह कार्य में गति मिलेगी, पर बेकार की बहस से बचें. कोई बड़ा कार्य होगा. पराक्रम का लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय बहुत ही अच्छा है. धन के आगमन से मन खुश रहेगा. साथ ही व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला मन प्रसन्न होगा. बाहर की यात्रा बन सकती है. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. इत्र दान करें.

वृश्चिक अधिक खर्च से मन खिन्न होगा. निद्रा में दिक्कत होगी. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. हनुमानजी का पूजा ध्यान करें.

धनु परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर पिता का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है.

कुंभ शनि को प्रसन्न करें. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती हैं. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं.

मीन चोट-मोच से बचना चाहिए. साथ ही बेकार के बहस से बचें. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. नए कार्य को लेकर जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें.

ग्रामीणों ने बदहाल मुख्य सड़क पर की धान की रोपाई

रोपाई करते ग्रामीण.

मझिआंव। बरडीहा प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत बरडीहा गांव स्थित जमा दो उच्च विद्यालय के समीप वट वृक्ष के पास से बाजार तक मुख्य सड़क की स्थिति नारकीय हो गई है. इसे लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है. ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के बरडीहा प्रखण्ड में कई सड़कों की स्थिति जर्जर है. जब मुख्य सड़क की स्थिति दयनीय है तो अन्य सड़क की अंदाजा लगा सकते हैं और ग्रामीण सड़क की बात ही अलग है. धान रोपाई कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक ने 10 वर्षों में जो विकास किया है, उसका नमूना है यह सड़क. आक्रोशित दर्जनों ग्रामीणों और युवा समाजसेवी विनीत कुमार के नेतृत्व में शनिवार को सड़क पर धान की रोपाई की गई. विनीत कुमार ने कहा कि 05 वर्षों के कार्यकाल में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में विकास कार्य धरातल पर शून्य है. बरडीहा प्रखण्ड की जनता इसी मुख्य सड़क से आवागमन करते हैं. विकास के नाम पर यह जर्जर व नारकीय सड़क हास्यपद है. उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में सोंच समझकर योग्य, कर्मठ व जुझारू नेता को ही जनता वोट करेगी. उक्त सड़क पर धान की रोपाई करने वालों में पूर्व मुखिया भरदुल विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा, प्रदीप, सोनू, विकास, अशोक सहित दर्जनों ग्रामीणों का नाम शामिल है.

लातेहार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जाहिर किया आक्रोश

एसपी कार्यालय नहीं पहुंच सके तो एनएच पर किया पुतला दहन

आशीष टैगोर। लातेहार

शुक्रवार को रांची में भाजयुमो ने आक्रोश रैली निकाली थी. इसमें पुलिस ने बल प्रयोग किया था. कई भाजपाई घायल हुए थे. इसके विरोध मे प्रदेश भाजपा के निर्देश पर जिला मुख्यालय में एसपी कार्यालय के समक्ष सरकार का पुतला दहन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित था. लातेहार में भाजुयमो के द्वारा एसपी कार्यालय के समक्ष पुतला दहन की तैयारी थी.

भाजपाई समाहरणालय मोड़ पर जुटने लगे. लेकिन पुलिस ने भी अपनी पूरी तैयारी कर रखी थी. समाहरणालय और एसपी कार्यालय जाने वाले हर मार्ग पर बेरिकेडिंग की गयी थी और भी संख्या में पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गयी थी. जैसे ही भाजपाई समाहरणालय के मुख्य द्वार से अंदर जबरन घुसने का प्रयास किया तो पुलिस बल के जवानों ने उन्हें रोक दिया. इस दौरान पुलिस व भाजपा नेताओं के बीच काफी बहसा बहसी हुई. लेकिन पुलिस बल के जवान उन्हें अंदर प्रवेश करने नहीं दिया. भाजपाईयों ने देखा कि तब वे पुलिस अधीक्षक कार्यालय नहीं पहुंच पायेंगे तो एनएच-75 पर समाहरणालय मोड़ के सामने झारखंड सरकार का पुतला दहन किया. इसका नेतृत्व भाजयुमो जिला अध्यक्ष छोटू राजा ने किया. मौके पर मुख्य रूप से मौजूद भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह झारखंड सरकार की तानाशाही है. रांची में भी झारखंड सरकार के इशारे पर पुलिस ने बल प्रयोग किया और अब जिला मुख्यालय में भी भाजपाइयो को रोका जा रहा है. अल्पसंख्य मोर्चा के जिला अध्यक्ष महताब आलम ने कहा कि यह सरकार सत्ता के नशे में चूर हो गयी है आगामी विधानसभा चुनावों में इस सरकार का जाना तय है. मौके पर जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, जिला महामंत्री बंशी यादव, अमलेश सिंह व अश्विनी सिंह, महताब आलम, रघुवीर यादव, शीला देवी, बबन पासवान, रानी देवी, प्रियंका देवी, रामदेव सिंह, पूनम देवी, आनंद सिंह, मुकेश पांडेय, प्रमोद कुमार समेत कई भाजपाई मौजूद थे.

लातेहार में एनएच पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते भाजपा कार्यकर्ता.

प्रथम राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन का सीएम ने किया समापन, कहा

पुलिस की जिम्मेदारी अत्यंत संवेदनशील

संवाददाता। रांची

डोरंडा स्थित जैप 1 के शौर्य सभागार में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीएम हेमंत सोरेन शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड में पहली बार महिला पुलिस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. मुझे बताया गया है कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में महिला पुलिस के सशक्तिकरण को लेकर कई सुझाव आये हैं. जिन पर गंभीरता से काम किया जाएगा. राज्य में पुलिस महकमे के सुदृढ़ीकरण को लेकर पूर्व में भी विभिन्न कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारा गया. मुझे यह भी बताया गया है कि झारखंड पुलिस द्वारा ऐसा आयोजन हर साल किया जाएगा. जबकि मेरा मानना है कि इस का आयोजन हर छह महीने में किया जाए.

आज महिलाएं, पुरुषों के साथ कई क्षेत्रों में कंधों से कंधा मिलाकर चल रही हैं : महिला पुलिस या महिला समूह की समाज में बहुत बड़ी भूमिका होती है. आज महिलाएं, पुरूषों के साथ कई क्षेत्रों में कंधों से कंधा मिलाकर चल रही हैं. पुलिस की जिम्मेदारी भी अत्यंत संवेदनशील होती है. पुलिस को अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक और न्यायपूर्वक निर्वहन करना होता है. मेरा मानना है कि कभी कोई महिला उत्पीड़न की शिकायत को लेकर थाने पहुंचती है तो केस डायरी लिखने वाला व्यक्ति महिला क्यूं नहीं हो? महिला पुलिस का विभिन्न महिला हॉस्टल्स या महिला समूहों से भी लगातार संपर्क होना चाहिए, जिससे वे लोग अपनी बातें बेझिझक आपसे साझा कर सकें. हमारी पुलिस में महिला समूह ऐसे आगे बढ़े कि जहां आपकी संख्या 5-6% है, वो 50% तक पहुंच जाए. उसके लिए सरकार से जो मदद चाहिए होगी वो उपलब्ध होगी. हमलोगों की अगर नींव मजबूत होगी तभी हम आगे बढ़ पायेंगे. झारखंड पुलिस सशक्त होकर आगे बढ़े, यही हमारी सोच है. इससे पूर्व दूसरे दिन महिला पुलिसकर्मियों के अवसर, चुनौती एवं भविष्य की रणनीति, महिला सुरक्षा में उनकी भूमिका, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता व पुलिस बल में महिला नेतृत्व को प्रोत्साहन देने आदि बिंदुओं पर परिचर्चा की गयी. इसमें रंजना अस्थाना सदस्य सचिव, झालसा, डॉ अनुराधा वत्स, एनजीओ, दीपशिखा, डॉ वंदिता, डॉ अनामिका पूर्णिमा महतो, अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज व कोच रश्मि लकड़ा, मुखिया, दुधिया, भरणो, गुमला और ज्योति सोरेन ने अपने-अपने विचार रखे.

महिला पुलिस सम्मेलन के समापन मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और डीजीपी अनुराग गुप्ता.

गर्भवती महिलाओं को मिले सुविधा

प्रशिक्षण संस्थान में प्रेगनेंट महिलाओं के लिए अलग से सुविधा हो. गर्भवती महिलाओं को केवल इंडोर प्रशिक्षण दिया जाये. गर्भवती महिलाओं के लिए अलग से ड्रेस कोड होना चाहिए. उनके खान-पान के लिए अलग से भत्ता मिलना चाहिए.

समान अवसर नीति को लेकर हुई चर्चा

पैनल डिस्कशन में समान अवसर नीति पर चर्चा की गयी. कहा गया कि आरक्षी से लेकर डीएसपी तक महिलाओं की हिस्सेदारी 33% तक हो. झारखंड राज्य में डीएसपी स्तर के पदाधिकारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वरीय पदाधिकारी के लिए पेंटेनियल रिव्यू कैडर रिव्यू आवश्यक है. महिला पदाधिकारी और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति गृह प्रमंडल के अंतर्गत होनी चाहिए. अनुसंधान विभाग एवं विधि-व्यवस्था विभाग दोनों के लिए अलग-अलग प्रतिनियुक्ति नीति का अनुपालन किया जाना चाहिए. प्रत्येक जिले में महिलाओं को महिला थाना के अलावा जेनरल थाना में कम से कम 30% थाना प्रतिनिधित्व का मौका देना चाहिए. इच्छुक महिलाओं के लिए फील्ड पोस्टिंग पॉलिसी बनानी चाहिए.

मातृत्व -पितृत्व अवकाश जिला स्तर पर दिया जाना चाहिए

डीएसपी रैंक के पदाधिकारियों का वर्दी भत्ता संशोधित कर बढ़ाया जाना चाहिए. वेटिंग फॉर पोस्टिंग की अवधि निश्चित होनी चाहिए ताकि रेगुलराईज करने में दिक्कत ना हो. मातृत्व एवं पितृत्व अवकाश जिला स्तर पर दिया जाना चाहिए. सप्ताह में एक दिन का अवकाश होना चाहिए. जिन महिला कर्मी की एक ही बच्चा है और पति का देहांत हो गया है, तो उनकी पोस्टिंग गृह जिला में होनी चाहिए. रात्रि ड्यूटी के दौरान कम से कम दो महिलाएं सशस्त्र होनी चाहिए. जिला स्थानांतरण के बाद यदि पूर्व जिला में गवाही देने के लिए जाना पड़े तो उनके लिए पुलिस लाइन में (महिला पुलिस क्लब या गेस्ट हाउस) की सुविधा होना चाहिए.

उत्तर प्रदेश का मोस्टवांटेड अपराधी पाकुड़ से गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

उत्तर प्रदेश के मोस्टवांटेड अपराधी को झारखंड से गिरफ्तार किया गया है. यूपी एटीएस की टीम ने शनिवार को पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र से अपराधी अंकित यादव को गिरफ्तार किया है. अंकित लंबे समय से फरार चल रहा था. जानकारी के अनुसार, मोबाइल लोकेशन के आधार पर यूपी एटीएस की टीम पाकुड़ पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से अंकित यादव को अन्नपूर्णा कॉलोनी से गिरफ्तार किया. गोलीबारी मामले में फरार चल रहा था अंकित : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के मिसिर पोखरा निवासी अंकित यादव ने विजय यादव नामक शख्स के घर में घुस कर अंधाधुंध गोलीबारी की थी. इस घटना में कई लोग घायल हुए थे. मामले में 30 जून को दशाश्वमेघ थाना में कांड संख्या 49/24 दर्ज किया गया था. वहीं, वारदात को अंजाम देने के बाद से ही अंकित फरार चल रहा था. उत्तर प्रदेश की पुलिस ने उसके ऊपर पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था.

पेज एक का शेष

देश में हर 16 मिनट में एक रेप!

कितने आरोपियों को मिली सजा? साल 2022 में रेप के कुल मामलों में से 19,954 में पुलिस ने चार्जशीट दायर की. वहीं इस साल दर्ज मामलों में से अदालत ने 507 केस में दोषी ठहराया. अदालत ने कुल 1388 मामले निपटाए और कुल 12,062 केस में आरोपियों को बरी कर दिया गया. रिपोर्ट के अनुसार, 27.4 फीसदी मामलों में अदालत ने आरोपियों को बलात्कार का दोषी ठहराया है. एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि साल 2022 में हर दिन करीब 15 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिला के साथ रेप की घटना हुई. कुल 5588 केस दर्ज हुए और 5610 महिलाओं ने घटना रिपोर्ट की. इनमें शेड्यूल कास्ट की महिलाओं की संख्या ज्यादा है और क्राइम रेट भी इनका ही ज्यादा है. 2022 में शेड्यूल कास्ट की 4252 महिलाओं ने 4241 केस दर्ज कराए, जिनका क्राइम रेट 2.1 है. वहीं शेड्यूल ट्राइब की 1358 महिलाओं ने घटना की रिपोर्ट की, कुल 1347 केस रजिस्टर हुए. इनका क्राइम रेट 1.3 रहा.

भारत में महिला सुरक्षा को लेकर क्या कानून : भारतीय संविधान में महिला सुरक्षा के लिए कई कानून हैं. इन कानूनों का मकसद महिलाओं को हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव से बचाना है. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार का एक अहम मंत्रालय है जो महिलाओं और बच्चों के अधिकारों और कल्याण के लिए काम करता है. सबसे डरावनी बात यह है कि भारत में अधिकांश रेप के मामलों में जान-पहचान वाले ही ज्यादातर गुनाहगार होते हैं. इसके अलावा अनजान और विकृत मानसिकता के लोग भी ये गुनाह करते हैं.

भारत में रेप के केस ज्यादा क्यों : समाज में महिलाओं को लेकर एक पुरानी सोच अभी भी मौजूद है जिसमें उन्हें पुरुषों से कमतर माना जाता है. महिलाओं के प्रति यौन उत्पीड़न को अक्सर हल्के में लिया जाता है. जब समाज में यह धारणा बनती है कि लड़के तो लड़के हैं या यह आम है, तो इससे बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों को बढ़ावा मिलता है. कई बार परिवार और समुदाय बलात्कारी को बचाते हैं जिससे महिलाएं अपनी आवाज उठाने में डरती हैं. ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग नहीं मिलता है. भारत में बलात्कार के मामलों में सजा की दर बहुत कम है. 2022 में बलात्कार के मामलों में केवल 27.4% मामलों में सजा सुनाई गई थी. इससे अपराधियों में यह विश्वास बढ़ता है कि उन्हें सजा नहीं मिलेगी. इस कारण उनकी हिम्मत और बढ़ जाती है. वहीं अक्सर देखा गया है कि पुलिस भी बलात्कार के मामलों में एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल करती है या देरी करती है. कई बार पुलिस बलात्कार की घटनाओं को गंभीरता से नहीं लेती, जिससे पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाता.

यह बंदी खतरे की घंटी है

खैर सवाल यह है कि जब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश या ऑब्जर्वेशन मानने से इंकार कर ही दिया था, तब भारत बंद का क्या औचित्य था ? यदि सुप्रीम कोर्ट कोई आदेश दिया होता, तो उसे निष्प्रभावी बनाने के लिए संसद में कानून बनाना पड़ता. लेकिन सिफारिशें तो मात्र कैबिनेट नोट से अस्वीकृत की जा सकती हैं और की गईं. फिर भी भारत बंद का आयोजन हुआ. गनीमत रही कि कहीं से किसी बड़े बवाल की खबर नहीं आई. लेकिन यह ट्रेंड खतरनाक है. यदि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, सिफारिशों और आदेशों के खिलाफ इसी प्रकार आंदोलन होने लगेंगे, तो पूरी व्यवस्था चरमरा जाएगी. इसमें कुछ राष्ट्रविरोधी शक्तियां भी अपने हाथ सेकेंगी और कुछ आग में घी भी डालेंगी. इसका मतलब यह कतई नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट आलोचना से परे है, लेकिन उसके किसी फैसले के खिलाफ भारत बंद तक आगे चले जाना दुर्भाग्यपूर्ण है. प्रश्न बुढ़िया के मरने का नहीं है, यमराज की आदत बिगड़ जाने का है. यह सुप्रीम कोर्ट हमारा है, हमारे लिए है. इसका सम्मान होना ही चाहिए. क्या संविधान की बार-बार दुहाई देने वाले यह भूल गये हैं ? राजनीति करनी है, तो कीजिए. शौक से कीजिए. लेकिन कृपया इसमें सुप्रीम कोर्ट को मत घसीटिए. उसे तो कम से कम बख्श दीजिए. अन्यथा यह देश निरंकुशता के नागपाश में फंस जाएगा और हमारे लोकतंत्र की प्राणवायु सूख जाएगी.

जाति का जिक्र किए बिना ...

फैसले में क्या लिखा ? जस्टिस पारदीवाला ने 70 पेज का फैसला लिखते हुए कहा कि यह केवल उन मामलों में होता है जहां जानबूझ कर अपमान या डराना अस्पृश्यता की प्रचलित प्रथा के कारण या ऊंची जातियों की निचली जातियों/अछूतों पर श्रेष्ठता के ऐतिहासिक रूप से स्थापित विचारों को मजबूत करने के लिए होता है. इनमें प्यूरीटी और पॉल्यूशन आदि की धारणाएं शामिल हैं. यह कहा जा सकता है कि यह 1989 अधिनियम द्वारा परिकल्पित प्रकार का अपमान या डराना है. पीठ ने कहा कि अपमान करने का इरादा उस व्यापक संदर्भ में समझा जाना चाहिए जिसमें हाशिए के समूहों के अपमान की अवधारणा को विभिन्न विद्वानों द्वारा समझा गया है. पीठ ने कहा कि यह सामान्य अपमान या डराना नहीं है जो अपमान के बराबर होगा, जिसे 1989 अधिनियम के तहत दंडनीय बनाया जाना चाहता है.

सरकारी कर्मियों को ...

नौकरी के बाद मिलने वाली पेंशन को ध्यान में रखते हुए इस स्कीम को लाया जा रहा है. केंद्रीय मंत्री ने कहा, विपक्ष सिर्फ ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लेकर राजनीति करता रहा है. दुनिया भर के देशों में क्या स्कीम है उनको देखने के बाद तमाम लोगों से चर्चा करने के बाद इस कमेटी ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम का सुझाव दिया. कैबिनेट ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को अप्रूव कर दिया है. कर्मचारियों की तरफ से एश्योर्ड अमाउंट की मांग किया जा रही थी. उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, पेंशनधारियों को 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन दी जाएगी. रिटायरमेंट के पहले के 12 महीना का एवरेज बेसिक पे का 50 प्रतिशत होगा. ये पेंशन 25 साल की सर्विस करने के बाद ही मिलेगी. एनपीएस की जगह अब सरकार यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानी यूपीएस ला रही है. सरकार ने ओपीएस की काट निकाली है. दरअसल, सरकार ने जिस पेंशन स्कीम का ऐलान किया है, वो 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी. इसके तहत 10 साल तक सरकारी नौकरी करने वाले को 10 हजार रुपए की पेंशन मिलेगी. 25 साल नौकरी करने वाले को पूरी पेंशन दी जाएगी.

16 श्रद्धालुओं का जत्था वैष्णव देवी के लिए रवाना

रवाना होते श्रद्धालु.

संवाददाता। लातेहार

शहर से 16 सदस्यी श्रद्धालुओं का एक जत्था जम्मू के माता वैष्णव देवी, कटरा के लिए रवाना हुआ है. इससे पहले युवा समाजसेवी सह श्री राजाराम सेवा संस्थान के संस्थापक अनिल कुमार गुप्ता ने सभी श्रद्धालुओं को अंग वस्त्र भेंट किया और उनके सुखद यात्रा की कामना की. उन्होने कहा कि धार्मिक यात्राओं से मन में एक नयी उर्जा का संचार होता है. आज के इस भौतिक समय में अध्यात्म व तीर्थ लोगों के जीवन में सुख व समृद्धि लाते हैं. श्रद्धालुओं में जगदेव सिंह, सुजीत कुमार यादव, मनोज कुमार यादव, सुरेंद्र कुमार यादव, रंजीत ठाकुर, मनोज प्रसाद, सुनील कुमार चंद्रवंशी, रघुनाथ गुप्ता, राजकुमार, विकास कुमार, रंजन कुमार व संजय सोनी आदि का नाम शामिल है. श्रद्धालुओं ने कहा कि वे माता से क्षेत्र के खुशहाली की कामना करेंगें.

'आदिम जनजातियों के विकास के लिए तेजी से काम हो रहा है'

- हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा-
- 101 करोड़ 55 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण

संवाददाता। गुमला

एक मुटठी आसमां में हक हमारा भी है. हक तो आप आदिम जनजातियों का है. बस हम एहसास करा रहे हैं कि हक व अधिकार आप कैसे लेंगे. सरकार की योजना का लाभ देने के लिए प्रशासन गंभीर है. आज हम जिन लोगों को कमजोर जनजाति बोलते हैं. यह कमजोर हट जाये और आदिम जनजाति भी विकास के पथ पर तेजी से बढ़े. वे गांवों से निकल शहर तक पहुंचे और अच्छे मुकाम को प्राप्त कर बुलंदी को छूए. यह बातें झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने कही. दरअसल गुमला जिले में आदिम जनजाति एवं दिव्यांग बच्चों के लिए झालसा के निर्देश पर डालसा व जिला प्रशासन द्वारा राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन केओ कॉलेज गुमला में किया गया था. जहां दो लाख 79645 लाभुकों के बीच 101 करोड़ 55 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया गया.

न्यायालय खुद चौपालों तक आ रहा है : कार्यक्रम में हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय प्रसाद, प्रदीप श्रीवास्तव, झालसा की सचिव रंजना अस्थाना समेत न्यायिक व प्रशासनिक पदाधिकारियों मौजूद रहे. मौक़े पर एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा है कि आप जनता जिस सरकारी योजना के लिए जो इधर उधर दौड़ लगाते हैं. इसके लिए एक जगह आपको बुलाकर योजनाओं का लाभ देने का काम किया जा रहा है. न्यायालय खुद चौपालों तक आ रहा है. आपके गांवों तक पीएलवी पहुंच रहे हैं. आपकी जो समस्या है. उसे सुन रहे हैं. उन परेशानी व समस्याओं को दूर करने का प्रयास डालसा द्वारा किया जा सके.

खेलकूद राज्यस्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता का समापन, अंडर 17 बालक वर्ग में खूंटी की टीम बनी विजेता

अंडर-17 बालिका वर्ग और अंडर-15 बालक वर्ग में सिमडेगा चैंपियन

खेल संवाददाता। रांची

रांची के मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय नेहरू कप हॉकी प्रतियोगिता 2024-25 का शनिवार को समापन हुआ. अंडर-17 बालिका वर्ग में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय सिमडेगा की टीम चैंपियन बनी. वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में खूंटी ने खिताब जीता.

अंडर-15 बालक वर्ग में सिमडेगा ने जीत दर्ज कर राष्ट्रीय नेहरू कप प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम शामिल हुए. साथ ही हॉकी झारखंड के महासचिव भोलानाथ सिंह, पूर्व हॉकी ओलिंपियन सह हॉकी प्रशिक्षक मनोहर टोपनो, मेजर ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित हॉकी प्रशिक्षक सुमराई टेटे, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अश्रिता लकड़ा, बीरेंद्र लकड़ा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, हॉकी झारखंड के महासचिव विजय कुमार सिंह शामिल हुए.

अंडर-17 बालिका वर्ग में सिमडेगा ने मारी बाजी

अंडर-17 बालिका वर्ग में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय सिमडेगा की टीम ने बरियातू बालिका मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय रांची की टीम को 2-0 से पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया. मैच में शानदार प्रदर्शन करने के लिए सिमडेगा की रीना कुल्लू को ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिला. वहीं हजारीबाग की तेलानी नाग को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया. खूंटी की मंजू को बेस्ट स्कोरर बनी.

बालक वर्ग खूंटी विजेता

अंडर-17 बालक वर्ग में खूंटी के लक्ष्मी नारायण प्लस टू हाई स्कूल मुरहू की टीम ने निर्मला हाई स्कूल खालिजोर सिमडेगा की टीम को 4-1 के अंतर से पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया. खूंटी के सचिन भेंगरा को फाइनल मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिला. गुमला के अरुण उरांव को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया.

अंडर-15 में सिमडेगा चैंपियन

अंडर-15 बालक वर्ग में संत मैरी हाई स्कूल सैमटोली सिमडेगा की टीम ने एसएस प्लस टू हाई स्कूल रांची को 8-0 से पराजित कर चैंपियन बनी. रांची के सुमित उरांव को मैन ऑफ द मैच मिला. सिमडेगा के इसमित डुंगडुंग को बेस्ट गोलकीपर, खूंटी के इमानुएल को मैन ऑफ़ द सीरीज का पुरस्कार मिला.

"बंधन से मुक्त होने के लिए बुद्धिमान व्यक्ति को अपने और अहंकार के बीच भेदभाव का अभ्यास करना चाहिए. केवल उसी से एक व्यक्ति स्वयं को शुद्ध सत्ता, चेतना और आनंद के रूप में पहचानते हुए आनंद से भरा हो जाएगा. धन, लोगों, रिश्तों और दोस्तों या अपनी जवानी पर गर्व न करें. ये सब चीजें पल भर में पल भर में छीन ली जाती हैं. इस मायावी संसार को त्याग कर परमात्मा को जानो और प्राप्त करो. – आदि शंकाराचार्य"

शुभम संदेश
रांची, रविवार, 25 अगस्त, 2024

नमन है इस माटी को, जिसपर मैंने है जन्म लिया!

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नारी संसार और सृष्टि का आधार होती है, लेकिन उसकी बेबसी की कहानियों से इतिहास, पुराण और आधुनिक साहित्य के पन्ने अटे पड़े हैं. उनकी इसी बेबसी को देखते हुए गोस्वामी तुलसीदास का हृदय द्रवित हो गया और उनकी लेखनी से ये पंक्तियां मानस प्रकट हो गयीं-कत विध नारि रचहुं जग माहीं, पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को भी उस बेबसी को देखकर कुछ ऐसी ही वेदना हुई थी और उन्होंने कहा था-अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी. इस विषय पर विचार-विमर्श के साथ अश्रु-स्रवण भी खूब हुए हैं, लेकिन अबतक यह कोई नहीं समझ सका कि जिसे महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की छाया शक्ति स्वरूपा, प्रकृति का मूलाधार के रूप में निर्विवाद रूप से स्वीकार किया गया, उसके समक्ष ऐसी विवशता क्यों और कैसे विराजमान हो गयी. एक विवाहित पुत्री जब ससुराल से निर्वासित कर दी जाती है और लौटकर मायके आती है तो उसकी व्यथा कोई सहृदय व्यक्ति ही समझ सकता है. जमशेदपुर की कवयित्री **सविता सिंह मीरा** उसी व्यथा को महसूस कर इस कविता की रचना करती हैं, जिसका शीर्षक है-निर्वासित बेटियां.

ठुकराई गई बेटियां-बुआ नैहर वापस आ तो जाती हैं
पर वे पहले की भांति चहकती बिल्कुल नहीं हैं.
बोझ समझती हैं खुद को भूल जाती हैं अपने वजूद को
कोशिश करती हैं मुस्कुराने की छिपा नहीं पाती अपने दुख को.
एक कोना तलाशती हैं घर में जो एक जताते थकती नहीं थीं,
अब स्थिति चाहे जो भी हो बस वे संतुष्ट नजर आती हैं.
न जिद न जिरह कुछ भी नहीं हर हाल में करतीं हैं सब सही
जाने की जिद करो तो जाना नहीं चाहती वे कहीं.
खुद को वे तुलसी नहीं समझतीं पूजनीय तो वे अभी भी हैं
किंतु एक पीपल वृक्ष की तरह जहां शनिवार ही दीप जलता है.

सविता जी की यह मार्मिक रचना समाज के उन लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिन्हें बेटियों का महत्व समझ में नहीं आता है. उन बेटियों का महत्व उन भाइयों को तो समझ में आता ही रहता है, जब वह बहन के रूप में अपने पवित्र प्रेम की निशानी के रूप में रक्षाबंधन के साथ द्वार पर खड़ी हो जाती है.

विडम्बना

गांधी बाबा के सुराज में सुरा बहुत है, राज नहीं है
राज बहुत खुलते हैं, लेकिन खिलता यहां समाज नहीं है.
यह देखो कैसी विडम्बना!राजनीति में नीति नहीं है.
और राजनैतिक लोगों को नैतिकता से प्रीति नहीं है.
सदाचार का आन्दोलन है, नोटों से भारी थैला है.
दर-दर पर खेला की दस्तक घर-घर में बैठी तैला है.
यह देखो, कैसा मजाक है, कला बिक रही बाजारों में.
रूप खड़ा है चौराहे पर जंग लग रही हथियारों में.
यह कैसा साहित्य कि जिसका, हित से कुछ सम्बन्ध नहीं है
सभी यहाँ मुक्तक है यारो, कोई यहां प्रबन्ध नहीं है.
हर अध्यापक आलोचक है, हर विद्यार्थी गीतकार है
सभी नकद सौदा करते हैं, एक नहीं रखता उधार है.
हर आवारा अब नेता है, हर अहदी बन गया विचारक.
जिसके हाथ लग गया माइक, वही बन गया प्रबल प्रचारक.
आलोचना लोच से खाली, अब मजाक में मजा न, गम है.
सत्ता से सत निकल गया है, सिर्फ अहम में हम-ही-हम है.

- गोपाल प्रसाद व्यास

जमशेदपुर निवासी कवयित्री **वीणा नंदिनी** उसी सुखद क्षण का चित्रण अपने इस नवगीत में कर रही हैं, जिसका शीर्षक है-बहना द्वारा खड़ी है.

द्वार बहना आ गई है प्रीत लेके वह खड़ी है -
मधुर अनुपम प्रात बेला रीत को वह ले पड़ी है -
मग्न होती मायके में नेह बंधन नित निभाई -
चमक मुख जब रंग बहना खिल उठा भाई कलाई -
बांधती हैं राखियां जब निज खुशी में वह झड़ी है.
थाल लेकर आरती की भाल कुंकुम वह लगाती -
आस करके आ गई है वर्ष का इक दिन सजाती -
रीत का दिख भाव अविरल नित निभाने पर अड़ी है..
सूत है विख्यात जग में खोल भाई अब पिटारा -
चाह रखती है हिया में भ्रात को यूं दूं सहारा -
श्रावणी की दिव्यता में प्रीत को वह ले लड़ी है.

बहनों का यह महत्व साल में केवल एक बार नहीं, बल्कि सालों भर महसूस होता रहना चाहिए. तभी संभव है कि नारियों की व्यथा समाप्त हो सके, जिसके जन्म लेकर कई घरों में कोहराम मच जाता है. पहले पता चल जाये तो उसे धरती पर आने से पूर्व ही मानव जीवन से मुक्त कर दिया जाता है. कन्या भ्रूण हत्या का ही परिणाम है कि कई राज्यों में लड़कियां विलुप्ति के कगार पर इस प्रकार पहुंच गयी है कि लड़कों का विवाह मुश्किल हो गया है. बरियातू रांची निवासी कवयित्री **कंचन सिंह** ने इसी विषय को अपनी इस रचना में सहेजने का प्रयास किया है-मैं विलुप्त होती रही हूं.

मैंने पढ़ा था किताबों में जानवरों के बारे में.
कुछ जानवर कम हो रहे हैं,
कुछ जानवर खतरे में हैं और कुछ तो विलुप्त हो रहे हैं.
मैं लड़की हूं-
मैं तो वैसे भी कम हो चुकी हूं,
खतरे में तो हमेशा से थी
अब विलुप्त भी हो रही हूं.
फर्क बस यह है कि जानवरों को डर है इंसानों से.
मैं तो इंसान होकर भी,इंसान से डर रही हूं.
निर्भय होकर रातों में
निकलना छोड़ चुकी हूं.
चौक-चौराहे सुरक्षित नहीं ,
इसलिए वर्क फ्रॉम होम भी कर चुकी हूं.
हर बात पर रोक-टोक,
हर बात पर शिकायत.
कभी कहते मुझे इस काम में नहीं सुरक्षा,
कभी कहते मुझे इस काम में नहीं इज्जत.
पापा ने कहा कि इस प्रोफेशन में बहुत इज्जत है.
मां ने कहा-यह काम लड़कियों के लिए सुरक्षित है.
सबका कहा मान चार-दिवारी में घिरकर सिर्फ पढ़ रही हूं.
परिवार गर्व से हो खड़ा इसलिए खुद को गढ़ रही हूं.
हमेशा रोका- टोका मुझे इसलिए ,
जो सबने कहा अब बस वही कर रही हूं.
घर से काम, काम से घर बीच में ना कहीं उतर रही हूं.
लेकिन अब अपने काम पर ही वरुशीपन से साक्षात्कार मैं कर रही हूँ.
इस इज्जतदार प्रोफेशन में भी,
अपनी इज्जत को तार-तार कर रही हूं.
सड़कों पर बेखौफ मैं चल न सकी.
अंधेरों में चैन से मैं सो न सकी.
अब यह दुनिया ही बताए मुझे - किसकी बात अब मैं सुनूं,
और कौन सा रास्ता मैं चुनूं. जिस राह पर भी मैं चली
उस राह पर तिल- तिल कर मर रही हूं.
कम तो मैं पहले ही हो चुकी हूँ, खतरे में तो हमेशा से थी ,
अब विलुप्त भी हो रही हूँ. मैं लड़की हूं,
इंसान हो करभी इंसान से डर रही हूँ.

कंचन जी ने अपनी इस रचना में यथार्थ पर प्रकाश डाला है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है, जिसे रांची की कवयित्री **संध्या उर्वशी** देख भी रही हैं और महसूस भी रही हैं. इन्हें इस बात पर गर्व है कि ये भारत की नारी हैं.

मुझे गर्व है मैं भारत की नारी हूं,
आधुनिकता के दौर में संस्कारी हूं,
नमन है इस माटी को जिस पर है मैंने जन्म लिया,
जां वार दूंगी धरती पर यह कसम खाती हूं.
वेशभूषा से आधुनिक पर दिल से हिंदुस्तानी हूं,
लज्जा मेरा गहना यही सबको आज बताती हूं,
शिक्षा पर अधिकार हमारा यह नारा लगाती हूं,
यज्ञानों से टकरा कर स्वाभिमान मैं बचाती हूं.
घर के आंगन से आसमान में उड़ान लगाती हूं,
रोके जो भी रास्ता पंख कतरना भी जानती हूं,
बिंदी, चूड़ी, पायल सिर्फ नहीं रहा मेरा सपना,
बंदूक, कंप्यूटर, मोबाइल है आज मेरा गहना,
इसके बदौलत मैं देश का परचम लहराती हूं.
वैसे सुन्दर कोमल भारत की सशक्त नारी हूं,
पर वक्त पड़े तो बन जाती झांसी की रानी हूं
परिवार, समाज, संस्कार की अभिमानी हूं
इज्जत पर आंच आए बन जाती चिंगारी हूं.
मुझे गर्व है मैं भारत की नारी हूं.
आधुनिकता के दौड़ में संस्कारी हूं.

जय संतोषी मां फिल्म में कवि प्रदीप ने एक मार्मिक और प्रेरणादायक गीत लिखा था-मत रो मत रो आज राधिके सुन लो बात हमारी, जो दुःख से घबरा जाये वह नहीं हिंद की नारी. इस संसृति का बड़ा उपकार होगा, अगर भारतीय समाज इन रचनाओं से प्रेरणा ग्रहण कर नारियों को सम्मान दे और सुख-समृद्धि प्राप्त करे. इन्हीं शब्दों के साथ जय हिंद ! जय झारखंड !!

महिलाएं, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

हम सभी भारत के लोग उन्माद में कुछ ज्यादा ही बातें कह जाते हैं. बहुत बार तो बिना तथ्य जाने, चिंतन किये बहुत तीखी प्रतिक्रिया भी दे बैठते हैं. हाल में कोलकाता में हुए महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध और हत्या के बाद पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई पर शायद मौसमी बरसात की तरह लोग इसे भूल कर मा दुर्गा के बहाने उत्सव बनाने में लग जाएंगे. दुर्गा पूजा की सबसे अधिक सरगर्मी पश्चिम बंगाल में ही रहती है. पूरे बंगाल और खासकर कोलकाता में दसों हज़ारों करोड़ का बिजनेस होगा. किसी ने ऐसा नहीं सुना होगा कि कोलकाता की मेडिकल छात्रा के संग दुर्व्यवहार के विरुद्ध बंगाल वासी दुर्गा पूजा करेंगे, पर उत्सव नहीं मनाएंगे. इस बार के पूजा पंडालों में शायद इस दुर्घटना पर आधारित कुछ दृश्य भी मिल जाएं ! राजनीति तो हो ही रही है. सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद जो बातें सामने आ रही हैं, उससे बहुत सारी बातें उभर कर सामने आ रही हैं. यहां इस बात की चर्चा भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि प्रतिवर्ष हज़ारों की संख्या में युवा किशोरियां इसी प्रदेश में देह व्यापार के धंधे में धकेल दी जाती हैं. आज जिस बात की चर्चा यहां होगी, वह है चिकित्सा व्यवस्था में महिलाएं और उनकी सुरक्षा. गौर करेंगे कि महिला चिकित्सक लगभग नब्बे प्रतिशत गायनोकोलॉजी में ही उच्च शिक्षा लेती हैं. विभिन्न उम्र के दर्ज़नों महिला चिकित्सकों से बातचीत में पता चला कि उन सबों को अपने अध्ययन के दरम्यान कभी न कभी यौन प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा है. सहपाठी, सीनियर, प्राध्यापक, अस्पताल के अन्य पुरुष कर्मी सभी ने उनपर फब्तियां कसीं, अश्लील मज़ाक किये, अनुचित प्रस्ताव, प्रलोभन दिए, यौन उत्पीड़न हेतु दबाव डाला, डराया, धमकाया और बहुत सारे ऐसे दृष्टांत हैं कि या तो उनकी हत्या की या आत्महत्या की ओर प्रेरित किया ! जो विद्यार्थी मेडिसिन, सर्जरी या ऑर्थोपेडिक्स में विशेषज्ञता हासिल करना चाहती हैं. उनके उस अध्ययन का समय नर्क की यातना की तरह होता है. अस्पताल में कभी कभी उन्हें 75 घंटे लगातार काम करने को बाध्य होना पड़ता है .अविश्वसनीय तो तब लगेगा कि उसके बाद फुरसत होने पर घन्टे भर बाद उन्हें इमरजेंसीज़ में फिर बुला लिया जाता है. अस्पताल में उनके आराम की, सोने की, खाने की कोई व्यवस्था नहीं होती और सुरक्षा व्यवस्था तो बस ऐसी की कोई दुर्दान्त अपराधी भी बिना हिचक उनके साथ अस्पतालमें बिना रोक टोक आकर दुर्व्यवहार कर सकता है. राजनीति में रहने वाले सभी लोगों की सुरक्षा में हज़ारों सुरक्षा कर्मी तैनात रहते हैं पर अस्पताल के भीतर कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और अन्य महिला कर्मचारियों के सुरक्षा की कोई आवश्यकता कभी नहीं समझी गयी.अस्पताल में महिला छात्र-चिकित्सकों की व्यथा कथा का यह एक छोटा सा हिस्सा है. शायद यकीन न हो पर यह चर्चा आवश्यक है कि मेडिकल पढ़ने वाले एक तिहाई से अधिक छात्र -छात्राएं इस विषैले वातावरण और परिस्थिति के कारण 'डिप्रेशन' के शिकार हैं .और उनमें तीन चौथाई छात्राएं हैं. ऐसे छात्र छात्राएं जिनके परिवार में कोई चिकित्सक नहीं है और जिसे इसकी पढ़ाई व्यस्था की जानकारी नहीं होती उसे अधिक पीड़ा उठानी पड़ती है, लेकिन फिर जो छात्राएं हैं, उनकी पीड़ा कई गुना ज्यादा होती है. अस्पताल के नीचे दर्जे के कर्मचारी भी इन बालिकाओं के संग दुर्व्यवहार कर जाते हैं .कहने की आवश्यकता नहीं कि अस्पताल प्रशासन के वरिष्ठ पदाधिकारी इन 'छोटी -छोटी' बातों पर कोई ध्यान क्यों दें? क्या इसी भरोसे विकसित भारत के महिला और बाल स्वास्थ्य की योजना बनाई जाएगी ?आखिर इन महिला स्वास्थ्य कर्मियों से 'देश हित' में अपने आप को कुर्बान कर देने की अपेक्षा क्यों कर दी जाती है? भारत के समुचित स्वास्थ्य के विकास के लिए इन मौलिक समस्याओं की ओर ध्यान देना होगा अन्यथा चरमराती महिला स्वास्थ्य की व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी. प्रायः कोई भी अपने परिवार की बच्ची को कम से कम मेडिकल तो नही पढ़ने भेजेगा. आप गौर करेंगे, स्वास्थ्य विभाग में नीति निर्धारक पदों पर महिलाओं की भागीदारी दो प्रतिशत भी नहीं है .विचारणीय प्रश्न है सोचिएगा !

चित्रकूट सब दिन बसत, प्रभु सिय लखन समेत

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की 527 वीं जयंती के पावन पुनीत अवसर पर 11-12 अगस्त 24 को चित्रकूट जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ. दो दिवसीय तुलसी जयंती का आयोजन तुलसी शोध संस्थान मध्य प्रदेश सरकार के तत्वावधान में किया गया था. इसके संकल्पक प्रो. अवधेश प्रसाद पाण्डेय और प्रायोजक दीपक कुमार गुप्ता निर्देशक (जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद् , भोपाल) एवं रामेश्वर पटेल थे. चित्रकूट की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम 14 वर्षों की वनवास की अवधि में लगभग 12 वर्ष रहे. यमुना पार करने के बाद प्रभु श्रीराम की मुलाकात महर्षि वाल्मीकि से हुई. प्रभु श्रीराम ने महर्षि वाल्मीकि को प्रणाम करते हुए वनवास की अवधि में अपने रहने लायक उपयुक्त स्थान पूछा. महर्षि वाल्मीकि ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए श्री राम से कहा कि पहले आप बतायें कि आप कहां नहीं हैं:-

पूछेहु मोहि कि रहौं कहां,मैं पूछत सकुचाउं.
जहं न होहु तहं देहु कहि, तुम्हहिं देखावौं ठाउं.

महर्षि वाल्मीकि ने राम के ठहरने लायक 14 उपयुक्त स्थलों की चर्चा की और कहा कि:-

सुनहु राम अब कहउं निकेता. जहां बसहुं सिय लखन समेता.
जिनके श्रवण समुद्र समाना.कथा तुम्हारी सुभग सरि नाना.
भरहिं निरंतर होहिं न पूरे.तिन्ह के हिय तुम्ह कहुं गृह रूरे.

लेकिन अंत में महर्षि वाल्मीकि ने राम से कहा कि आप चित्रकूट में निवास करें:-

चित्रकूट गिरि करहुं निवासू.
तहं तुम्हार सब भांति सुपासू.

चित्रकूट आने के बाद यहां की प्राकृतिक सुंदरता और छटा देखकर प्रभु श्रीराम मुग्ध हो गये और उन्होंने लक्ष्मण से कहा कि:-

रघुवर कहेउ लखन भल घाटू. करहु कतहु अब ठाहर ठाटू.
लखन दीख पै उतरि करारा.पहुं दिसि फिरेउ धनुष जिमि नारा.
चित्रकूट जनु अचल अहेरी. चुकइ न घात मार मुठ भेरी.

महासती अनुसूया के द्वारा अवतरित पुण्य सलिला मंदाकिनी का प्रभाव तो भागीरथी गंगा से भी अधिक है, क्योंकि गंगा तो पापों को धोती है, किंतु मंदाकिनी पाप समूह का भक्षण करके उसका अस्तित्व ही मिटा देती है, ताकि वह बहकर नीचे की ओर स्नान करते हुए श्रद्धालुओं को स्पर्श न कर सके:

सुरसरि धार नाउ मंदाकिनी. सो सब पातक पोतक डाकिनी.

मंदाकिनी में त्रिकाल स्नान करने , दर्शन करने और स्पर्श करने से मोक्ष सुलभ हो जाता है. महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में ऐसा लिखा है:-

दरस परस अरु मज्जन पाना. हरहि पाप कह वेद पुराना.

महर्षि अत्रि आदि मुनियों का का आश्रम यही है. चित्रकूट की महिमा का गान करते हुए महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने मानस में लिखा है कि:-

अत्रि आदि मुनि आदिक जेते. चित्रकूट जस गावहिं तेते.

मुनीश्वरो द्वारा चित्रकूट की वंदना करते हुए कहा गया है कि:-

सुवर्ण कूटं, रजताभ कूटं, माणिक्य कूटं, मणिरत्नकूटं.
अनेक कूटं, बहुवर्ण कूटं, श्री चित्रकूटं शरणं प्रपद्ये.

जो पर्वत स्वर्ण,चांदी और मणि माणिक्यों से युक्त है,ऐसे अनेक प्रकार के पर्वतों और अनेक प्रकार के रंगों वाले चित्रकूट की वंदना करता हूं. कलियुग ने समस्त संसार पर अपना जाल बिछा दिया था, किंतु प्रभु श्रीराम की कृपा से अद्यावधि चित्रकूट उससे मुक्त है.गुप्त गोदावरी ,भरत कूप, स्फटिक शिला, हनुमान धारा,राम घाट,जानकी घाट, लक्ष्मण घाट यहीं है.जगद गुरु श्री रामभद्राचार्य जी का तुलसी पीठ यहीं है. इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने इस भूमि को अपनी जन्मभूमि अयोध्या से भी अधिक महत्व दिया है:-

चित्रकूट सब दिन बसत, प्रभु सिय लखन समेत.
राम नाम जप जाप करि, तुलसी अभिमत देत.

जिसका उल्लू सीधा उसका भी बड़ा नाम है..

नश्तर

सुधीर राघव

मुम्बई की पतली गली से एक बहुत मोटी औरत निकली. उसने कहा, ₹ गैस सिलेंडर सस्ता होना चाहिए.₹ सबने कहा -हां! गैस सिलेंडर सस्ता होना चाहिए. तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं. उसने संघर्ष किया और सबने उसका साथ दिया. इस तरह वह मोटी औरत नेता बन गई. मगर सिलेंडर सस्ता नहीं हुआ. वह नेता से मंत्री बनी और उसे खुद मुफ्त सिलेंडर मिलने लगे. तब उसने जाना कि जनता को सस्ता सिलेंडर नहीं दिया जाना चाहिए. जनता को भी अगर सस्ता सिलेंडर मिलने लगा तो फिर नेता और जनता में फर्क ही क्या रह जाएगा. अगर देश का पूरा खजाना जनता पर ही लुटा दिया तो उसे और उसके दोस्तों को माल कहां से मिलेगा? उसने खूब सोच-विचार करने के बाद भाषण दिया- जनता को सस्ता सिलेंडर देने से देश के खजाने पर लाखों करोड़ रुपए का बोझ पड़ता है. जनता को देश के विकास के लिए महंगे सिलेंडर का बोझ उठाना चाहिए. जनता को मुफ्तखोरी की आदत नहीं डालनी चाहिए. इसके साथ ही उसने सिलेंडर के दाम दूने कर दिए. अब वह दूना कमीशन खा सकती थी. इस तरह वह मोटी औरत और मोटी होकर परम आनंद को प्राप्त हुई.

मुम्बई की गंधाती बस्ती से एक टोपीवाला बूढ़ा निकला. उसने सबको टोपी पहनाई और कहा, ₹देश में भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए.₹ सबने कहा, हां भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए. वह टोपीवाला बूढ़ा नेता नहीं बना. उसने देश के नेता ही बदल दिए. उसने धनपशुओं से माल लिया और शांत हो गया. भ्रष्टाचार और बढ़ गया. रोज पुल गिरने लगे, नई सड़कें धंसने लगीं. ट्रेनें बेपटरी होने लगीं, हवाई अड्डे चूने लगे मगर वह टोपी पहने शांत रहा. उसका माल लगातार बढ़ रहा था, वह उसे गिनने में व्यस्त था. वह समझ गया था कि देश में भ्रष्टाचार अब जरूरी है ताकि उसे हिस्सा मिलता रहे. उसका माल बढ़ता रहे. इस तरह वह टोपीवाला बूढ़ा टोपीबाज बनकर परम आनंद को प्राप्त हुआ. गंगा की लहरों से एक बाबा प्रकट हुआ. उसने कहा कि विदेश में जमा देश का सारा कालाधन वापस लाया जाना चाहिए. सबने कहा, हां! कालाधन वापस लाना चाहिए! सब उसके साथ मगर वह खुद भेस बदलकर भाग गया. अब वह खुद बेरोकटोक चीन को लाल चंदन सप्लाई कर रहा था. जनता ने पूछा काला धन कब वापस आएगा, उसने अपनी पूंछ की ओर इशारा किया कि लो इसे उखाड़ लो. यह सुनकर जब जनता शर्माई तो वह ताली पीटकर परम आनंद को प्राप्त हुआ. इस तरह ये तीनों जन, जो पिछले जन्म में किसी ऋषि के श्राप से मोटी, टोपीबाज और बाबा बनकर पैदा हुए, इन्होंने इस जन्म में अपना उल्लू सीधा कर खूब नाम कमाया और परम आनंद को प्राप्त हुए.

मानवीय संघर्ष और अस्तित्व की गहराइयों को उभारते हैं शेखर

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

कला कर्म के प्रति गहरी निष्ठा रखने वाले कलाकार शेखर की एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान है. ये बिहार के भागलपुर क्षेत्र की मंजूषा पेंटिंग को नया आयाम देने वाले सांस्कृतिक कार्यकर्ता और कलाकार हैं. ये झारखंड के अग्रणी वृत्तचित्र फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और उनके नाम कई शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक आधारित वृत्तचित्र फिल्में हैं. इन्होंने मंजूषा कला पर एक किताब भी लिखी है. जगदीशपुर (भागलपुर) में जन्मे शेखर ने वहीं से फाइन आर्ट में शिक्षा हासिल की. रांची को अपना कर्मक्षेत्र बनाया और नियमित रूप से लंबे समय से कला साधना कर रहे हैं. कल्पना को आकार देने के लिए रेखाओं और रंगों के माध्यम से कभी पेपर तो कभी कैनवास पर उसे जीवंत करते हैं. इनकी पेंटिंग में झारखंडी संस्कृति की झलक मिलती है. इनकी पेंटिंग में आधुनिक विकास की विसंगतियां भी दिखाई देती हैं. ये झारखंड की स्वदेशी कला परंपराओं को जगह देते हैं, जो इन्हें और कलाकारों से अलग करता है. इनकी कला प्रतिरोध का शस्त्र भी रचता है. वह आनंदित ही नहीं करता, उद्वेलित भी करता है, सजग भी करता है. शेखर की

कलाकृतियां गतिशील और अमूर्त रचना है, जिसमें रेखाओं, रंगों और जटिल पैटर्न का समृद्ध उपयोग किया गया है. इनकी अनूठी शैली, गहरे कथ्य, सौंदर्यबोध, प्रतीकवाद और भावनात्मक प्रभाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है.

शेखर की शैली में रेखाओं और रंगों का गहरा तालमेल देखा जा सकता है. इनकी रेखाचित्रों में रेखाओं का जटिल और सूक्ष्म प्रयोग होता है. शेखर की शैली में काले और सफेद रंगों का प्रमुखता से उपयोग किया जाता है, जो चित्रों को एक गहरी और संजीदा दृष्टि प्रदान करता है. उनकी रेखाएं बेहद साफ और शुद्ध होती हैं, जो उनके चित्रों को एक विशेष और अनोखा स्पर्श देती हैं. दूसरी ओर, उनकी पेंटिंग्स में रंगों का जीवंत प्रयोग दिखाई देता है, जिसमें एक्रिलिक पेंट से बनी आकृतियों और रंगों का संयोजन इन्हें विशिष्टता प्रदान करता है. इनके चित्रों में एक खास किस्म का पैटर्न्स और टेक्सचर का प्रयोग भी देखने

को मिलता है. चित्रों में चित्रित चेहरे आपस में संवाद करते दिखाई देते है. उनकी शैली में आधुनिकता और पारंपरिकता का संगम देखा जा सकता है, जहां वे पारंपरिक भारतीय कला रूपों

का आधुनिक परिप्रेक्ष्य में पुनरुत्थान करते हैं.

शेखर की रचना मानवीय संघर्ष और अस्तित्व की गहरी और प्रभावशाली व्याख्या प्रस्तुत करती है. रंगों, आकृतियों, और

रेखाओं का उपयोग कर कलाकार ने जीवन के विभिन्न पहलुओं को बेहद संवेदनशीलता और गहराई से चित्रित किया है. उनकी रचनाओं का कथ्य अक्सर प्रकृति, समाज, पर्यावरण और मानव मनोविज्ञान के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं. उनके चित्रों में पेड़-पौधे, पत्तियां, फूल और प्राकृतिक दृश्य देखे जा सकते हैं, जो जीवन की सजीवता और उसकी अनंतता को दर्शाते हैं तथा दर्शकों को जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है, चाहे वह जीवन की सरलता हो या उसकी जटिलताएं. शेखर का सौंदर्यबोध उनके चित्रों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है. उनकी कला में रेखाओं की शुद्धता और उनकी प्रवाहमानता चित्र को अत्यंत आकर्षक और प्रभावशाली बनाती है. चित्रों में जटिलता के बावजूद एक सरलता और सादगी दिखाई देती है, जो दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित करती है. उनके रेखाचित्रों में रेखाओं का प्रवाह और उनकी विभिन्नता अद्वितीय सौंदर्य प्रस्तुत करती हैं.

आखर

जो मुड़ के देखता हूं

रतन वर्मा एक ऐसे कथाकार हैं जिनकी कहानियों में आम जन और उसका जनपद व्यापक संवेदना के साथ अभिव्यक्त होता है. रतन वर्मा की विशिष्टता भाषा की सदगी और सहजता में अंतरनिहित है. रतन वर्मा की कविताओं में मानवीय पीड़ा एक ऐसी गरिमा का सृजन करती है जिसमें हताशा का कोई बोध नहीं है. आम जन की जिंदगी को स्वर देना और उससे भविष्य की उम्मीद पैदा करना रतन वर्मा को अलग पहचान देता है. जो मुड़ कर देखता हूं स्तंभ में इस बार पढ़िए रतन जी का आत्मकथन...

अवचेतन मन में क़ैद परिंदों की उड़ान

वे भी क्या दिन थे, जब मैं न तो कवि हुआ करता था और न कथाकार ही, मगर हर क्षण हज़ारीबाग के साहित्यिक माहौल की सरिता में डुबकी लगाते रहना मेरी दिनचर्या में शामिल हुआ करता था. फिर भी ऐसा नहीं कि यदा-क़दा मैं कुछ तुकबन्दियां नहीं कर लिया करता था. लेकिन उन तुकबंदियों के आधार पर ख़ुद को कवि मान लूं, ऐसा मुग़ालता तो नहीं ही पाल सकता था. सच तो यह है कि बालपन से ही मेरी परवरिश एक ऐसे परिवार में हुई, जहां का माहौल साहित्यिक हुआ करता था. मेरे मझले भैया और दीदी पर तो उस माहौल का कुछ असर नहीं पड़ा, पर पता नहीं क्यों वह माहौल मेरे बाल- मन को हमेशा आकर्षित करता रहा.

मामी प्रेरणा स्रोत जो खाना पकाते समय भी पढ़तीं किताबें

मेरे पिता की मृत्यु तभी हो गयी थी, जब मैं मात्र एक वर्ष का था. मेरे सबसे बड़े भैया कामेश्वर प्रसाद वर्मा, जो बाद में चलकर कामेश दीपक के नाम से जाने गये, उनकी उम्र नौ वर्ष, मझले भैया धनेश्वर प्रसाद वर्मा सात वर्ष और मुझसे बड़ी दीदी तीन वर्ष की थी. तो पिता जी की मृत्यु के बाद मां और हम चारों भाई - बहन को दरभंगा अपने मामा के पास आ जाना पड़ा. मामा के संरक्षण में ही हमारा लालन-पालन होता रहा. चूंकि मामा की शादी के कोई दस वर्ष हो चुके थे, लेकिन तब तक उनकी कोई संतान नहीं हुई थी, इसलिये भाई-बहनों में सबसे छोटा होने के कारण उनका सर्वाधिक स्नेह मुझे ही प्राप्त होता. ख़ैर, तो बालपन से ही मैं देखता आया था कि मामी को मोटी-मोटी किताबों को पढ़ने का गज़ब का शौक था. फुर्सत के वक्त तो पढ़ती ही रहती थीं, खाना बनाते हुए भी चूल्हे पर चावल या दाल चढ़ाकर वह किताबों में ही तल्लीन होतीं.

मुझे लगता कि उन किताबों में आख़िर ऐसा क्या होता है कि मामी दिन-रात पढ़ने में ही तल्लीन रहती हैं. उधर मेरे भैया भी स्कूल के अलावे का समय लिखने-पढ़ने में ही व्यतीत करते रहते. बहुत बाद में मुझे समझ आया कि मामी चंद्रकांता सन्तति, भूतनाथ आदि जैसे उपन्यास पढ़ा करती थीं, और बड़े भैया कुछ कविता-वविता लिखा करते थे.

छापाखाना के वे दिन

मामा का ' आनन्द प्रेस ' नाम का एक छापाखाना भी हुआ करता था, जिसमें रविवार की छुट्टियां हुआ करती थीं. हम बच्चों की भी उस दिन छुट्टियां तो हुआ ही करती थीं. मामा ने उस छापाखाने की पूरी जिम्मेवारी मेरे बड़े भैया के दोस्त मोहन भैया को सौंप रखी थी, जिनका रहना तो छापाखाने में ही होता था और खाना- पीना हमारे घर में. मुझे याद है कि जब मैं दूसरी या तीसरी कक्षा में था, तभी से बड़े भैया को छोड़कर, बाकी के हम तीनों भाई-बहन को हर रविवार को दिन भर के लिये स्लेट-किताब के साथ छापाखाने में मोहन भैया के संरक्षण में भेज दिया जाता था, ताकि मामी और घर के अन्य लोग हमारी शरारतों से मुक्त रह सकें और मोहन भैया की देख-रेख में हम पढ़ाई भी करते रहें. मोहन भैया बड़े ही कड़क अभिभावक की तरह थे. हमारी क्या मज़ाल कि उनके रहते हम थोड़ी भी शरारत कर सकें. दोपहर में मोहन भैया के साथ ही हम घर आकर भोजन करते, फिर पुनः उनके साथ ही छापाखाने में वापसी. शाम के चार-पांच बजे ही हमें वहां से मुक्ति मिलती और हम मुहल्ले के बच्चों के साथ धमाचौकड़ी मचा पाते.

अक्सर किसी-किसी रविवार की शाम को छापाखाने में ही भैया एक कवि-गोष्ठी का आयोजन करवाया करते थे. जिस रविवार को गोष्ठी होती, उसकी तैयारी की सुगबुगाहट हमारे, वहां से प्रस्थान के पूर्व प्रारम्भ हो जाती. जैसे, ऑफिस से कुर्सी टेबल का हटना और फ़र्श पर दरी का बिछ जाना, वगैरह. उस दिन दीदी और भैया तो पिंजरे से मुक्त हुए पंछी की तरह वहां से फुर्र हो जाते, लेकिन मैं वहीं रुक जाता. मोहन भैया के पूछने पर जवाब देता, "हमहूं कविता सुनबइ!"

मोहन भैया इसके लिये मुझे कभी मना नहीं करते. वे बगल के रामनाथ होटल से मेरे लिये समोसे मंगवा देते. जब तक मैं समोसे कुतरता तब तक कवियों की जुटान शुरू हो जाती. गोष्ठी शुरू होने के साथ ही मैं जाकर चुपचाप कामेश भैया के पास बैठ जाता. जब कोई भी कवि कविता सुना रहे होते और उनकी कविता पर "वाह या क्या खूब" के स्वर कानों में पड़ते, तब मुझे यही लगता कि संसार में कवि- कर्म ही सबसे महान कर्म होता है, जिसकी एक-एक पंक्ति पर वाहवाही हुआ करती है. और तभी से मैंने ठान लिया था कि भविष्य में मैं भी कवि ही बनूंगा.

शुरुआती रचनाओं में रूमानियत

इस प्रकार मन में कवि बनने का बीजारोपण तो उसी समय से हो गया था और समय के अंतराल में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते मैंने कुछ तुकबन्दियां भी शुरू कर दी थीं. हालांकि वह तुकबन्दियां महज़ तुकबन्दियां तक ही सीमित थीं, जिनपर किशोरावस्था की रूमानियत का असर ज़्यादा था. जैसे---

'आंखों से पिला दे ऐ साकी, मदहोश मुझे हो जाने दे,
मुस्का कर ज़िन्दगी दी मुझको,
अब बांहों में मर जाने दे दी !
सदियों से है प्यासा दिल का कमल, मुरझाया सा वीराने में,
इक प्यार की सरिता बहने दे, और दिल की कली खिल जाने दे !

यानी, ऐसी ही तुकबन्दियां. हां, कभी-कभार किसी खास मनःस्थिति में कुछ गम्भीर सी तुकबन्दियां भी हो जाया करतीं.

पहली रचना का प्रकाशन

एक दिन की घटना है कि हमारे घर पर श्री राम इकबाल सिंह विनीत जी का आगमन हुआ. वे पटना से प्रकाशित होने वाले एक साप्ताहिक पत्र "हुंकार" के सम्पादक हुआ करते थे. वैसे, महीने- दो महीने में अक्सर उनका मेरे घर आना- जाना होता ही रहता था (ये वही विनीत जी थे, जो बाद में चलकर रांची से प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार में साहित्य-सम्पादक बने) . वे कामेश भैया के घनिष्ट मित्रों में थे. जब भी आते, एक रात हमारे यहां ज़रूर ठहरते. मैं उन्हें विनीत भैया पुकारा करता था. लेकिन उस दिन का उनका आगमन मेरे लिये कुछ खास रहा. पता नहीं कैसे उन्होंने मुझसे पूछ लिया, "रतन ! तुम कामेश दीपक के भाई हो, तो तुम भी कुछ लिखते-उखते हो या ..."

मेरे मुंह से निकल गया, "जी , वइसहीं थोड़ा- बहुत."

"अच्छा, सुनाओ तो एकाध कविता."

मैंने जाकर अपनी वह कॉपी, जिसमें कुछ-कुछ लिखा करता था, ले आकर उन्हें थमा दी थी और वहां से हट गया था. वे समझ गए थे कि सुना पाने में शायद मैं संकोच कर रहा था.

थोड़ी देर बाद उन्होंने मुझे आवाज़ लगायी और मेरे आने पर बोले, "तुम्हारी सारी कविताएं पढ़ गया. छंदों पर तुम्हारी अच्छी पकड़ है. अच्छा, यह "पहचान" कविता उतार कर मुझे दे दो." मैंने वैसा ही किया.

कुछ दिनों बाद भाभी को भेजकर भैया ने मुझे अपने पास बुलवाया और पूछा, ₹ "तुमने कविता लिखनी कब शुरू की?" मैं अवाक -- भैया को कैसे पता चला?

दरअसल हम तीनों भाई-बहन भैया का, उनसे भयभीत रहने की हद तक लिहाज़ करते थे. हालांकि उन्होंने कभी हमें डांटा तक नहीं था. बस, वे गम्भीर ही इतने रहते थे कि हमें उनकी उपस्थिति में उनके पास खड़े रहने तक का साहस नहीं होता था. सो, चुपचाप सर झुकाये निरुत्तर सा उनके समक्ष खड़ा रह गया था.

फिर उन्होंने "हुंकार" साप्ताहिक की प्रति मेरी ओर बढ़ाते हुए कहा, "लो, तुम्हारी कविता छपी है. अच्छी कविता है. लेकिन अभी अपनी पढ़ाई- लिखाई पर ध्यान दो. कुछ बन जाओ, फिर जो चाहो, करते रहना. ठीक है, जाओ."

उस दिन तो जैसे मुझे दुनिया भर की सारी खुशियां मिल गयी हों, बाहर वाले कमरे में बैठकर, जाने कितनी बार मैं अपनी उस कविता को लगातार पढ़ता रहा था. मन में सिर्फ एक ही बात-यानी, मेरी कविता भी छप सकती है.

भाड़े पर पढ़े गए उपन्यास

लेखन के साथ-साथ कुछ साहित्य पढ़ने की भी रुचि मुझमें घर करती जा रही थी. पत्रिकाएं ख़रीद पाने का सामर्थ्य तो था नहीं, सो एस. के. क़माल की उपन्यासों की दुकान थी, जहां एक आना रोजाना के किराये पर उपन्यास उपलब्ध कराये जाते थे, वहीं से जेबखर्च के पैसे बचाकर उपन्यास लेकर पढ़ा करता. वह भी भैया से छुप- छुपाकर. उसी क्रम में मैंने इब्ने सफी, गुलशन नन्दा, प्यारे लाल आवारा आदि कई उपन्यासकारों के उपन्यास पढ़ डाले थे, जिसका असर यह पड़ा मुझपर कि एक मोटा सा फूहड़ उपन्यास भी रच डाला मैंने, जिसका शीर्षक रखा-प्यार और शराब.

मसूरी का साथी सुधीर गैरोला

ख़ैर, तो जीवन इसी रफ्तार में खिसकता जा रहा था. उन दिनों समाज में इतनी सारी घटनाएं होती थीं, इधर-उधर अनुभवों का ढेर सारा ज़खीरा सा बिखरा पड़ा होता था, जिन्हें महसूस कर कभी आहत भी होता और कभी आह्लादित भी. मुझे पता भी नहीं चला और वे सारे अनुभव, जाने कैसे मेरे अवचेतन मन में संचित होते चले गये. समय गुज़रता गया. पढ़ाई खत्म हुई, फिर नौकरी मिली, शादी हुई, एक पुत्र का पिता बना, कुछ दिनों बाद नौकरी चली गयी, फिर दौर शुरू हुआ संघर्ष का. कुछ दिनों की बेरोजगारी और उसके बाद अवसर मिलने के साथ ही मसूरी प्रस्थान. वहां "भारत लाइम स्टोन" कम्पनी में मैनेजर के पद पर पदस्थापित हो गया. उस बीच कविता-वविता, सब पीछे छूट गयी...

आम तौर पर देखा यह गया है कि कोई इंसान चाहे कहीं भी चला जाय, उसकी संगति उसकी प्रकृति के लोगों के साथ ही हुआ करती है. जैसे कोई अपराधी किस्म के व्यक्ति की मित्रता अपराधी के साथ, किसी साधु की मित्रता साधु के साथ...

तो उसी तर्ज़ पर मसूरी में मेरी मुलाक़ात डिग्री कॉलेज में हिन्दी से पी.जी. कर रहे एक युवक सुधीर गैरोला से हुई. वह एक अच्छा कवि था और "अलीक" नामक साहित्यिक संस्था का संस्थापक भी, जिस संस्था में नियमित कवि-गोष्ठियां आयोजित हुआ करती थीं. सुधीर से मेरी मित्रता इतनी प्रगाढ़ होती चली गयी कि 1975 के बाद से अब तक बनी हुई है. तो मैं भी वहां की गोष्ठियों में शामिल होने लगा. लेकिन महज़ एक श्रोता की हैसियत से. इसलिये कि वहां के कवियों की रचनाओं की ऊंचाई की तुलना में ख़ुद को मैं बहुत बौना महसूस करता था. वहां मसूरी में ही समझ आया कि कविता मुक्त छंद की भी हो सकती है.

मेरा मसूरी प्रवास अधिक दिनों तक नहीं रह पाया. जनवरी 1975 में मैंने भारत लाइम स्टोन कम्पनी में कार्यभार संभाला था, 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा हो गयी. बावजूद इसके, मेरा काम सुचारू रूप से ही चलता रहा. लेकिन 1976 आते-आते कम्पनी का काम धीमा होने लगा. देश भर में एक दहशत का माहौल था, जिसका असर ट्रकों के परिचालन पर पड़ने लगा. लाइम स्टोन का विभिन्न कम्पनियों में निर्यात ठप सा पड़ गया. इसका असर हमारे वेतन पर पड़ने लगा. अंततः नौकरी छोड़नी पड़ी और मुझे पुनः दरभंगा लौट आना पड़ा. वैसे तो वहां से अनेक सारे अनुभव अपने अवचेतन मन में संचित करके लौटा था, लेकिन जो सबसे बड़ी उपलब्धि रही, वह थी सुधीर गैरोला से मित्रता. उन दिनों तो वह छात्र ही था, लेकिन बाद में चलकर उसी डिग्री कॉलेज, मसूरी में हिन्दी का प्राध्यापक बना, जहां से उसने पढ़ाई की थी.

हजारीबाग ने निखारा साहित्यिक व्यक्तित्व

मसूरी से लौटा, तब भैया कामेश दीपक की, आपातकाल के विरुद्ध सक्रियता एक अलग ही अंदाज़ में देखने को मिली- आये दिन आपातकाल के विरुद्ध आयोजित होने वाले नुक्कड़ कवि सम्मेलनों में शिरक़त, दोहे- नारे लिखकर दीवारों पर लिखवाना आदि...

मैं दरभंगा लौट तो आया था, पर वहां मेरे लिये रोजगार का कोई अवसर नहीं था, इसलिये मेरी प्राथमिकता रोजगार के अवसर तलाशने में थी. आख़िर 1978 में मुझे हज़ारीबाग आ जाना पड़ा. सही अर्थों में मेरी रचनात्मक प्रतिभा को निखरने का अवसर मुझे हज़ारीबाग में ही मिला, जब मेरी मुलाकात भारत यायावर, कवि प्राणेश कुमार, कवि-सम्पादक शम्भु बादल, कथाकार सुनील सिंह, कवि शंकर ताम्बी, कवि प्रो. शिवदयाल सिंह शिवगीत आदि से हुई.

हुआ यों कि जब मैं 1980 तक हज़ारीबाग में पूरी तरह व्यवस्थित हो गया, तब मेरे आग्रह पर कामेश भैया का सपरिवार आगमन हज़ारीबाग में हुआ. उस समय तक मैं हज़ारीबाग के साहित्यिक माहौल से अपरिचित ही था। भैया को पता चला, या पूर्व से पता था कि हज़ारीबाग में भारत यायावर नामक कोई कवि भी हैं. बस, भैया ने उन्हें खोज निकाला. फिर तो रोज ही भारत यायावर का हमारे घर आना-जाना होने लगा. दोनों के बीच काव्य - पाठ के आदान-प्रदान, देर तक बहस-चर्चाओं का सिलसिला. अगर मैं फुर्सत में होता, तो मैं भी उनके पास ही बैठकर उनके काव्य-पाठ या बातचीत का श्रोता बना रहता.

हज़ारीबाग में भारत यायावर और प्राणेश कुमार के संयोजन में सम्भावना संगोष्ठी नामक एक साहित्यिक संस्था भी स्थापित थी, जो रमणिका गुप्ता के आवासीय बैठक हॉल में संचालित हुआ करती थी. वहां प्रत्येक रविवार को कवि गोष्ठी का आयोजन होता था. उन गोष्ठियों में, जब तक भैया हज़ारीबाग में रहे, नियमित शिरक़त करते रहे. किसी किसी रविवार को वहां मेरी भी उपस्थिति होने लगी.

कोई महीने भर हमारे पास रहने के बाद भैया तो दरभंगा लौट गये, लेकिन अपने लौटने के पूर्व भारत यायावर और हज़ारीबाग का साहित्यिक माहौल आशीर्वाद -स्वरूप मुझे सौंप गये. अब, जब भी मैं फुर्सत में होता, भारत यायावर के सान्निध्य में ही मेरा समय व्यतीत होता. वे मेरे घर आ जाते, वहां से हम दोनों मुद्रक प्रेस पहुंचते, जहां प्राणेश कुमार से भेंट होती, फिर कवि शंकर ताम्बी के पास... इस तरह देर रात्रि तक हम आपस में बतियाते हुए शहर भ्रमण करते रहते. यानी हज़ारीबाग के साहित्यिक माहौल में मैं पूरी तरह घुल मिल गया था. ख़ुद को कवि तो नहीं मानता था, पर गोष्ठियों में कुछ तुकबन्दियां भी सुना दिया करता. गोष्ठियों में मैं महसूस करता कि वहां छंदोबद्ध रचनाओं को कुछ खास महत्व नहीं दिया जाता था. हालांकि प्रसिद्ध शायर ज़हीर ग़ाज़ीपुरी, जो अधिकांश गज़लें, नज़्म, दोहे आदि लिखा करते थे या शंकर ताम्बी, जो गज़लें और गीत लिखा करते थे या फिर प्राणेश कुमार ही, जो छंदमुक्त कविताओं के अलावा ग़ज़ल और गीत भी लिखा करते थे, गीतकार राम नरेश पाठक, इन सभी को गोष्ठियों में अच्छी प्रतिष्ठा मिला करती थी. पसंद मेरी छंदोबद्ध कविताओं को भी किया जाता था, पर थोड़े हल्के तौर पर. कारण शायद यह भी था कि मैं अधिकांशतः रूमानी कविताएं लिखा करता था , जबकि बाकी के कविगण की रचनाएं जनवादी हुआ करती थीं. ख़ैर, जनवादी कवियों के प्रभाव में कुछ छंदमुक्त कविताओं की रचना मुझसे भी हो गयी, जिनका "यात्रा में" शीर्षक से प्राणेश कुमार के प्रोत्साहन पर संग्रह भी प्रकाशित करवा लिया मैंने. मेरी छिटपुट गीत-गज़लें विभिन्न लघु-पत्रिकाओं में प्रकाशित भी होने लगीं. पत्रिकाओं के पते मुझे प्राणेश कुमार और भारत यायावर ही उपलब्ध करवाते. **(क्रमशः)**

परिचय

नामः रतन वर्मा
जन्मतिथिः 06 . 01 . 1951
मूल निवासी : दरभंगा (बिहार)

प्रकाशन पत्र- पत्रिकाओं में :
हंस, धर्मयुग, इंडिया टुडे, सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय, इंद्रप्रस्थ भारती, अभिधा, प्रसंग एवं अनेक पत्र – पत्रिकाओं में लगभग 200 से अधिक कहानियां प्रकाशित, इनके अतिरिक्त छः लघु–उपन्यास, अनेक आलेख, कविताएं, गज़लें, गीत, संस्मरण आदि प्रकाशित.

किताबें : यात्रा में (कविता–संग्रह) ; दस्तक, पेईंग गेस्ट, नेटुआ एवं बबूल (सभी कथा–संग्रह) ; रुक्मिणी, बादल को छँटना ही है, सपना, नेटुआ करम बड़ा दुखदायी, चाँदनी रात की गज़ल एवं रसरंग अंगना (सभी उपन्यास) ; श्रवण कुमार गोस्वामी और उनके उपन्यास (आलोचना पुस्तक) एवं भूख, भूख और भूख (लघु – उपन्यास संग्रह) .

पुरस्कार एवं सम्मान : "वर्तमान साहित्य" द्वारा आयोजित "कृष्ण प्रताप स्मृति कहानी प्रतियोगिता" में "गुलबिया" कहानी को प्रथम पुरस्कार (1989)
नाट्यभूमि सम्मान (1991)
'आनन्द डाइजेस्ट ' द्वारा आयोजित आंचलिक कहानी प्रतियोगिता में ' सबसे कमज़ोर जात ' कहानी को प्रथम पुरस्कार (1991)
' नेटुआ ' नाटक ' साहित्य कला परिषद, दिल्ली ' द्वारा दशक के सर्वश्रेष्ठ छः नाटकों में प्रथम -- 1992 (इस में मुख्य भूमिका आज के प्रख्यात फ़िल्म अभिनेता मनोज बाजपेयी ने निभाई थी)
' दस्तक ' कहानी पर ' अवसर सम्मान ' , पटना (1994)
समग्र साहित्य पर ' राधाकृष्ण पुरस्कार ' (2003)
' निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन, नई दिल्ली ' द्वारा विशिष्ट कथाकार पुरस्कार (2004)
समग्र साहित्य पर ' त्रिवेणी कान्त ठाकुर साहित्य सम्मान ' (2021)
बनारसी प्रसाद भोजपुरी पुरस्कार (2022)

विशेष : टीवी धारावाहिक ' कुछ नया सा (13 कड़ी) का कथा –पटकथा लेखन, जिसका प्रसारण डीडी –1से हुआ (1997)
' नेटुआ ' नाटक का 8 वें ओलंपियाड में चयन एवं मंचन (2020) .

सम्प्रति : स्वतंत्र लेखन

जीवन के नवरस की फुहार है – ठलुआ चिन्तन

मधुर कुलश्रेष्ठ

सामाजिक परिवेश में सामान्यतः ठलुआ को नकारात्मक अर्थों में ही लिया जाता है. प्रचलित कहावत में भी ठलुआ दिमाग यानी खाली दिमाग को शैतान का घर कहा जाता है. ठलुआ का शाब्दिक अर्थ भी निठल्ला होता है, निठल्ला यानी जिस पर कोई काम-धाम नहीं होता है. पर जिस प्रकार हर सिक्के का दूसरा पहलू भी होता है, उसी प्रकार खाली दिमाग अर्थात ठलुआपन के दूसरे पहलू में कल्पनाशीलता का ऐसा प्रवाह होता है कि छोटे- से- छोटे घटनाक्रम या छोटी- सी- छोटी हरकत पर मन एकाग्र होकर नए-नए विचारों, नए-नए ख्यालों की उड़ान भरने लगता है, जिससे अद्भुत रचना जन्म लेती है. हमारे मन में ठलुआ शब्द सुनकर एक ओर जहां खीझ उत्पन्न होती है वहीं दूसरी ओर मन के किसी कोने में कुछ गुदगुदी सी भी होने लगती है. मुंशी प्रेमचंद ने भी इस ठलुआपन के दूसरे पहलू के महत्व को समझा और "ठलुआ क्लब" कहानी लिखी थी. प्रसिद्ध साहित्यकार, निबंधकार और व्यंग्यकार बाबू गुलाबराय ने भी सामाजिक प्रश्नों और जटिल समस्याओं की विनोद-पूर्ण शैली में आलोचना कर हास्य रस की एक अपूर्व पुस्तक 'ठलुआ-क्लब' लिख डाली थी. 'ठलुआ-क्लब' का प्रत्येक व्याख्यान एक ठलुए की आत्मकथा है. अंग्रेजी के सबसे बड़े हास्य-रस के लेखक चार्ल्स डिकिंस ने 'पिकविक पेपर्स' नाम की एक हास्य-कथा लिखी थी. राम नगीना मौर्य जी ने भी ठलुआ समय की नकारात्मक शक्तियों को परास्त कर ठलुआ समय के सकारात्मक चिंतन में हास्य तथा विनोदपूर्ण ताजगी को महसूस किया और "ठलुआ चिंतन" के रूप में मन को प्रफुल्लित कर देने वाली रचनाओं को पाठकों के समक्ष गुदगुदाने के लिये प्रस्तुत कर दिया, ताकि जिंदगी की जटिलताओं के बीच पाठक कुछ पल सुकून के महसूस कर सके.

सरकारी दफ्तरों, विभिन्न मंत्रालयों की आन-बान-शान होती हैं मीटिंग्स. काम हो या न हो पर उसकी समीक्षा के लिए नियमित मीटिंग जरूर होनी चाहिए. उच्च अफसर व मंत्री कामकाजी दिन में भले ही अपने चैंबर में खर्राटे मारकर या फील्ड विजिट की आड़ लेकर समय काटते हों पर छुट्टी के दिन मीटिंग करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार होता है.

"शायद आपको मालूम नहीं है कि ऐसी हाईलेवल मीटिंग्स के लिए छुट्टी या ऑफीशियल डे कोई मायने नहीं रखते. बल्कि देर तक चलने वाली ऐसी मीटिंग्स अमूमन छुट्टियों के दिन ही रखी जाती हैं." (पेज 17)

उस पर ₹हाईलेवल मीटिंग₹ तो सोने पर सुहाता है. कुछ विभागाध्यक्ष इसी बहाने घूमने-फिरने की जुगाड़ कर लेते हैं. वहीं कुछ विभागाध्यक्ष छुट्टी मनाने व मीटिंग की प्रताड़ना से बचने के लिए पतली गली से निकलने की जुगाड़ में अपने मातहतों को चने के झाड़ पर चढ़ाकर या झाड़ का काढ़ा पिलाकर अपनी बला उनके सिर पर टाल देते हैं. "ठलुआ चिंतन" का पहला चिंतन

"हाईलेवल मीटिंग" कार्यालयों की कार्यप्रणाली व बैठकों की ठलुआगीरी पर जबरदस्त कटाक्ष है.

"हां, बस्स इतना ध्यान रखिएगा, यदि अध्यक्ष महोदय कुछ पूछें तो प्रत्युत्तर में जवाब कॉन्फिडेंटली दीजिएगा, जैसे... 'दिखवा लेंगे सर..., आपकी चिट्ठी कल ही मिली है सर..., उसी पर जोर-शोर से काम चल रहा है, वगैरह-वगैरह." (पेज 19)

गलियों व सड़कों यहां तक भारी-भरकम टोल-टैक्स वाले हाई वे तथा एक्सप्रेस वे तक पर गड्ढे पाए जाना देश की संस्कृति तथा घूसखोरी की चिकनी राहों पर चलने वाले नौकरशाहों व नेताओं के कानों की ठेक राष्ट्रीय बीमारी बन गई है. ठलुआगीरी का "गड्ढा" चिंतन इन्हीं गड्ढों से उत्पन्न परेशानियों व चोटिल हुए लोगों व लोगों की मसखरियों का बढ़िया आख्यान है.

"भाई साहब, चिंता न करें. जिस तरह मुख्य मार्ग से इस कॉलोनी की गली में मुड़ते ही मुहाने पर बारोमासी टूटा हुआ सीवर एक लैंडमार्क की तरह है, उसी तरह यह गड्ढा भी आपके घर तक पहुंचने का सटीक दिशासूचक है." (पेज 67)

मौर्य जी स्वयं बड़े अधिकारी हैं. इसलिए कार्यालयीय कार्य प्रणाली व कर्मचारियों की कार्य पद्धति 'नो वर्क, नो रिस्क" से भली-भांति परिचित हैं. "गुरु-मंत्र" में वरिष्ठ सहकर्मी सज्जन बाबू के रिटायरमेंट पर सफल सेवा के गुरु-मंत्र या कहा जाए गुरु-घंटाले का ठलुआ चिंतन है.

"बस्स, इतना ध्यान रखिए, किसी काम में अति उत्साह मत दिखाइए. अन्यथा यह कालांतर में भारी पड़ सकता है. येन-केन-प्रकारेण अपने बॉस की हां- में- हां मिलाते रहिए. आप जो हों, वह दिखें नहीं, जो दिखें, वो हों न." (पेज 109)

मौर्य जी ने अपने आस-पास की बेतरतीब घटनाओं, प्रसंगों, पात्रों को तरतीब से अपनी पुस्तक "ठलुआ चिंतन" में रचा है कि लोग कुछ पल तो खुलकर हंसें जिससे डॉक्टर के यहां जाने से बचें. इनमें आम प्रचलन की बोली-बानी होने से मर्म पाठकों के दिल में सीधे उतर जाता है. लखनउआ व कनपुरिया शब्दों का प्रयोग तथा ठेठ लहजे का छौंक मन को उल्लसित-हुलसित कर देता है. अशोक भौमिक द्वारा चित्रित पुस्तक आवरण विषयानुकूल है.

पुस्तक – ठलुआ चिंतन (कुछ रम्य, कुछ हास्य, कुछ व्यंग्य)
कथाकार – राम नगीना मौर्य
प्रकाशक – रश्मि प्रकाशन लखनऊ
प्रथम संस्करण – 2024
मूल्य – 300 रुपए , पेज – 188

शंकरानंद की कविताएं

शंकरानंद

खबर नहीं

दूर तक खाली पड़े हैं खेत
जैसे किसी उत्सव के बाद
पंडाल उजाड़ लगता है.

कहीं फसलें कट चुकी हैं
कहीं काटी जा रही हैं
उन्हें हटाने की जल्दी में बहता है पसीना

मौसम का कोई भरोसा नहीं
कभी धूप रहती है सुबह
दोपहर तक बादल घेर लेते हैं आसमान
शाम तक बारिश में भीगता है समय.

अभी सड़क पर पसरा
मकई का दाना भीग गया
उसे सूखने के लिए धूप चाहिए अब
सबकुछ बिखरा हुआ है
दाने, खेत, खलिहान, किसान, सब

जो लोग बाजार में बैठे दानों के भाव तय कर रहे
उन्हें इसकी रत्ती भर खबर नहीं.

बोलने की प्रतीक्षा

सब जिसकी ओर उम्मीद से देख रहे हैं कि
अब बोलेगा
वह न जाने कब से मौन है
उसकी चुप्पी बताती है कि
आवाज भी अब नहीं रही उसकी
वह भी किसी महाजन के यहां बंधक है!

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

शिखर धवन को साथी खिलाड़ी गब्बर नाम से पुकारते थे. ये उपनाम धवन को घरेलू मैच के दौरान दिल्ली के उनके साथियों ने दिया था

शिखर धवन ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

गब्बर ने क्रिकेट को कहा अलविदा, दिया भावुक संदेश

मेरे दिल में सुकून है कि देश के लिए बहुत खेला

भाषा। नयी दिल्ली

- आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है, बस ऐसा ही करने जा रहा हूं
- जांघ पर ताली बजाकर जश्न मनाने को अपना ट्रेडमार्क बना लिया था

भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है. दो साल पहले देश के लिए अपना अंतिम मैच खेलने वाले इस वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह तीनों प्रारूपों में देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद एक संतुष्ट इंसान के तौर पर इस खेल को अलविदा कह रहे हैं. इस 38 साल के खिलाड़ी ने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में एकदिवसीय मैच के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को शुरू किया था. उन्होंने देश के लिए अपना आखिरी मैच 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला. धवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मैं अपनी क्रिकेट यात्रा का यह अध्याय समाप्त कर रहा हूं लेकिन मेरे साथ अनगिनत यादें हैं और मैं बहुत आभारी हूं. प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद. जय हिंद. उन्होंने इस पोस्ट के जारी वीडियो में कहा, नमस्कार सभी को, आज मैं एक ऐसे मोड़ पर खड़ा हूं जहां से पीछे देखने पर सिर्फ यादें ही नजर आती हैं और आगे देखने पर पूरी दुनिया. मेरी हमेशा से सिर्फ एक ही मंजिल थी भारत के लिए खेलना और वो हुआ भी जिसके लिए मैं कई लोगों का शुक्रगुजार हूं.

उन्होंने कहा, वो कहते हैं ना कहानी में आगे बढ़ने के लिए पन्ने पलटना जरूरी है, बस मैं भी ऐसा ही करने जा रहा हूं. मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं. और अब जब मैं अपनी क्रिकेट यात्रा को अलविदा कर रहा हूं तो मेरे दिल में सुकून है कि मैं अपने देश के लिए बहुत खेला. धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले हैं. धवन का क्रिकेट सोनेट क्लब में परवान चढ़ा और पश्चिम दिल्ली के इस खिलाड़ी को मैदान पर हर परिस्थिति में संघर्ष करने वाले क्रिकेट के तौर पर जाना जाता है. धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय में भाग लिया.

निजी जीवन उथल-पुथल रहा

धवन का निजी जीवन विवादों से भरा रहा है. उनका पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक भी हो चुका है. शिखर धवन और आयशा की मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी. दोनों को मिलाने का काम टीम इंडिया के अनुभवी गेंदबाज हरभजन सिंह ने किया था. शिखर धवन से आयशा 10 साल बड़ी थीं, लेकिन लोग कहते हैं न मोहब्बत में उम्र की सीमा नहीं देखी जाती, जिसकी मिसाल शिखर ने पेश की. शिखर धवन और आयशा मुखर्जी ने साल 2009 में सगाई की और साल 2012 में दोनों ने शादी कर ली. यह आयशा मुखर्जी की दूसरी शादी थी. पहली शादी से उन्हें दो बेटियां हैं. 2014 में आयशा ने धवन के बेटे जोरावर को जन्म दिया था. धवन और आयशा नौ साल तक साथ रहने के बाद अलग-अलग हो गए. अब कानूनी तौर पर दोनों का तलाक हो चुका है. वैसे धवन की पत्नी आयशा मुखर्जी का जन्म भारत में हुआ है, लेकिन वह बाद में ऑस्ट्रेलिया की ओर रुख कर गईं. आयशा एक किकबॉक्सर हैं. उनके पिता बंगाली और मां ब्रिटेन की हैं.

क्यों हुआ तलाक?

शिखर धवन और **आयशा मुखर्जी** की शादी टूटने से पहले इन दोनों के बीच अनबन की खबरें आती रहीं. एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दोनों ने अलग होने की बात कही थी. दोनों के तलाक की वजह आयशा की पहली शादी थी. उन्होंने अपने पहले पति से वादा किया था कि वह बेटियों का ध्यान रखेंगी और ऑस्ट्रेलिया नहीं छोड़ेंगी. वहीं, धवन से उन्होंने कहा कि उनके साथ रहेंगी. शादी के बाद वह बेटे जोरावर और दोनों बेटियों के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहती थीं. इसी वजह से दोनों के बीच अनबन हुई. आयशा ने कोर्ट में कहा कि वह वास्तव में उनके साथ भारत में रहना चाहती थीं. हालांकि, अपनी पिछली शादी से अपनी बेटियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया में रहना पड़ा, वह भारत में रहने के लिए नहीं आ सकीं

पुराने साथियों को किया याद

धवन उन लोगों को धन्यवाद देना नहीं भूले जिन्होंने भारतीय बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर रोहित शर्मा के साथ बेहतरीन साझेदारी करके उन्हें महान खिलाड़ी बनने में मदद की. उन्होंने कहा, मेरे मन में हमेशा एक लक्ष्य था कि भारत के लिए खेलना और मैंने इसे कई लोगों की बदौलत हासिल किया. सबसे पहले मेरे परिवार, मेरे बचपन के कोच तारक सिन्हा और मदन शर्मा, उनके मार्गदर्शन में मैंने क्रिकेट सीखा. उन्होंने कहा, फिर मेरी पूरी टीम, जिसके साथ मैंने वर्षों तक खेला, इस दौरान मुझे एक और परिवार, प्रसिद्धि और सभी का प्यार और समर्थन मिला. धवन आईपीएल के महान खिलाड़ियों में शामिल हैं. उन्होंने इस लीग में 222 मैचों में 6769 रन बनाये. इसमें दो शतक और 51 अर्धशतक शामिल हैं. टूर्नामेंट में उनके 768 चौके किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक हैं. वह इसमें लगातार दो मैचों में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं. वह 2016 सत्र में खिताब जीतने वाली सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा थे. वह दिल्ली, मुंबई और पंजाब की फ्रेंचाइजी टीमें लिए भी खेल चुके हैं. इनमें से उन्होंने विभिन्न चरणों में दिल्ली और पंजाब की फ्रेंचाइजी कप्तानी भी की है.

टीम से बाहर होना पड़ा

वनडे में 44.11 की औसत से 6,793 रन बनाए

शिखर धवन ने 50 ओवर के प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 44.11 की औसत से

6,793 रन बनाए. उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 40.61 की औसत और सात शतक की मदद से 2,315 रन बनाए. धवन ने कहा, मैं बहुत शुक्रगुजार हूं, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और डीडीसीए (दिल्ली व जिला क्रिकेट संघ) का, जिन्होंने मुझे मौका दिया और सारे फैन्स का जिन्होंने मुझे इतना सारा प्यार दिया. मैं खुद से यही बात कहता हूं कि तू इस बात से दुखी मत हो कि तू अपने देश के लिए फिर नहीं खेलेगा, पर इस बात की खुशी अपने पास रख कि तू देश के लिए खेला और यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है. दिल्ली में जन्मे इस बल्लेबाज ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की यादगार शुरुआत नहीं की और दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए थे. धवन ने शुरुआती संघर्षों के बाद, 2013 में भारतीय टीम में वापसी की और इंग्लैंड में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के विजयी अभियान में प्लेयर-ऑफ-द-टूर्नामेंट बनने सहित कुछ बेहतरीन प्रदर्शन के साथ तीनों प्रारूपों की टीम में अपनी जगह पक्की कर ली. उनके शानदार करियर का एक मुख्य आकर्षण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट पदार्पण पर मोहाली में खेली गयी 185 रन की शानदार पारी थी, जिसमें उन्होंने केवल 85 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था. धवन हालांकि अपने पहले टेस्ट मैच में भाग्य ने साथ दिया था और उन्होंने शतकीय पारी खेली थी.

प्यार से इन्हें गब्बर भी पुकारा जाता था

शिखर धवन को साथी खिलाड़ी गब्बर नाम से पुकारते थे. ये उपनाम धवन को घरेलू मैच के दौरान दिल्ली के उनके साथियों ने दिया था. उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और मैदान पर निडर रवैये ने उनके साथियों को गब्बर सिंह के दबदबे की याद दिलाती थी. यह नाम लोगों के दिलों में बस गया और धवन के क्रिकेट के कारनामे सिनेमाई आइकन के बड़े व्यक्तित्व से मिलते-जुलते रहे. रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के लिए खेलते हुए, धवन अपने उग्र रवैये और विपक्ष को स्लेजिंग करने की आदत के लिए जाने जाते थे. एक खास मैच के दौरान, सिली पॉइंट पर खड़े होकर, धवन लगातार कमेंट्री करते रहे और विपक्षी बल्लेबाजों पर मजाकिया कटाक्ष करते रहे. इन कटाक्षों में अक्सर बहुत याराना है.. सूअर के बच्चों... का वाक्य शामिल होता था. भारतीय क्रिकेट के गब्बर ने जांघ पर ताली बजाकर जश्न मनाने को अपना ट्रेडमार्क बना लिया था.

क्रिकेट जगत ने धवन के करियर के कसीदे गढ़े

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की, जिसके बाद क्रिकेट जगत ने उनके सकारात्मक रवैये और टीम भावना की सराहना की जबकि भावुक प्रशंसकों को उनके मैदान पर जश्न मनाने के अनोखे तरीके की कमी खलेगी. मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली के युग के बाद शीर्ष क्रम टीम को शानदार योगदान देने वाले धवन ने देश के लिए अपना आखिरी एकदिवसीय मैच दो साल पहले खेला था. उन्होंने अपने करियर मे भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले. धवन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम में सहवाग की जगह ली थी और नजफगढ़ का नवाब 'एक्स' पर उन्हें सबसे पहले बधाई देने वालों में शामिल था. सहवाग ने लिखा, बधाई हो शिखर. जब से आपने मोहाली में मेरी जगह ली, आपने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पिछले कुछ वर्षों में कुछ शानदार प्रदर्शन किये. आप मौज-मस्ती करते रहें और जिंदगी को पूरी तरह से जिएं. आपको हमेशा के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं.

शुक्रिया गब्बर

भारतीय टीम के उनके पूर्व साथी और वर्तमान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी उन्हें संन्यास लेने पर बधाई दी. गंभीर ने लिखा, शानदार करियर के लिए बधाई शिखर. मुझे पता है कि आप भविष्य में जो कुछ भी करेंगे उसके जरिए वही खुशी फैलाएंगे. भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और श्रेयस अय्यर ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं. हार्दिक पंड्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, आपके लिए सिर्फ शुभकामनाएं शिखर पा. शानदार करियर के लिए बधाई. श्रेयस ने धवन को टैग करते हुए लिखा, बधाई हो शिखर पा. भविष्य में आपके साथ जो भी हो उसके लिए शुभकामनाएं. भारत के पूर्व महान स्पिनर और कोच अनिल कुंबले ने लिखा, शानदार करियर के लिए बधाई, शिखर धवन, आपको अगले अध्याय के लिए शुभकामनाएं. आपका संन्यास का जीवन शुभ हो. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी बाएं हाथ के बल्लेबाज को बधाई देते हुए लिखा, शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं, हम उन्हें आगे के लिए शुभकामनाएं देते हैं. वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि धवन न सिर्फ एक महान क्रिकेटर रहे है बल्कि मैदान के बाहर भी एक अच्छे इंसान है.

उन्होंने लिखा, शानदार करियर के लिए शिखर को बहुत-बहुत बधाई. मुझे शिखर के बारे में जो बात सबसे अच्छी लगी, वह यह थी कि वह एक शानदार क्रिकेटर है, इसके अलावा वह एक ऐसे व्यक्ति है जो हमेशा मिलनसार रहे हैं और हर स्थिति में सकारात्मक चीजों को देखते थे. आपको आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं. धवन 2004 में भारत की आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जीत में टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे. उन्होंने अपने खेल में लगातार प्रगति की और 2010 में एकदिवसीय में पदार्पण किया.

ब्रीफ खबरें

अंडर-17 टीम इंडोनेशिया की चुनौती के लिए तैयार

नयी दिल्ली। भारतीय पुरुष अंडर-17 फुटबॉल टीम रविवार और अगले मंगलवार को बाली में इंडोनेशिया के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलने के लिए तैयारी में जुटी है. शुक्रवार की रात को टीम ने स्थानीय टीम बाली यूनाइटेड एफसी अंडर-20 के खिलाफ अभ्यास मैच खेला जो 2-2 से ड्रॉ रहा. भारत के लिए मोहम्मद समी और मोहम्मद अरबाश ने गोल किए. कोच इश्फाक अहमद की भारतीय अंडर-17 टीम अगले महीने भूटान में होने वाली सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप और उसके बाद अक्टूबर में थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी में जुटी है. इंडोनेशिया जाने से पहले खिलाड़ी डेढ़ महीने से अधिक समय से श्रीनगर में ट्रेनिंग कर रहे थे. अहमद ने कहा, हमने कल के अभ्यास मैच में अपनी पूरी टीम को आजमाया और परखा.

सारा-विशाल ने मिश्रित युगल ओपन जीता

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष रैंकिंग की महिला खिलाड़ी सारा बर ने विशाल मसंद के साथ मिलकर यहां मॉनसून पिकलबॉल चैम्पियनशिप 2.0 का मिश्रित युगल ओपन खिताब जीता. फाइनल कड़ी टक्कर वाला मुकाबला रहा, जिसमें ईशा लखानी और जेसन टेलर ने दबदबा बनाया लेकिन अनुभवी खिलाड़ी सारा शुक्रवार रात को नतीजे में निर्णायक रहीं, जिन्होंने 2-0 से जीत दर्ज की. चैम्पियनशिप के चौथे दिन छह वर्गों में विजेता रहे.

एशियाड के लिए सर्फिंग का कोटा हासिल

भाषा। माले (मालदीव)

भारत ने जापान के एची नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए सर्फिंग स्पर्धा का अपना पहला कोटा यहां चल रही एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप के जरिये हासिल किया जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों ने क्वालीफाई कर लिया. एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप में सर्फरों द्वारा हासिल किये गये रैंकिंग अंक के आधार पर कोटा प्रदान किया गया. किशोर कुमार शनिवार को सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद कड़ी स्पर्धा में करीब से चूक गये, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका शानदार प्रदर्शन भारत को एशियाई खेलों का कोटा दिलाने के लिए काफी था. किशोर सेमीफाइनल की दूसरी हीट में 8.26 के स्कोर से तीसरे स्थान पर रहे.

इससे वह चीन के चेंगझेंग वांग से पीछे रहे जिन्होंने 10.00 के स्कोर से दूसरा स्थान और जापान के तारो तकाई ने 14.50 के स्कोर से पहला स्थान हासिल किया. एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप एशियाई खेलों की क्वालीफायर प्रतियोगिता है जिसमें आठ भारतीय सर्फर ने चार वर्गों में हिस्सा लिया. हरीश मुथु भी एशियाई सर्फिंग चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बने.

मनु के साथ ट्रेनिंग का ज्यादा मौका नहीं मिला

बेंगलुरू । मनु भाकर के साथ मिलकर भारत को मिश्रित निशानेबाजी स्पर्धा में पहला ओलंपिक दिलाने वाले सरबजोत सिंह ने शनिवार को कहा कि उन्हें अपनी स्पर्धा से पहले एक साथ ट्रेनिंग करने का बमुश्किल ही मौका मिला था. मनु और सरबजोत ने पेरिस ओलंपिक की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया. सरबजोत ने कहा, मेरी ट्रेनिंग नौ बजे होनी थी और उसकी 12 बजे. दोनों की ट्रेनिंग अलग-अलग. मिश्रित ट्रेनिंग सत्र 30 मिनट तक रहा, जिसके पहले वह अलग से ट्रेनिंग करती थीं और मैं अलग से. उन्होंने कहा, हमारी बातचीत आमतौर पर संक्षिप्त रही जिसमें बातें 'अपना शत प्रतिशत देना है' बस यहीं तक सीमित रहती.

बांग्लादेश को लीड, बना लिए 565 रन

एजेंसी। रावलपिंडी

रावलपिंडी में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. शनिवार को मैच का चौथा दिन रहा. पहली पारी में बांग्लादेश की टीम बढ़त हासिल करने में कामयाब रही है. पाकिस्तान ने पहली पारी में 448 रन बनाकर पारी घोषित की थी. बांग्लादेश ने इसके जवाब में अपनी पहली पारी में 565 बनाया और बढ़त हासिल की. दूसरी पारी में पाकिस्तान का पहला विकेट जल्दी गिर गया. बांग्लादेश को पहली पारी में बढ़ाने में मुशफिकुर रहीम का सबसे बड़ा योगदान रहा.

मुशफिकुर रहीम ने 341 गेंदों का सामना करते हुए 191 रन बनाए, हालांकि वह अपने दोहरे शतक से चूक गए. मुशफिकुर रहीम ने अपनी इस पारी में 22 चौके और 1 छक्का जड़ा. वहीं, शादमान इस्लाम ने भी शानदार 93 रन बनाए. मॉमिनुल हक और लिट्टन दास भी अर्धशतक जड़कर आउट हुए. पाकिस्तान की दूसरी पारी जारी है. मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था. ऐसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 6 विकेट के नुकसान पर 448 रन बनाए और पारी घोषित कर दी. पाकिस्तानी कप्तान शान मसूद का ये फैसला अब टीम को भारी पड़ रहा है.

पेरिस पैरालंपिक — खेलों में सफलता पाने के लिए निजी जीवन में बहुत त्याग किया

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एलवाई की निगाहें पदक पर

भाषा। नयी दिल्ली

पैरालंपिक खेलों के पिछले चरण में स्वर्ण पदक जीतने में असफल होने के बाद पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एलवाई की निगाहें पेरिस में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल करने पर टिकी हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह अपने परिवार के सदस्यों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने में सफल रहेंगे जिन्होंने काफी बलिदान किया है. सुहास पिछले तीन वर्षों से दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयारी में जुटे हैं. 2007 बैच के आईएएस अधिकारी सुहास ने टोक्यो पैरालंपिक

में एसएल-4 श्रेणी में रजत पदक जीता. उन्होंने कोविड काल के दौरान गौतमबुद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) के रूप में कार्य किया और प्रयागराज के डीएम भी रहे. अभी यह अर्जुना पुरस्कार विजेता उत्तर प्रदेश सरकार के एक विभाग युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक के रूप में तैनात हैं. लेकिन सुहास स्वीकार करते हैं कि उनकी यह यात्रा आसान नहीं रही. सुहास ने पेरिस में होने वाले पैरालंपिक खेलों से पहले पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, मैंने अपने निजी जीवन का बहुत त्याग किया है. मैंने अपना निजी जीवन खेलों को समर्पित कर दिया है. पिछले छह महीनों में अपनी नौकरी के अलावा मैं अपना काफी समय खेल को दे रहा हूं. आप जीवन में सब कुछ नहीं पा सकते, जब आप देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं तो हर किसी को चीजों को प्राथमिकता देनी होती है. आपको जो भी कर रहे हैं उसका आनंद लेना चाहिए. प्रक्रिया का आनंद लें. उन्होंने कहा, असल राज यही है कि आप जो करते हैं उसका आनंद लें. सुहास की शादी रितु सुहास से हुई है जो पीसीएस अधिकारी हैं और गाजियाबाद में एडीएम (प्रशासन) के पद पर तैनात हैं. उनकी बेटी सान्वी पांच साल की है और बेटा विवान दो साल का है.

सुहास ने कहा कि खेलों में उनकी सफलता के पीछे असली आधार उनके परिवार का समर्थन है. उन्होंने कहा, उनके (परिवार) समर्थन के बिना मैं आज जो हूं, वह नहीं होता. उन्होंने मुझे बैडमिंटन में अपने सपनों को पूरा करने से कभी नहीं रोका. उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया और मुझे अपने खेल में और अधिक ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित किया. सुहास इस समय अपनी श्रेणी में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी हैं और उनकी निगाहें स्वर्ण पदक जीतने पर लगी हैं लेकिन वह किसी भी तरह का दबाव लेने के मूड में नहीं हैं. उन्होंने कहा, अभी तक सब कुछ अच्छा चल रहा है, खेलों की तैयारी अच्छी है. लेकिन मैं कोई दबाव नहीं लेना चाहता. मैं आत्ममुग्ध नहीं हो सकता. मैं आगे बहुत अधिक नहीं सोचना चाहता.

पैरालंपिक के लिए भारतीय निशानेबाजी दल पेरिस रवाना

भाषा। नयी दिल्ली

पिस्टल निशानेबाज मनीष नरवाल ने आगामी पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजी दल के तोक्यो पैरालंपिक में पदक तालिका को पार करने पर भरोसा जताते हुए शनिवार को कहा कि 'कड़े' अभ्यास के बाद टीम अच्छी स्थिति में है.

राइफल निशानेबाज अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल और नरवाल सहित 10 सदस्यीय निशानेबाजी दल 30 अगस्त से पेरिस के पास शेटराउ में आयोजित होने वाले निशानेबाजी स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेगी. भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे. टोक्यो में 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) में स्वर्ण पदक जीतने वाले नरवाल ने शनिवार को टीम के रवाना होने से पहले कहा, हमारी तैयारियां अच्छी हैं और हम पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं. हमारा लक्ष्य अपने पिछले प्रदर्शन को पार करना और अधिक पदक घर लाना है. नरवाल पेरिस खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल में प्रतिस्पर्धा करेंगे. नरवाल, अवनी और मोना के अलावा टीम के अन्य सदस्य अमीर अहमद भट, रुद्रांश खंडेलवाल, रुबीना फ्रांसिस, स्वरुप उनहालकर, सिद्धार्थ बाबू, श्रीहर्ष देवराड़ी और निहाल सिंह है.

ब्रीफ खबरें

नालंदा में दो पक्षों के बीच गोलीबारी

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के एकंगरसराय थानाक्षेत्र में शनिवार की सुबह पीर बिगहा इलाके में दो पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. घटनाक्रम की सूचना मिलते ही पीरबिगहा पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंची और घटना का सत्यापन करने पर पता चला कि यह गोलीबारी पुराने जमीनी विवाद के कारण हुई थी. पुलिस ने बताया कि प्रथम पक्ष के कारू प्रसाद और द्वितीय पक्ष के भूषण कुमार के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था.

सड़क दुर्घटना में किसान की मौत, सड़क जाम

बिहारशरीफ । नालंदा में शनिवार की सुबह सड़क पार करने के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से एक किसान की मौत हो गयी. घटना के विरोध में मृतक के परिजन और ग्रामीणों नें बिहारशरीफ-बरबाघा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 82 को जाम कर दिया है. जाम से वाहनों का आवागमन बाधित हो गया है. आक्रोशित लोग जिला प्रशासन को घटनास्थल पर बुलाने की मांग कर रहे थे. घटना की सूचना पाकर बिहारशरीफ के प्रखंड विकास पदाधिकारी मणिष कुमार और बिहारशरीफ थानाध्यक्ष ने घटनास्थल पर जाकर लोगों को समझाकर जाम समाप्त करने की पहल की.

विक्रम हत्याकांड में दो अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर । जिले के शाहकुंड थाना अंतर्गत बीते 21 अगस्त को गोरगामा गांव के रहने वाले विक्रम कुमार के हत्या मामले में पुलिस ने दो अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. उक्त आशय की जानकारी शनिवार को सिटी एसपी श्रीराज ने एक प्रेस वार्ता के दौरान दी. सिटी एसपी ने बताया कि बीते 21 अगस्त को विक्रम कुमार का शव छत पर पाया गया था. मृतक विक्रम की मां ने थाना में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया थी. इसके बाद घटनास्थल पर एफएसएल की टीम, पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था एवं स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया.

पूर्णिया में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ की हाई लेवल मीटिंग

बाधाएं हुई दूर, एयरपोर्ट बनने का रास्ता हुआ साफ

संवाददाता । पूर्णिया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को पूर्णिया एयरपोर्ट पहुंचे और एयरपोर्ट अथॉरिटी, एयरपोर्ट के अधिकारियों एवं जिला प्रशासन तथा राज्य स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में खाद आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह एवं सदर विधायक विजय खेमका भी मौजूद रहे. बैठक में जो मूलभूत समस्याओं को लेकर एयरपोर्ट निर्माण में समस्याएं आ रही थी उसका समाधान लगभग निकाल लिया गया है. सीएम नीतीश कुमार ने स्पष्ट आदेश दिया है कि जल्द से जल्द इन बाधाओं को दूर कर निर्माणकार्य को आगे बढ़ाया जाए. फोरलेन से कनेक्ट कनेक्टिविटी के मामले का भी रास्ता निकाला गया है. सूचना अनुसार एक अंडर पास पुल बनाने का निर्णय लिया गया है. फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्णिया के काझा कोठी पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री ने बिहार के तीन बार मुख्यमंत्री रहे भोला पासवान शास्त्री के आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की . मुख्यमंत्री दिल्ली हाट के तर्ज पर विकसित किये जा रहे मिथिला हाट का भी निरीक्षण किया . इस दौरान मुख्यमंत्री ने काझा कोठी से पूर्णिया के नवनिर्मित आठ थाना का उद्घाटन किया. मुख्यमंत्री काझा कोठी स्थित तालाब को विकसित करने और पर्यटकों के लिए खोलने का भी निर्देश दिया .

जल्दी एयरपोर्ट का सपना होगा साकार : लेसी सिंह

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री लेसी सिंह ने पूर्णिया एयरपोर्ट को लेकर हुई हाई लेवल मीटिंग के बाद कहा कि पूर्णिया के ऐतिहासिक धरती पर बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री, विकास पुरुष नीतीश कुमार का आगमन हुआ . इस अवसर पर चूनापुर सैन्य हवाई अड्डे पर उनका स्वागत अभिनंदन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ . उसके बाद हवाई अड्डे स्थित सभा कक्ष में मुख्यमंत्री के साथ में हवाई अड्डे से संबंधित समीक्षात्मक बैठक में शामिल हुई .

बिहार प्रदेश जदयू की 115 सदस्यीय समिति का गठन

- पिछली कमेटी में 550 सदस्य शामिल थे लेकिन नई कमेटी में संख्या को घटाकर 115 कर दिया गया है

संवाददाता । पटना

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने शनिवार को बिहार प्रदेश कमेटी को भंग करने के एक घंटे के भीतर ही नई प्रदेश कमेटी का एलान कर दिया गया है. पार्टी के 115 नेताओं को अहम जिम्मेवारी सौंपी गई है. जदयू की पुरानी कमेटी को प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने आज ही भंग किया था. अब 115 सदस्यों वाली नई कमेटी की घोषणा कर दी गई है. पिछली कमेटी में 550 सदस्य शामिल थे लेकिन नई कमेटी में संख्या को घटाकर 115 कर दिया गया है. नई कमेटी में 10 उपाध्यक्ष, 49 महासचिव, 46 सचिव, 9 प्रवक्ता समेत एक कोषाध्यक्ष की घोषणा की गई है. उल्लेखनीय है कि 2023 के मार्च में जदयू की जंबोजेट प्रदेश कमेटी का गठन किया गया था. 21 मार्च, 2023 को जारी जेडीयू की प्रदेश कमेटी में 20 उपाध्यक्ष, 105 महासचिव, 114 प्रदेश सचिव और 11 नेताओं को पार्टी का प्रवक्ता बनाया गया था. इसके अलावा एक कोषाध्यक्ष भी बनाये गये थे. सबसे पहले 251 नेताओं को प्रदेश का पदाधिकारी बनाया गया था. बाद में कुछ और लोग जोड़े गये थे. जदयू की प्रदेश कमेटी लगभग 260 लोगों की थी.

बिहटा के अमहरा स्थित हीरो साइकिल फैक्टरी के पास हुई घटना

ट्रक में लगी आग, चालक की मौत, 16 लाख का नुकसान

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना में बिहटा के अमहरा स्थित हीरो साइकिल फैक्टरी के समीप बिजली के तार के संपर्क में आने से एक कंटेनर ट्रक में आग लग गयी. इस घटना में ट्रक चालक की मौके पर मौत हो गयी. ट्रक में लुधियाना से साइकिल के पार्ट्स लोडकर लाए जा रहे थे. करीब 16 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है. मृतक चालक बिहार के रोहतास जिले का रहने वाला जय प्रकाश राम था.

बिहटा हीरो साइकिल फैक्टरी के सिक्योरिटी इंचार्ज जनार्दन तिवारी ने शनिवार को बताया कि बीते शुक्रवार की लगभग रात 01:45 बजे कंटेनर ट्रक लुधियाना से बिहटा हीरो साइकिल फैक्टरी के लिए सामान लेकर पहुंचा था. इस दौरान फैक्टरी के पास पहले से 11 हजार का बिजली का तार टूट कर सड़क पर गिरा हुआ था, जिसके संपर्क में ट्रक चालक ट्रक समेत आ गया. ट्रक के पिछले हिस्से में आग लग गई. आग लगने की खबर हीरो साइकिल फैक्टरी के अधिकारियों और कर्मचारी को दी गई. मौके पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस और दमकल को सूचना दी. इसके बाद आग को बुझाया गया.

आईआईटी अमहरा थाना के थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने शनिवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि बिजली के संपर्क में आने से आग लग गई. संपर्क में आने से ट्रक का चालक की मौत हो गयी है. उन्होंने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है. क्षति का भी आंकलन किया जा रहा है. करीब 16 लाख का नुकसान बताया जा रहा है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

छपरा में गरीब रथ ट्रेन में लगी आग, बड़ा हादसा टला

पटना । छपरा-वाराणसी रेल खंड के गौतम स्थान स्टेशन पर शनिवार को डाउन गरीब रथ एक्सप्रेस की दो बोगियों के बीच जॉइंट में आग लग गई. आग देखते ही यात्रियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया, जिसके बाद तत्काल गार्ड और ड्राइवर ने ट्रेन को गौतम स्थान स्टेशन पर रोक दिया. मौके पर रेलवे कर्मी जमा हो गए और आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे. थोड़ी ही देर की मशक्कत के बाद रेल कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया. ट्रेन जब गौतम स्थान स्टेशन पार कर रही थी तभी लोगों ने दो बोगियों के बीच जॉइंट से धुआं उठते हुए देखा. उसके बाद लोगों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया. बाद में स्टेशन कर्मचारियों ने गार्ड और ड्राइवर को ट्रेन रोकने को कहा. सूचना मिलते ही गार्ड ड्राइवर ने ट्रेन को गौतम स्थान स्टेशन पर रोका.

मोतिहारी पुलिस ने 15 करोड़ का चरस व गांजे का खेप किया बरामद

पूर्वी चंपारण । जिला पुलिस की टीम ने नशे की बड़ी खेप को बरामद किया है. हरसिद्धि थाना पुलिस को यह सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने धवही गांव से करीब 60 किलो चरस व गांजा की बड़ी खेप को बरामद किया है. जिसका अनुमानित कीमत 15 करोड़ बतायी जा रही है. इस दौरान पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है. जिससे पूछताछ की जा रही है. एसपी कांतेश कुमार मिश्र को मिली गुप्त सूचना के बाद डीएसपी अरेराज रंजन कुमार के नेतृत्व में हरसिद्धि थाना पुलिस ने उक्त कार्रवाई की है.

पटना में भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, हड़कंप

संवाददाता । पटना

पटना के नौबतपुर में एक तेज रफ्तार वाहन ने दो युवकों को कुचल दिया. इसमें दोनों की मौत मौके पर हो गई. घटना की सूचना मिलते ही आसपास गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और नौबतपुर पटना सड़क को जाम कर जमकर हंगामा शुरू कर दिया. हंगामा कर रहे लोग मुआवजा की मांग कर रहे थे. सूचना मिलते ही नौबतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया. नौबतपुर थाना प्रभारी रजनीश कुमार केसरी ने बताया कि एक युवक मोटरसाइकिल से जा रहा था, जबकि एक युवक सड़क पर टहल रहा था. इसी बीच वाजिदपुर के नजदीक तेज रफ्तार से आ रही एक वाहन ने दोनों को कुचल दिया. इस हादसे में दोनों लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. दोनों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दी है. बताया जा रहा है कि दियारा के महंगु पुर निवासी नीतीश कुमार (18) अपनी मोटरसाइकिल से नौबतपुर आ रहा था.

बारिश से नेपाली नदियों में उफान

रक्सौल शहर में घुसा बाढ़ का पानी

पूर्वी चंपारण । नेपाल में बीते दो दिनों से हो रही लगातार बारिश से सभी नेपाली नदिया उफान पर है. नेपाल से निकलकर पूर्वी चंपारण जिले में बहने वाली सरिसवा, तिलावे, बंगरी, गाद दुधौरा व तीयर समेत सभी नदिया खतरे के निशान के ऊपर बह रही है. सरिसवा नदी के जलस्तर के बढ़ने के कारण रक्सौल शहर के सुंदरपुर, इस्लामपुर, गांधी नगर, अहिरवाटोला, छठिया घाट समेत करीब आधा दर्जन मुहल्ले में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है. जिससे लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. स्कूली बच्चे, महिलाओं व वरिष्ठ नागरिक खासा परेशानी का सामना कर रहे हैं. स्थानीय नागरिकों ने बताया कि अब तक कोई प्रशासनिक सहायता नहीं मिल सका है.

जलजमाव के कारण लोगों ने विरोध में मुख्य सड़क पर रोपे धान

सहरसा : सहरसा में थोड़ी सी बारिश होती है कि शहर के अधिकतर मोहल्लों की सड़कें डूब जाती हैं . नगर निगम जल निकासी की न तो अस्थायी व्यवस्था करता है और न ही स्थायी . इन्हीं हालातों को देखते हुए पॉलिटेक्निक रोड पर घुटने भर जमे पानी में धान रोपकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने विरोध जताया .

कारोबार

जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को मिला ठेका

नयी दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को 300 मेगावाट की पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने के लिए एनटीपीसी से ठेका मिला है. कंपनी के बयान के अनुसार, इससे कंपनी की कुल 'लॉक-इन' उत्पादन क्षमता बढ़कर 16.7 गीगावाट हो गई है, जिसमें 2.6 गीगावाट की कुल 'लॉक-इन' हाइब्रिड क्षमता भी शामिल है. बयान में कहा गया, यह परियोजना कंपनी की ऊर्जा समाधान पेशकश को बढ़ाती है. साथ ही यह ऊर्जा उत्पाद व सेवा कंपनी बनने में उसकी मदद करेगी.

बृज भूषण प्राइम वेंचर पार्टनर्स में भागीदार बने

नयी दिल्ली । ई-वाणिज्य कंपनी मैजिकपिन के सह-संस्थापक बृज भूषण प्राइम वेंचर पार्टनर्स में पूर्णकालिक भागीदार के रूप में शामिल हो गए हैं. प्रारंभिक चरण की उद्यम पूंजी कंपनी प्राइम वीपी ने कहा कि इस भूमिका में भूषण निवेश दल के प्रमुख सदस्य होंगे. कंपनी के निवेश, खंड प्रबंधन और वित्त पोषण से जुड़े सभी पहलुओं में उनकी अहम भूमिका होगी. प्रबंध साझेदार अमित सोमानी ने कहा, बृज भूषण रणनीतिक विचार, निष्पादन उत्कृष्टता और कंपनी निर्माण के लिए आवश्यक दीर्घकालिक सोच का एक अनूठा संयोजन लेकर आए हैं.

जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट दाखिल किए दस्तावेज

नयी दिल्ली । ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्मम के जरिये 4,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किये हैं. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज के अनुसार, निर्गम 1,250 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 2,750 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकेश (ओएफएस) का संयोजन है. कंपनी ने नए निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल प्रवर्तक से आईजीआई बेल्जियम समूह और आईजीआई नीदरलैंड समूह के अधिग्रहण के लिए करने का प्रस्ताव किया है.

गोल्ड फेस्टिवल

बेंगलुरु में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बेंगलुरु गोल्ड फेस्टिवल की घोषणा करतीं अभिनेत्री रचिता राम.

एमजी विंडसर ने अपने नए वीडियो में सेगमेंट के पहले 'इनफिनिटी व्यू ग्लास रूफ' किया प्रदर्शित

भारत की पहली इंटेलिजेंट क्रॉसओवर यूटीलिटी व्हीकल किया लॉन्च

एजेंसी । गुरुग्राम

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एक नए वीडियो में अपने बहु-प्रतीक्षित वाहन-एमजी विंडसर-भारत की पहली इंटेलिजेंट क्रॉसओवर यूटीलिटी व्हीकल (सीयूवी), के 'इनफिनिटी ग्लास रूफ' को प्रदर्शित किया. इस इन्नोवेशन में एक शानदार डिजाइन है, जो कार के आलीशान केबिन के साथ आउटडोर वातावरण को उत्कृष्ट बनाता है, जिससे वाहन में बैठने वालों को एक पैनोरैमिक और प्रभावी ड्राइविंग अनुभव मिलता है. इस एक्सपैनसिव ग्लास रूफ के साथ, एमजी विंडसर को खरीदने वाले बाहरी वातावरण, चाहे फिर शहरी लैंडस्कैप हो या मनोरम पर्यटन स्थल, के साथ एक निर्बाध कनेक्शन का आनंद उठा सकेंगे. अपनी तरह का यह अनूठा फीचर न केवल एक लग्जरी टच प्रदान करता है, बल्कि स्पेस की भावना को भी बेहतर बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप एडवांस्ड केबिन के भीरत एक हवादार एहसास महसूस होता है, जिससे हर यात्रा और अधिक आनंददायक बन जाती है.

इनफिनिटी व्यू ग्लास रूफ विंडसर के सुरुचिपूर्ण डिजाइन में चार चांद लगाता है, जो इसे उन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है, जो प्रीमियम स्टाइल और कम्फर्ट दोनों को पसंद करते हैं. यह टीजर सीयूवी के सेगमेंट-फर्स्ट एयरो-लाउंज सीटों के हालिया खुलासा करने के बाद आया है, जिसने पहले ही कम्फर्ट

और लग्जरी के लिए नए मानक स्थापित कर दिए हैं. ये फीचर्स एमजी विंडसर को भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पहली पसंद में से एक बनाती है, जो व्यावहारिकता और प्रदर्शन से समझौता किए बिना प्रीमियम ड्राइविंग अनुभव हासिल करना चाहते हैं. इंटेलिजेंट सीयूवी प्रतिष्ठित वास्तुशिल्प रचना और शाही विरासत के प्रतीक- ब्रिटेन के विंडसर महल से प्रेरित है. ऐतिहासिक महल की तरह, एमजी विंडसर शानदार शिल्प कौशल और उत्कृष्टता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है. हर छोटी-छोटी बारीकी पर ध्यान देना दुनिया के इस सबसे बड़े भू-भाग वाले महल की एक और खासियत है.

एमजी विंडसर इस उत्कृष्टता को प्रतिबिंबित करती है, यह सुनिश्चित करती है कि कार के हर पहलू को विंडसर महल के जैसी विशिष्टता और विलासिता को प्रतिबिंबित करने के लिए सटीक रूप से तैयार किया गया है. जैसे-जैसे भारतीय सड़कों का नेटवर्क और बुनियादी ढांचे का विकास निरंतर हो रहा है, इसके कारण सीयूवी की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है. सीयूवी एयरोडायनामिक डिजाइन और स्पेसियस इंटीरियर का एक आदर्श मिश्रण है, जो इसे भीड़भाड़ वाली शहरी सड़कों और छोटे शहरों की सकरी रोड के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है. इसकी बहुमुखी प्रतिभा और अनुकूलन क्षमता के कारण, सीयूवी यह सुनिश्चित करती है कि परिवार पर्याप्त कम्फर्ट के साथ यात्रा करें, चाहे फिर यह दैनिक यात्रा हो या वीकेंड पर घूमना. वाहन का उच्चतम ग्राउंड क्लियरेंस, सड़क पर गड्ढे, स्पीड ब्रेकर और ऊबड़खाबड़ सतह को बेहतर ढंग से देखने में मदद करता है, जिसके परिणामस्वरूप एक आसान और अधिक आरामदायक ड्राइव अनुभव मिलता है.

हीरो मोटर्स ने आईपीओ के लिए मसौदा पत्र दाखिल किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

हीरो मोटर्स कंपनी (एचएमसी) समूह की वाहन कलपुर्जा फर्म हीरो मोटर्स लिमिटेड ने आईपीओ लाने के लिए शनिवार को बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा पत्र दाखिल किया. कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 900 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है. मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये के ताजा इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे. इसके अलावा प्रवर्तक 400 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे. ओएफएस में ओपी मुंजाल होल्डिंग्स 250 करोड़ रुपये और भाग्योदय इंवेस्टमेंट्स तथा हीरो साइकिल्स 75-75 करोड़ रुपये के शेयरों की पेशकश कर रहे हैं. कंपनी आईपीओ से पहले 100 करोड़ रुपये जुटा सकती है, और ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार कम हो जाएगा. नए निर्गम से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, क्षमता विस्तार और अन्य कार्यों के लिए किया जाएगा.

खरीदेगी जायडस कंपनी

एजेंसी । नयी दिल्ली

जायडस लाइफसाइंसेज ने स्टर्लिंग बायोटेक में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए परफेक्ट डे इंक के साथ समझौता किया है. जायडस लाइफसाइंसेज ने शनिवार को यह जानकारी दी. इस सौदे के तहत टेमासेक पोर्टफोलियो कंपनी परफेक्ट डे इंक, स्टर्लिंग बायोटेक में अपनी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी अज्ञात राशि में बेचेगी. जायडस लाइफसाइंसेज ने बयान में कहा कि इस सौदे के बाद स्टर्लिंग बायोटेक 50-50 का संयुक्त उद्यम बन जाएगी और निदेशक मंडल में इसका प्रतिनिधित्व बराबर होगा. सौदे के वित्तीय विवरण साझा नहीं किए गए.

बयान के अनुसार, संयुक्त उद्यम वैश्विक बाजारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किण्वित पशु-मुक्त प्रोटीन के निर्माण के लिए एक विनिर्माण इकाई लगाएगी. गुजरात की इस कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण से जाइयस ने स्वास्थ्य और पोषण के लिए विशेष जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों के क्षेत्र में भी कदम रखा है. यह विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए है जो पशु-मुक्त प्रोटीन पसंद करते हैं.

अमेजन इंडिया की बिक्री शुल्क 12% तक घटाने की घोषणा

मुंबई । ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने शनिवार को त्योहारी सत्र से पहले विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बिक्री शुल्क में 12 प्रतिशत तक की कटौती की घोषणा की . अमेजन इंडिया ने कहा कि नौ सितंबर से लागू होने वाली शुल्क कटौती से विक्रेताओं को मंच पर अपने उत्पाद खंड का विस्तार करने में मदद मिलेगी और वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा . कंपनी ने कहा, इन बदलावों के साथ अमेजन इंडिया पर विक्रेताओं को विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में बिक्री शुल्क में तीन से 12 प्रतिशत तक की कमी का लाभ मिलेगा .

लगाया आरोप ट्राइजेटो ने एक अमेरिकी संघीय अदालत में इन्फोसिस के खिलाफ की कार्रवाई

कॉग्निजेंट ने इन्फोसिस के खिलाफ केस दायर किया

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी कॉग्निजेंट की अनुषंगी कंपनी ट्राइजेटो ने एक अमेरिकी संघीय अदालत में इन्फोसिस के खिलाफ मुकदमा दायर किया है. ट्राइजेटो ने बेंगलुरू स्थित कंपनी पर कारोबारी रहस्य और स्वास्थ्य बीमा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी चुराने का आरोप लगाया है. हालांकि, इन्फोसिस ने एक बयान जारी कर सभी आरोपों को खारिज किया है. कंपनी ने कहा कि उसे मुकदमे की जानकारी है और वह अदालत में अपना पक्ष रखेगी.

कॉग्निजेंट ने टेक्सास संघीय अदालत में दायर मुकदमे में इन्फोसिस पर ट्राइजेटो के सॉफ्टवेयर- फेसेट्स और क्यूएनएक्सटी से अवैध रूप से आंकड़ा प्राप्त करने तथा उसका उपयोग प्रतिस्पर्धी उत्पाद विकसित करने और विपणन करने के लिए करने का आरोप लगाया है. कॉग्निजेंट की पेशकशों में ट्राइजेटो के फेसेट्स और क्यूएनएक्सटी शामिल हैं. इनका उपयोग स्वास्थ्य बीमा कंपनियां कार्यों को स्वचालित करने के लिए करती हैं.

न्यू जर्सी के टीनेक में स्थित कॉग्निजेंट के अधिकांश कर्मचारी भारत में हैं. कॉग्निजेंट ने कथित तौर पर आरोप लगाया है कि इन्फोसिस ने टेस्ट केस फॉर फेसेट्स बनाने के लिए ट्राइजेटो के सॉफ्टवेयर का दुरुपयोग किया. फेसेट्स ने उसके डेटा को इन्फोसिस उत्पाद में पुनः पैक कर दिया. इसके अलावा, इसने कथित तौर पर आरोप लगाया है कि इन्फोसिस ने क्यूएनएक्सटी से डेटा निकालने के लिए सॉफ्टवेयर बनाया, जिसमें ट्राइजेटो की गोपनीय जानकारी शामिल थी. यह ध्यान देने वाली बात है कि इसी सप्ताह कॉग्निजेंट ने राजेश नांबियार के इस्तीफे के बाद इन्फोसिस के पूर्व कार्यकारी अधिकारी राजेश वारियर को परिचालन का वैश्विक प्रमुख और भारत के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में नियुक्त किया है.

नांबियार नैसकॉम के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तैयार हैं. इसके अलावा, कॉग्निजेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवि कुमार एस भी इंफोसिस में काम कर चुके हैं. रवि कुमार ने बेंगलुरु स्थित फर्म इन्फोसिस में 20 साल के करियर में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाई हैं. वे इन्फोसिस में जनवरी, 2016 से अक्टूबर, 2022 तक अध्यक्ष पद पर भी रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

बलूचिस्तान में विस्फोट तीन की हुई मौत

कराची । पाकिस्तान में अशांत बलूचिस्तान प्रांत के एक बाजार में शनिवार को हुए विस्फोट में दो बच्चों और एक महिला की मौत हो गई तथा दो पुलिसकर्मियों समेत 13 लोग घायल हो गए. समाचार पत्र 'द डॉन' ने पिशिन सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जारी हताहतों की सूची के हवाले से अपनी खबर में बताया कि यह विस्फोट पिशिन जिले के सुर्खाब चौक के निकट मुख्य बाजार में हुआ, जिसमें दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई तथा 14 अन्य घायल हो गए.

पिता बने जस्टिन बीबर हैली ने दिया बेटे को जन्म

लॉस एंजिलिस। जस्टिन बीबर की पत्नी हैली बीबर ने बेटे को जन्म दिया है. दंपति ने शनिवार को यह जानकारी दी. जस्टिन (30) ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में बेटे जैक ब्लूज बीबर के जन्म की जानकारी साझा की. पोस्ट की गई तस्वीर में हैली का हाथ और नवजात शिशु का पैर दिखाई दे रहा है. हैली (27) ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट को फिर से साझा किया. जस्टिन, लव मी, सॉरी, यमी और पीचेज जैसे गानों के लिए जाने जाते हैं, जबकि हैली एक मॉडल हैं. दोनों 2018 में शादी के बंधन में बंधे थे.

पालघर में झड़प, एक की मौत, चार घायल

पालघर । महाराष्ट्र में पालघर जिले के नालासोपारा में दो समूहों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये. एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. तुलिंज पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात संतोष भुवन इलाके में हुई. उन्होंने बताया कि झड़प का कारण रंजिश को बताया जा रहा है. उन्होंने कहा, दोनों समूहों ने एक दूसरे पर धारदार हथियारों से हमला किया. इस घटना में दीपक पाल नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई.

28 शिया जायरीन के शव पाक लाए गए

इस्लामाबाद । शिया जायरीन को पाकिस्तान से इराक ले जा रही बस के ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की घटना में मारे गए 28 लोगों के शवों को शुक्रवार को पाकिस्तान लाया गया. अधिकारियों ने बताया कि हादसे में घायल हुए 23 जायरीन को भी एक पाकिस्तानी सैन्य विमान से स्वदेश लाया गया. शिया जायरीन को पाकिस्तान से इराक ले जा रही एक बस मंगलवार देर रात मध्य ईरान में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें 28 जायरीन की मौत हो गई और 23 घायल हो गए थे. इससे पहले, ईरान के अधिकारियों ने दुर्घटना का शिकार हुए लोगों के शव पाकिस्तानी राजनयिकों को सौंप दिए.

पुणे में हेलिकॉप्टर क्रैश, चार घायल

पुणे । मुंबई से हैदराबाद जा रहा एक हेलीकॉप्टर शनिवार दोपहर पुणे की मुलशी तहसील में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पौड के निकट हुई दुर्घटना में सभी चार लोग बच गए, हालांकि वे घायल हो गए हैं. उन्होंने कहा, हेलीकॉप्टर के कैप्टन को अस्पताल ले जाया गया है, जबकि अन्य तीन की हालत स्थिर है. हेलीकॉप्टर ग्लोबल वेक्टरा कंपनी का था. दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है.

जन्माष्टमी उत्सव

अमृतसर : शनिवार को श्रीअमृतसर में जन्माष्टमी उत्सव से पहले छात्र दही हांडी का प्रदर्शन करते हुए.

पीडीपी घोषणापत्र में बड़े वादे

गरीब लोगों को फ्री बिजली और 12 सिलेंडर दिया जाएगा

एजेंसी । जम्मू

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए अगले महीने तीन चरणों में वोटिंग है. चुनाव की तैयारियां सभी राजनीतिक दल कर रहे हैं. चुनावी माहौल के बीच जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी ने महबूबा मुफ्ती की मौजूदगी में अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया. महबूबा मुफ्ती ने वादा किया है कि गरीब लोगों को 12 महीने में 12 सिलेंडर दिए जाएंगे.

इस दौरान पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि गठबंधन और सीट शेयरिंग बहुत दूर की बात है. अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस हमारा एजेंडा अपनाने के लिए तैयार हैं, तो हम कहेंगे कि उन्हें सभी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए, हम उनके पीछे चलेंगे क्योंकि मेरे लिए कश्मीर की समस्या को सुलझाना किसी भी चीज से ज़्यादा महत्वपूर्ण है. जब हमने पहले भी गठबंधन किया, तो हमारा एक एजेंडा था, जब हमने भाजपा के साथ गठबंधन किया, तो हमारा एक एजेंडा था जिस पर वे सहमत थे लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच गठबंधन एजेंडे पर नहीं हो रहा है, यह सीट शेयरिंग पर हो रहा है. हम ऐसा कोई गठबंधन नहीं करेंगे जिसमें केवल सीट शेयरिंग की बात हो. गठबंधन एजेंडे पर होना चाहिए.

बदलापुर यौन उत्पीड़न : पुणे में मौन प्रदर्शन में शामिल हुए पवार, बोले-

बदलापुर की घटना से देश में महाराष्ट्र की छवि खराब हुई

एजेंसी । पुणे (महाराष्ट्र)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि बदलापुर के एक स्कूल में केजी में पढ़ने वाली दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना से देश में महाराष्ट्र की छवि खराब हुई है. पवार ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह यह भूल गई है कि महिलाओं की सुरक्षा उसकी जिम्मेदारी है.

पुणे में मौन प्रदर्शन में शामिल हुए पवार ने कहा कि यदि सरकार सोचती है कि विपक्ष बदलापुर की घटना पर राजनीति कर रहा है तो वह असंवेदनशील है. राकांपा (एसपी) प्रमुख पवार ने कहा, बदलापुर की घटना से देश में महाराष्ट्र की छवि खराब हुई है. राकांपा (एसपी) एमवीए का एक घटक दल है, जिसमें यूबीटी भी शामिल है. शरद पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी की भूमि पर ऐसी घटना हुई है, जो महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले अपराधियों के हाथ काट देते थे. पुणे रेलवे स्टेशन पर हो रहे मौन प्रदर्शन में पवार, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस नेताओं के साथ बारामती की सांसद सुप्रिया सुले भी शामिल हुईं.

सुले ने कहा कि राज्य में बदलापुर यौन शोषण मामले जैसी कई घटनाएं सामने आई हैं. उन्होंने आरोप लगाया, सरकार संवेदनहीन है. क्या ऐसी घटना का विरोध करना गलत है? पुणे में मादक पदार्थ मामले का आरोपी हिरासत से बच रहा है, खून के सैंपल बदले जा रहे हैं, कोयटा गैंग सक्रिय है. इस बीच, भाजपा ने भी यहां एमवीए के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया. भाजपा नेताओं ने मुंह पर काली पट्टी बांधकर शहर में प्रदर्शन किया.

भाजपा की पुणे इकाई के अध्यक्ष धीरज घाटे ने कहा, उच्च न्यायालय के आदेश ने बदलापुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के विरोध में महाराष्ट्र बंद करने के एमवीए के आह्वान को विफल कर दिया. उन्होंने कहा कि भाजपा एमवीए के पाखंड को उजागर करने के लिए प्रदर्शन कर रही है. ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में एक सफाईकर्मी ने चार साल की दो बच्चियों का कथित यौन उत्पीड़न किया था, जिसके विरोध में मंगलवार को वहां बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ था. हजारों लोगों ने सड़कों और रेल की पटरियों को अवरुद्ध कर दिया था तथा इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई थी.

सरकार अपराध करने वालों के साथ खड़ी है : उद्धव

मुंबई । शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि यह दुख की बात है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय महाराष्ट्र सरकार उनके साथ खड़ी है .ठाकरे ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों और बदलापुर में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर एक प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'महायुति' सरकार को हटाना जरूरी है . ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, यह दुख की बात है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय वह उनके साथ खड़ी है . विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के विरोध में 24 अगस्त को पूरे राज्य में बंद का आह्वान किया था . हालांकि, बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों या व्यक्तियों को 24 अगस्त या आगे की किसी तारीख पर प्रस्तावित महाराष्ट्र बंद का आह्वान करने से रोक दिया था . ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से 'बहन सुरक्षित तो घर सुरक्षित' नारे के साथ हस्ताक्षर अभियान चलाने के लिए कहा, जिसे बाद में बंबई उच्च न्यायालय में पेश किया जाएगा .

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामला

सात लोगों का हुआ पॉलीग्राफ टेस्ट पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता रेप कांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी सीबीआई जांच के लिए हर तरीके को आजमा रही है. मुख्य आरोपी से लेकर पूर्व प्रिंसिपल तक दर्जनों घंटों की पूछताछ के बाद पॉलीग्राफ टेस्ट की अब बारी है. शनिवार को सात लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया. दिल्ली से खास तौर पर सीएफएसल की टीम कोलकाता गई और पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया. जिन लोगों का टेस्ट किया गया, उनमें मुख्य आरोपी संजय रॉय, पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, उस रात नाइट ड्यूटी पर मौजूद चार जूनियर डॉक्टर और एक वॉलन्टियर का नाम शामिल है. मुख्य आरोपी संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट जेल में ही किया गया, जहां वो 14 दिन की न्यायिक हिरासत में है. बाकी छह लोगों का टेस्ट सीबीआई के दफ्तर में किया गया. संजय का पॉलीग्राफ टेस्ट इसलिए जरूरी था, क्योंकि वो इस केस का मुख्य आरोपी है. उससे जानना है कि शक के मुताबिक कब कैसे वारदात को अंजाम दिया, क्या उसके साथ कोई और भी शामिल था. पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष शुरू से शक के घेरे में है. उनसे नौवें दिन भी सवाल हो रहे हैं.

पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ केस दर्ज

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से सवाल इसलिए क्योंकि वो अस्पताल के मुखिया थे . उनके बर्ताव और फैसले शक के घेर में हैं . तीन सवाल अहम हैं . कब और कैसे उनको वारदात का पता चला, रिपोर्ट दर्ज कराने में देरी क्यों हुई और सबूतों की रक्षा में लापरवाही क्यों की गई . उनके खिलाफ करप्शन की जांच भी शुरू कर दी गई है . इस मामले में सीबीआई ने केस दर्ज कर लिया है . कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई अफसरों ने उनके खिलाफ अलीपुर कोर्ट में एफआईआर की प्रति प्रस्तुत की है .

किशोरी के यौन उत्पीड़न के आरोप में शिक्षक सहित सात गिरफ्तार

पुणे । पुणे के पिंपरी-चिंचवड में एक निजी स्कूल में 12 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक शिक्षक और सात अन्य को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने शनिवार को बताया कि किशोरी के परिजनों द्वारा निगडी पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि शिक्षक (पीटी टीचर) छेड़छाड़ के आरोप में पहले भी जेल जा चुका है लेकिन रिहा होने के बाद स्कूल ने उसे फिर से नियुक्त कर लिया था. अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार शिक्षक पिछले दो वर्षों से छात्रा का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न कर रहा था. अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये अन्य लोगों में स्कूल के प्रधानाचार्य, कुछ न्यासी और बोर्ड के सदस्य शामिल हैं.

राजस्थान में जयपुर सहित कई जगह हुई भारी बारिश

एजेंसी । जयपुर

मानसून की सक्रियता से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है और यहां बीते 24 घंटे में जयपुर, धौलपुर, उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, कोटा, झालावाड़ और पाली, बांसवाड़ा और सिरोही जिले में कई जगह भारी बारिश दर्ज की गई.

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार सुबह 8.30 बजे तक के 24 घंटे में सबसे अधिक 131.0 मिलीमीटर बारिश भूंगरा (भीलवाड़ा) में दर्ज की गई. इसके अलावा माउंट आबू तहसील में 120 मिलीमीटर, खुशालगढ़ में 110 मिलीमीटर, प्रतापगढ़ में 100 मिलीमीटर, कपासन और धौलपुर तहसील में 90-90 मिलीमीटर और रामगंजमंडी में 80 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई. इसके अनुसार एक मौसमी तंत्र के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अनेक भागों में आगामी 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने तथा जयपुर, भरतपुर व, कोटा, अजमेर, उदयपुर संभाग के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश व कहीं-कहीं भारी बारिश की प्रबल संभावना है.

कोटा, उदयपुर संभाग में 25-26 अगस्त को कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है. मौसम केंद्र के अनुसार पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी दिनों में कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश व जोधपुर संभाग में 23-26 अगस्त को कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है.

उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा

प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर एक ठग गिरफ्तार

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने शनिवार को आरक्षी (सिपाही) भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को यहां गिरफ्तार किया. एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी. इस बीच पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने राज्य की राजधानी लखनऊ में कुछ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. एसटीएफ की ओर से बताया कि परीक्षा का प्रश्न पत्र 'आउट' कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य अनिरुद्ध मोदनवाल को यहां गाजीपुर थाना क्षेत्र में राजकीय पॉलिटेक्निक गेट के पास शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया. मोदनवाल भदोही जिले के सुरियावां थाना क्षेत्र के सुरियावां बाजार का निवासी है. बयान के मुताबिक आरोपी के पास से मोबाइल फोन, क्रेडिट कार्ड, पेटीएम से अभ्यर्थियों से पैसा लेने का स्क्रीन शॉट आदि बरामद किये गये हैं.

एसटीएफ ने कहा है कि जांच में सामने आया है कि टेलीग्राम पर पुलिस आरक्षी 'पेपर लीक चैनल' के माध्यम से यह गिरोह परीक्षा तिथि से पहले एक-एक लाख रुपये में अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दे रहा था और समूह में क्यूआर कोड एवं फोन-पे नंबर उपलब्ध कराकर उनसे पैसे मांग रहा था.

एसआईटी ने रेवन्ना व प्रज्वल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

बेंगलुरु । अपराध जांच विभाग के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म मामले और उनके पिता एवं विधायक एच डी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में आरोपपत्र दाखिल किया है.

प्रज्वल के खिलाफ चार मामलों की जांच कर रही एसआईटी ने कहा कि 2,000 से अधिक पृष्ठों के आरोपपत्र में करीब 150 गवाहों के बयान दर्ज हैं. एक विशेष अदालत में जो आरोपपत्र दाखिल किया गया है उसमें रेवन्ना परिवार की एक घरेलू सहायिका के कथित यौन शोषण से जुड़े आरोप भी शामिल हैं. आरोपपत्र में घटनास्थल का निरीक्षण, जैविक, भौतिक, वैज्ञानिक, मोबाइल, डिजिटल तथा अन्य प्रासंगिक साक्ष्य शामिल हैं.

असम दुष्कर्म मामले के मुख्य आरोपी की मौत

क्राइम सीन पर ले जाते वक्त भागने के दौरान तालाब में कूदा, ग्रामीण नहीं होंगे जनाजे में शामिल

एजेंसी । गुवाहाटी

असम में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार का मुख्य आरोपी शुक्रवार देर रात पुलिस हिरासत से कथित रूप से फरार हो गया और उसने नगांव जिले के धींग में एक तालाब में छलांग लगा दी जिससे उसकी मौत हो गई. आरोपी के गांव बोरभेटी के लोगों ने उसके जनाजे में शामिल नहीं होने और गांव के कब्रिस्तान में उसे दफनाने की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया है.

नगांव के पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वप्निल डेका ने संवाददाताओं को बताया कि शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए आरोपी को हथकड़ी लगाकर देर रात करीब साढ़े तीन बजे उस स्थान पर ले जाया गया जहां कथित तौर पर अपराध हुआ था ताकि 'क्राइम सीन' (अपराध के क्रम) का पता लगाया जा सके. डेका ने कहा, आरोपी एक पुलिसकर्मी पर हमला कर पुलिस हिरासत से भाग गया और तालाब में कूद गया. उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) को तुरंत सूचित किया गया, तलाश अभियान शुरू किया गया और लगभग दो घंटे के बाद उसका शव बरामद किया गया.

एसपी ने बताया कि इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात लगभग आठ बजे ट्यूशन पढ़कर साइकिल से घर लौट रही नाबालिग पर तीन लोगों ने हमला कर दिया और उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया. तीन लोग बाइक पर आए और नाबालिग को घेर लिया. पुलिस ने बताया कि उन्होंने उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया और उसे घायल एवं बेहोशी की हालत में एक तालाब के निकट सड़क के किनारे छोड़ दिया. कक्षा 10वीं की छात्रा को बाद में स्थानीय लोगों ने देखा और पुलिस को सूचना दी. इस बीच बोरभेटी के ग्रामीणों ने शनिवार सुबह बैठक कर युवक द्वारा किये गये अपराध को लेकर तीन निर्णय लिए. गांव के एक बुजुर्ग ने बताया कि, हमने गांव के कब्रिस्तान में उसे दफनाने की अनुमति नहीं देने, उसके जनाजे में शामिल नहीं होने और उसके परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने का फैसला किया है.

अमेरिका में चुनाव | राष्ट्रपति चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट जूनियर ने लिया बड़ा फैसला

कैनेडी ने वापस ली उम्मीदवारी, ट्रंप को समर्थन देंगे

- राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ कड़े कंपटीशन में हैं

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते खुद को चुनावी रेस से बाहर कर लिया. साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना समर्थन देने का ऐलान भी कर दिया है. उन्होंने फीनिक्स में एक भाषण के दौरान अपनी योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि वह मतदान से अपना नाम वापस ले रहे हैं.

इस दौरान उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी पर लोकतंत्र खत्म करने, उनके और ट्रम्प के खिलाफ लगातार कानूनी लड़ाई में शामिल होने का आरोप लगाया. रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर के मुताबिक, उन्हें डर है कि उनके राष्ट्रपति पद की रेस में होने से पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से समर्थन छिन जाएगा, जो पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ कड़े कंपटीशन में हैं. कैनेडी ने कहा कि ट्रंप को नुकसान पहुंचाकर डेमोक्रेटिक कैंडिडेट कमला हैरिस की मदद नहीं करना चाहते.

उन्होंने एरिजोना और पेंसिल्वेनिया में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए कदम उठाए है. कैनेडी जूनियर कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत के बाद उन्होंने यह फैसला लिया है.जीत का कोई रास्ता नहींजूनियर ने एक भाषण में कहा कि मैं राष्ट्रपति पद के लिए अपना अभियान खत्म कर रहा हूं. मेरे पास जीत का कोई रास्ता नहीं है. इसलिए मैं अपने समर्थकों से लंबे समय तक काम करते रहने या अपने डोनर्स से डोनेशन देते रहने के लिए नहीं कह सकता. उन्होंने कहा कि मैं ईमानदारी से यह नहीं कह सकता कि मेरे पास व्हाइट हाउस तक पहुंचने का कोई रास्ता है.

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थनकैनेडी ने कहा कि दिया कि राष्ट्रपति पद की रेस में उनके रहने से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए समर्थन बंट सकता है. बता दें कि अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहा है. इस चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है.

अमृतसर : एनआरआई को मारी गोली

अमृतसर । पंजाब में अमृतसर के बाहरी इलाके में स्थित दबुर्जी गांव में एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई) को उसके घर पर दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी. पुलिस ने बताया कि हाल ही में अमेरिका से लौटे सुखचैन सिंह को उनकी पत्नी और उनकी पहली शादी से हुए दो बच्चे के सामने गोली मार दी गई. पुलिस के अनुसार सिंह सुबह की सैर के लिए जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उन्हें उनके घर के बाहर रोक लिया. वे उन्हें उनके घर के अंदर ले गए और उनसे उनकी लग्जरी कार के रजिस्ट्रेशन के कागजात मांगे. पुलिस ने बताया कि विवाद के बाद हमलावरों ने सिंह के साथ मारपीट की, उन पर तीन गोलियां चलाईं और मौके से भाग गए. दो गोलियां सिंह के सिर और सीने के पास लगीं.

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार ने कहा

233 नये न्यायाधीश नियुक्त किए जाएंगे कई अदालतों में

एजेंसी । इरोड (तमिलनाडु)

मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु की विभिन्न अदालतों में शीघ्र ही 233 न्यायाधीश नियुक्त किये जायेंगे. न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने यहां इरोड के जिलाधिकारी कार्यालय में हुए कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मोडाकुरिची तालुक के इलूमाथुर में जिला मुंशिफ-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत का उद्घाटन किया.

उन्होंने कहा, हमने तमिलनाडु सरकार से राज्य में चल रहे विभिन्न न्यायालयों के लिए 300 से अधिक नए न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की अपील की है और सरकार ने 233 न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है. न्यायाधीशों की नियुक्ति जल्द ही कर दी जाएगी. न्यायमूर्ति कृष्णकुमार ने कहा कि फिलहाल इरोड में 41 अदालतें चल रही हैं. उन्होंने कनिष्ठ अधिवक्ताओं से वरिष्ठ वकीलों का सम्मान करने तथा जटिल मामलों में सुझाव लेने का अनुरोध किया. इससे पहले, वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कोडुमुडी में एक उपन्यायालय का उद्घाटन करते हुए याधीश एम एम सुंदरेश ने कहा कि न्यायिक अदालतें वादियों के फायदे के लिए बनायी गयी हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)